MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 20 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-168

उद्धव सरेंडर!

पार्टी में टूट के बीच इस्तीफे की पेशकश

मुंबई, 19 जून (एजेंसियां)।

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को पार्टी के 60वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाजपा, शिंदे गुट और दल-बदल करने वाले नेताओं पर तीखा हमला बोला। अपने संबोधन में उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि उन्हें किसी आदेश का इंतजार करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि बालासाहेब ठाकरे बहुत पहले ही गद्दारों के खिलाफ रुख स्पष्ट कर चुके थे। इसी दौरान उन्होंने अपने भाषण में बड़ी बात भी कह दी।

उन्होंने कहा कि, अगर पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को लगता है कि वह शिवसेना प्रमुख पद के लिए ठीक नहीं हैं, तो वह पद छोड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैं किसी भी योग्य व्यक्ति को शिवसेना का अध्यक्ष बनाने के लिए तैयार हूं। मैं संघर्ष से पीछे हटने वाला नहीं हूं, लेकिन जिस दिन आपको लगे कि मैं इस जिम्मेदारी के लिए सही नहीं हूं, उसी दिन मैं यह पद छोड़ दूंगा।

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग यह सोच रहे होंगे कि शिवसेना टूटने और राजनीतिक चुनौतियों के बाद उनका हौसला टूट जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं होने वाला। उन्होंने कहा कि वह किसी भी परिस्थिति में हार मानने वाले नहीं हैं।

उद्धव ठाकरे ने कहा कि इन दिनों बालासाहेब ठाकरे का एक पुराना भाषण वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने पार्टी से विश्वासघात करने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे राजनीतिक अभियान चलते रहे तो फिर ऑपरेशन कमल का जवाब ऑपरेशन तोड़वा से दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि देश अराजकता की ओर बढ़ रहा है और विपक्षी उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने तक नहीं दिया जा रहा।

उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा, मेरी भाजपा को सलाह है कि अगर आप इसी रास्ते पर चलते रहे तो आपका भविष्य नहीं है। युवाओं को कम मत आंकिए। आजादी की लड़ाई युवाओं ने लड़ी थी और वे बड़े बदलाव लाने की ताकत रखते हैं।

उद्धव ने पार्टी छोड़कर जाने वाले सांसदों और विधायकों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं और मतदाताओं ने मेहनत करके उन्हें जिताया था, इसलिए अब जनता को उनसे जवाब मांगने का अधिकार है। उन्होंने कहा, किसानों ने चंदा दिया, कार्यकर्ताओं ने मेहनत की और ये नेता जीतकर चले गए। मेरे आदेश का इंतजार मत कीजिए, उनसे हिसाब मांगिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की सफलता का आकलन चुनावी नतीजों से होना चाहिए। उद्धव ने पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री इंद्रजीत गुप्ता का जिक्र करते हुए कहा कि बालासाहेब ने उनसे कहा था कि सत्ता से उन्हें कोई मोह नहीं है और सरकार गिर भी जाए तो कोई फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस के साथ गठबंधन पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए उद्धव ने कहा कि यदि शिवसेना 30 वर्षों तक भाजपा के साथ रहकर भी उसमें विलय नहीं हुई, तो कांग्रेस में विलय होने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भाजपा खुद शिंदे गुट की वजह से परेशान है।

उद्धव ने कांग्रेस को लेकर कहा कि अतीत में दोनों दलों के बीच मतभेद रहे, लेकिन कांग्रेस ने कभी मातोश्री का अपमान नहीं किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने वादे निभाए हैं। साथ ही उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि शिवसेना का समर्थन न मिलता तो भाजपा बहुत पहले खत्म हो जाती।

उद्धव ठाकरे ने शिवसेना (यूबीटी) के कांग्रेस में विलय की अटकलों को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि शिवसेना किसी में विलय होने के लिए नहीं बनी थी, बल्कि मराठी लोगों के अधिकारों और हिंदुत्व की रक्षा के लिए बनी थी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अब स्थिति ऐसी बन रही है कि भाजपा को ही शिंदे की शिवसेना में शामिल होना पड़ सकता है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

डाका डाला गया : नृपेंद्र

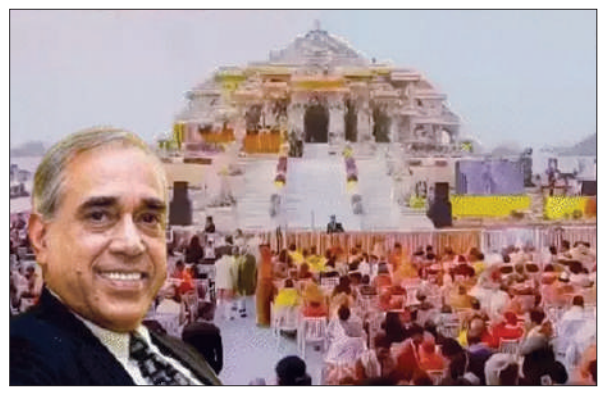

अयोध्या, 19 जून (एजेंसियां)।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन पूर्व आईएएस नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी पर खुलेआम डाका डाला गया। मंदिर का पूरा मैनेजमेंट बदल देना चाहिए। ये लोगों के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात है। बैंक के लोगों ने जिम्मेदारी नहीं निभाई। इससे बड़ी लापरवाही क्या ही हो सकती है।

ये बातें नृपेंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को एबीपी न्यूज से बातचीत में कहीं। उन्होंने कहा, काउंटिंग प्रक्रिया से जुड़े सबूत से मालूम पड़ता है कि पूरी व्यवस्था में निगरानी करीब शून्य थी और विजिलेंस का गंभीर अभाव था। जबकि, बैंक और ट्रस्ट के बीच हुए समझौते में स्पष्ट रूप से तय था कि दान की गिनती और उसका हिसाब-किताब रखने की जिम्मेदारी बैंक की होगी।

उन्होंने चढ़ावा चोरी में कमियों को गिनाते हुए कहा कि इससे जुड़े विवाद ने मंदिर की देखरेख और जवाबदेही व्यवस्था में बड़ी खामियों को उजागर किया है।

चढ़ावा चोरी का मामला इससे पहले सामने आए जमीन खरीद विवाद से अधिक गंभीर और चुनौतीपूर्ण है। जमीन खरीद की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई गई थी। वह घटना एक चेतावनी थी कि अगर व्यवस्थाओं में पारदर्शिता नहीं होगी तो कठिनाइयां पैदा हो सकती हैं।

दान या चढ़ावे को लेकर बहुत पारदर्शिता रखी जानी चाहिए। रोजाना हिसाब का लेखा-जोखा वेबसाइट पर आना चाहिए। गाइडलाइन में लिखा है कि बिना जेब वाले कपड़े पहनने चाहिए। प्रवेश के समय और बाहर जाते समय पूरी जांच हो। चर्चा है कि लोग पॉकेट में गड्डियां लेकर बाहर गए। दिशा-निर्देश अच्छे हैं, लेकिन उनके क्रियान्वयन में कमी रह गई।

पूरी प्रक्रिया में एसबीआई के रोल को भी देखना होगा। एसबीआई इससे बच नहीं सकता, काउंटिंग की जिम्मेदारी उनकी है। समझौते में लिखा है कि एसबीआई काउंटिंग कराएगा। बहुमूल्य धातु को लेकर भी सीट जांच करेगी। श्रद्धालुओं ने दान पात्र में अंगूठियां, कान के गहने और सोने की चूड़ियां भी डालीं। दान पात्र में डाले गए आभूषणों की रसीद नहीं है।

शुरुआती तथ्यों से यह प्रतीत हो रहा है कि बैंक ने अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों का पालन नहीं किया। काउंटिंग रूम में बैंक को अपने कर्मचारियों की तैनाती करनी थी, मगर ऐसा नहीं किया गया। आखिर ऐसा क्यों हुआ, यह अब जांच का विषय है और एसआईटी इसकी पड़ताल करेगी।

श्रद्धालुओं के विश्वास में आई कमी को ठीक करना है। मैनेजमेंट के दो हिस्से होते हैं- निष्ठा और निगरानी। पहला हिस्सा- कर्मचारियों की निष्ठा के प्रति विश्वास रखना। दूसरा हिस्सा- कर्मचारियों की निगरानी रखना।

▶8पर

ट्रंप-मेलोनी में अनबन

विदेश मंत्री का यूएस दौरा रद्द

रोम, 19 जून (एजेंसियां)।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के एक बयान पर नाराजगी जाहिर की है। ट्रम्प ने दावा किया था कि ऋ7 शिखर सम्मेलन के दौरान मेलोनी उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए बेताब थीं। इस पर मेलोनी ने कहा कि ट्रम्प की यह कहानी पूरी तरह झूठी और मनगढ़ंत है। ट्रम्प ने इतालवी टीवी चैनल एलए7 से बातचीत में कहा, वह मेरे साथ फोटो चाहती थीं। मैं ऐसा नहीं करना चाहता था, लेकिन मुझे उन पर तरस आ गया। इस पर मेलोनी ने कहा, मैं हैरान हूं। समझ नहीं आता कि अमेरिका के राष्ट्रपति अपने सहयोगियों के साथ ऐसा व्यवहार क्यों करते हैं। एक बात उन्हें याद रखनी चाहिए- न मैं और न ही इटली कभी किसी के सामने गिड़गिड़ाते हैं। विवाद बढ़ने के बाद इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तायानी ने अगले हफ्ते का अपना अमेरिकी दौरा रद्द कर दिया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प का बयान सिर्फ प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि पूरे इटली का अपमान हैं। हालिया जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रम्प और मेलोनी के बीच रिश्तों में सुधार के संकेत दिखे थे। फ्रांस में हुई बैठक के दौरान दोनों नेताओं को कई मौकों पर साथ देखा गया। दोनों एक सोफे पर बैठकर लंबी बातचीत करते नजर आए और उनकी तस्वीरें भी चर्चा में रहीं।उस समय माना जा रहा था कि इस साल की शुरुआत में पैदा हुए मतभेदों के बाद दोनों नेताओं के संबंध फिर सामान्य हो रहे हैं। लेकिन ट्रम्प के ताजा बयान के बाद दोनों देशों के बीच फिर तनाव बढ़ गया है।

मेलोनी की पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली के सीनेट नेता लूचियो मलान ने कहा कि ट्रम्प पहले भी कई यूरोपीय नेताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कर चुके हैं और इससे सबसे ज्यादा नुकसान उनकी अपनी छवि को हो रहा है।

उन्होंने कहा कि जी7 सम्मेलन के वीडियो ट्रम्प के दावे से बिल्कुल अलग तस्वीर दिखाते हैं। उनके मुताबिक ट्रम्प को शायद यह बात परेशान करती है कि जरूरत पड़ने पर मेलोनी अमेरिका को ना कहने से नहीं हिचकतीं। राष्ट्रपति सर्जियो मत्तारेला ने तुरंत मेलोनी को फोन कर समर्थन जताया।

▶8पर

ईरान जंग बाद सोना 10% सस्ता

2026 अंत तक 40% बढ़ेगा

नयी दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

ईरान जंग शुरू होने से एक दिन पहले, यानी 27 फरवरी को भारत में 10 ग्राम सोना 1.60 लाख रुपए का था। जंग खत्म होने के एक दिन बाद, यानी 19 जून को कीमत 1.45 लाख प्रति 10 ग्राम हो गई। यानी करीब 10% की गिरावट। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तो इस दौरान 20% गिरावट हुई। अब अमेरिकी बैंकिंग संस्थान जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि 2026 के अंत तक सोने के दाम 40% तक बढ़ जाएंगे। सोना सुरक्षित निवेश माना जाता है। जंग की सुगबुगाहट भी हो, तो निवेशक सोने का रुख करने लगते हैं। डिमांड बढ़ने से सोने की कीमतें भी बढ़ने लगती हैं। इस ट्रेंड से उलट ईरान जंग के दौरान सोने की कीमतें घटीं। इसकी 3 प्रमुख वजहें हैं-

डॉलर की मजबूती के चलते सोने की खरीद घटी

सोने की कीमत डॉलर में तय होती है, इसलिए जब डॉलर मजबूत होता है, तो सोना खरीदना महंगा होता है और इससे सोने की मांग घट जाती है।

ईरान जंग शुरू होने के बाद डॉलर इंडेक्स करीब 3% तक बढ़ा। इससे लोगों ने डॉलर छोड़ सोने में निवेश से परहेज किया।

भारत भी डॉलर के बदले में सोना इम्पोर्ट करता है। इम्पोर्ट बिल में दूसरे नंबर पर सोने की हिस्सेदारी होती है। डॉलर मजबूत होने के चलते इम्पोर्ट बिल बढ़ा, जिसके चलते सोने की डिमांड कम हुई और दाम घट गए।

पहले से महंगा चल रहा सोना बेचकर प्रॉफिट बुकिंग

2025 से 2026 की शुरुआत तक सोने के दाम 74% तक बढ़े थे। सोने-चांदी जैसे मेटल्स के रिकॉर्ड हाई पहुंचने के बाद इनके तेजी से क्रैश होने की आशंका होती है।

सोने के मुकाबले डॉलर तेजी से मजबूत हुआ। निवेशकों ने अपना प्रॉफिट निकालने के लिए सोना बेचना शुरू कर दिया। इससे सोने के दाम घटने लगे।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, गोल्ड ईटीएफ की खरीदारी भी तेजी से कम हुई। देशों के केंद्रीय बैंक भी सोने की खरीदारी कम कर रहे हैं।

ब्रिटेन की प्रोग्रेसिव इकॉनोमिक फोरम के मेंबर जेम्स मीडवे कहते हैं, सोना अब उतना सेफ एसेट नहीं माना जा रहा, जैसा दो साल पहले था। अब ये सट्टा बेस्ड एसेट बन गया है। इसलिए सेंट्रल बैंक और बड़े इन्वेस्टर, सोने की अस्थिरता से डरे हुए हैं।

सोना महंगा होने से घरेलू डिमांड घटी

बड़े खरीदार भी अब सोना कम खरीद रहे हैं, क्योंकि देश में पहले से सोने का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। दिसंबर 2025 में देश में 4.13 अरब डॉलर का

▶8पर

कोरोना मास्टरमाइंड अमेरिकी !

चीनी लैब को फंडिंग,तुलसी का खुलासा

नयी दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

कोरोना वायरस कहां से आया और दुनिया भर में कैसे फैला, इस पर अब तक का सबसे बड़ा और हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। अमेरिका के मशहूर डॉक्टर/साइंटिस्ट एंथनी फाउची पर बहुत गंभीर आरोप लगे हैं। ये आरोप अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस (खुफिया विभाग) की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने लगाए हैं। खास बात ये है कि उनका शुक्रवार को आखिरी कार्यदिवस था। नए दस्तावेजों से पता चला है कि डॉक्टर फाउची ने ही चीन की वुहान लैब को उस खतरनाक रिसर्च के लिए करोड़ों रुपये दिए थे, जिसकी वजह से कोरोना वायरस फैला। जब वायरस फैल गया, तो फाउची ने खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर इस सच को दुनिया से छुपाया और अमेरिकी संसद में झूठ बोला।डॉक्टर एंथनी फाउची अमेरिका के एक बड़े स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख थे। कोरोना महामारी आने से पहले, उन्होंने अमेरिका की जनता के टैक्स का पैसा चीन की वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (वुहान लैब) को दिया था।

यह पैसा चमगादड़ों के कोरोना वायरस पर एक बहुत ही खतरनाक रिसर्च के लिए दिया गया था। अब दुनिया भर में यह माना जा रहा है कि इसी वुहान लैब से गलती से यह वायरस लीक हुआ और पूरी दुनिया में महामारी फैल गई। अमेरिका की नेशनल इंटेलिजेंस (खुफिया विभाग) की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने कुछ ऐसे मैसेज और दस्तावेज दुनिया के सामने रखे हैं,

▶8पर

1 जुलाई से सख्त नियम

बिना टिकट पर अब 500 जुर्माना

नयी दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करने पर अब पहले से दोगुना जुर्माना देना पड़ेगा। इसी तरह से दूसरे व्यक्ति के नाम से बुक किए गए टिकट पर यात्रा करना भी महंगा पड़ेगा। इसी तरह से महिला कोच में प्रवेश करने वाले पुरुष पर और ट्रेन व रेल परिसर में अन्य नियमों का उल्लंघन करने वालों से अधिक जुर्माना वसूला जाएगा। एक जुलाई से नए नियम लागू होंगे। ट्रेन में अभी बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़े जाने पर पूरा किराया के साथ ही 250 रुपये जुर्माना वसूला जाता है। जुर्माना की राशि बढ़ाकर पांच सौ रुपये कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि इससे पहले जुर्माना की राशि वर्ष 2013 में 50 रुपये से बढ़ाकर ढाई सौ रुपये किया गया था। यानी 13 वर्षों के बाद इसमें वृद्धि की गई है। यदि किसी अन्य के नाम पर बुक टिकट से कोई यात्रा करते हुए पकड़ा जाएगा तो टिकट जब्त करने के साथ ही उससे पूरा किराया और पांच सौ रुपये जुर्माना वसूला जाएगा।

नशे की हालत में ट्रेन या रेलवे परिसर में हंगामा करने, यात्रियों परेशान करने और गाली-गलौज करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

▶8पर

इजरायल-हिज्बुल्लाह सीज़फायर

यूएस-क़तर ने की मध्यस्थता

नयी दिल्ली, 19 जून (एजेंसियां)।

इजरायल और हिज्बुल्लाह के बीच लड़ाई एक बार फिर बहुत तेज हो गई थी, और अब दोनों के बीच सीजफायर यानी संघर्ष विराम पर सहमति बन गई है। यह सीजफायर शुक्रवार दोपहर लोकल टाइम 4 बजे से लागू होगा। यह जानकारी एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को दी है। खास बात ये है कि डोनाल्ड ट्रंप की ओर से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर शांति बहाली को लेकर प्रेशर बनाया जा रहा था।

18 मौतों के बाद समझौते की राह

इजरायल और ईरान समर्थित ग्रुप हिज्बुल्लाह के बीच लेबनान में रात भर लड़ाई बहुत तेज हो गई थी। इस हमले में लेबनान में कम से 18 लोगों की जान चली गई। इसी के बाद अब दोनों पक्षों ने सीजफायर पर सहमति बना ली है। एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि हिज्बुल्लाह और इजरायल सीजफायर के लिए राजी हो गए हैं। अधिकारी ने यह भी बताया कि अमेरिका और कतर के बातचीत करने वालों ने ईरान की मदद से यह डील तैयार की है। अधिकारी ने आगे कहा कि आज पहले गोलीबारी हुई थी, और उसके बाद अब इजरायल और हिज्बुल्लाह सीजफायर में आ गए हैं। वहीं, अमेरिकी अधिकारी ने एक्सियोस को बताया कि नेतन्याहू लेबनान में सीजफायर को रिन्यू करने

▶8पर

नाइजर में एयरपोर्ट पर आतंकी हमला, 11 सनिकों की मौत, 22 दहशतगर्द ढेर

नियामी (नाइजर)

नाइजर की राजधानी नियामी में डियोरी हमानी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर गुरुवार तड़के आतंकवादी हमला हुआ हैं। एयरपोर्ट पर एक घंटे से ज्यादा समय तक धमाके और गोलीबारी होती रही। नाइजर गणराज्य की सन्य सरकार की शुरुआती रिपोर्ट में बताया गया कि हमले में 11 सनिक और 22 आतंकवादी मारे गए।

अंग्रेजी भाषा के समाचार पत्र प्रीमियर टाइम्स नाइजीरिया की रिपोर्ट के अनुसार, इस हमले में दो आम नागरिकों की भी मौत हो गई। बताया जा रहा ह कि यह गोलीबारी एयरपोर्ट के मुख्य प्रवेश द्वार के पास शुरू हुई। इसके बाद सुरक्षा बलों को सारे परिसर को घेर लिया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सेना की घेराबंदी के बाद आतंकवादी इधर-उधर भागने लगे। नाइजर की सेना ने दहशतगर्दों का पीछा किया। भागते समय आतंकवादी हथियारों का जखीरा वहीं छोड़ गए थे। अभी तक किसी भी समूह ने एयरपोर्ट पर हुए इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली ह, लेकिन इसी साल जनवरी में इसी एयरपोर्ट पर ऐसी ही एक घटना हो चुकी हैं।

इस्लामिक स्टेट इन द साहैं। जुड़े हथियारबंद आतंकवादियों ने मोर्टार और ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए कई तरफ से हमला किया था। उन्होंने नागरिक टर्मिनल और उससे सटे एयर बेस 101, दोनों को निशाना बनाया था। यह एयर बेस देश के सन्य अभियानों के लिए एक अहम रणनीतिक केंद्र हैं। जनवरी के हमले में नाइजर की सेना के साथ रूसी अफ्रीका कार्प्स के लड़ाके भी थे। इन्होंने कई आतंकवादियों को मार गिराते हुए कुछ जीवित पकड़ लिया था। इस हमले में रनवे, सन्य वाहनों और कमर्शियल विमानों को भी भारी नुकसान पहुँचाया।

नाइजर एक दशक से ज्यादा समय से संगठित इस्लामी उग्रवादी विद्रोह का सामना कर रहा हैं। अपने पड़ोसी देशों माली और बुर्किना फासो की तरह नाइजर में भी सन्य शासन हैं। इस सन्य सरकार ने व्यापक क्षेत्रीय हिंसा को निर्णायक रूप से खत्म करने का वादा करते हुए सत्ता पर कब्जा किया था। नाइजर हिंसक चरमपंथ के खिलाफ एक जटिल और कई मोर्चों पर लड़ी जा रही लड़ाई के केंद्र में हैं। चरमपंथ ने 2010 के दशक के मध्य से ही पूरे साहैं। क्षेत्र को अस्थिर कर दिया हैं। इस समय नाइजर को अलग-अलग तरह के विद्रोही समूहों का सामना करना पड़ रहा हैं। पश्चिम में (माली और बुर्किना फासो की सीमाओं के पास), यह आईएस-साह। और अल-कायदा से जुड़े जेएनआईएम से लड़ रहा हैं। दक्षिण-पूर्व में (लेक चाड के पास), यह बोको हराम और इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस से मुकाबला कर रहा हैं।

न्यूज ब्रीफ

आपरेशन सिंदूर और ईरान युद्ध ने पाकिस्तानी सरकार को जीवनदान दे दिया

वाशिंगटन। पाकिस्तान की पालिटिकल एक्सपर्ट डा. आयशा सिद्दीका ने कहा है। कि आपरेशन सिंदूर की

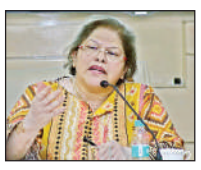

वजह से पाकिस्तान का शासन ढहने से बच गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना नरेटिव बनाने में कामयाब रही और डोनाल्ड ट्रंप ने उस नरेटिव को काफी बढ़ाया जिससे पाकिस्तान के शासन को जीवनदान मिल गया। उन्होंने एक पत्रकार से बात करते हुए बताया कि कसे हाल के क्षेत्रीय संकटों से पाकिस्तान की सेना को नई ताकत मिली ह। डा. आयशा सिद्दीका किंग्स कालेज लंदन में वार स्टडीज की सीनियर फेलो हं और पाकिस्तान की सेना और सरकार के बीच की डार्क स्टोरी पर कई किताब लिख चुकी हं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्राडकास्टर से बातचीत में डा. सिद्दीका ने कहा कि भारत के आपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना ने कहीं ना कहीं अपनी जनता को बिना सबूत दिए इस बात का विश्वास दिला कि हमने 3-4 राफेल गिरा दिए हं, जबकि पाकिस्तान की सेना की तरफ से एक भी सबूत नहीं दिए गए और भारत ने कई सारे सबूत दुनिया के सामने रख दिए थे। पाकिस्तानी सेना के इस दावे को ट्रंप ने अपने बयान से बढ़ाया। उन्होंने कभी कहा कि 7 विमान गिरे, कभी 8 विमान गिरे तो कभी 10 विमान गिरे और इससे पाकिस्तानी सेना के नरेटिव को बल मिला। उन्होंने कहा कि भारत के आपरेशन सिंदूर से पहले पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार और सेना के खिलाफ देश में जबरदस्त गुस्सा था। इमरान खान के समर्थकों ने सेना और सरकार का जीना मुहाल कर रखा था लेकिन पाक सेना प्रमुख असीम मुनीर ने आपरेशन सिंदूर को अपने फायदे के लिए भुनाया। डा. आयशा ने इस्लामाबाद मेमोरंडम आफ अंडरस्टंडिंग पर बातचीत में पाकिस्तान की अहम भूमिका का जिक्र किया और कहा कि इससे अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने में मदद मिली।

बांग्लादेश का आश्वासन तारिक रहमान के चीन दौरे से भारत से संबंध अप्रभावित

ढाका। बांग्लादेश ने साफ किया है। कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान की आगामी विदेश यात्रा, जिसमें

मलेशिया और चीन का दौरा शामिल ह, का भारत के साथ उसके संबंधों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं होगा। ढाका के सरकारी सूत्रों ने जोर दिया कि भारत और बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों की अपनी विशिष्ट गतिशीलता और जरूरतें हं, जो किसी भी तीसरे देश के साथ संबंधों से अलग और महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री रहमान 17 फरवरी को सत्ता में आने के बाद अगले सप्ताह अपनी पहली विदेश यात्रा पर जा रहे हं।बांग्लादेशी अधिकारियों ने बताया कि भारत के साथ बांग्लादेश के रिश्तों की जगह कोई दूसरा देश नहीं ले सकता, खासकर करीब 4,000 किलोमीटर लंबी साझा सीमा के कारण। प्रधानमंत्री रहमान के आगामी जुलाई में नई दिल्ली दौरे पर आने की उम्मीद ह, यह उनकी मलेशिया और चीन यात्रा के बाद होगा। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सूत्रों ने भी इसकी पुष्टि की है। कि भारत का दौरा निश्चित रूप से होगा। ढाका और दिल्ली के संबंधों को बांग्लादेशी नेताओं की विदेश यात्राओं से स्वतंत्र बताकर एक अधिकारी ने रिश्तों में सकारात्मक गति बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले राजनीतिक बदलावों के बाद से द्विपक्षीय संबंध कुछ उतार-चढ़ाव भरे दौर से गुजर रहे हं। हाल ही में, भारत के मनोनीत उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी बांग्लादेश पहुंचे और उन्होंने बातचीत के माध्यम से मतभेदों को सुलझाने का आह्वान किया। हालांकि, उनके बयानों को लेकर मुख्य विपक्षी दल जमात-ए-इस्लामी ने विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें राजदूत पर बांग्लादेश को भारत के साथ मिलाने की बात कहने का आरोप लगाया गया।

रूस पर यूक्रेन का सबसे बड़ा ड्रोन हमला, तेल डिपो तबाह,1,000 से ज्यादा ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से निशाना, एक की मौत

मास्को/कीव। यूक्रेन ने गुरुवार को रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, रातभर में करीब 1,000 ड्रोन और चार क्रूज मिसाइलों को मार गिराया गया। इनमें करीब 200 ड्रोन राजधानी मास्को की तरफ बढ़ रहे थे। हमले में दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र के एक आयल डिपो धमाके से तबाह हो गया, यहां मौजूद एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं मास्को की कपोतन्या आयल रिफाइनरी पर भी हमला हुआ। विस्फोट के बाद आयल डिपो टंक का ढक्कन कई मीटर ऊपर उछल गया और आसमान में काले धुएं के गुबार छा गए। यूक्रेन के हमले के सामने रूस का एयर डिफेंस सिस्टम फेल नजर आ रहा है। मास्को की तेल रिफाइनरी दहक रही है। और 4 एयरपोर्ट बंद हो चुके हं। रूसी अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि यूक्रेन ने एक हफ्ते में दूसरी बार मास्को की एक आयल रिफाइनरी पर हमला किया और मास्को के एयरपोर्ट्स पर कमर्शियल फ्लाइट्स को रोक दिया। यह हमला चार साल से ज्यादा समय पहले रूस के हमले के बाद से यूक्रेन के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक था। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी एयर डिफ़ेंस सिस्टम ने रात भर में कई इलाकों में 555 यूक्रेनी ड्रोन्स को मार गिराया, जिनमें से लगभग 200 को रूसी राजधानी के पास पहुंचने पर रोका गया। लेकिन कई ड्रोन शहर को निशाना बनाने में कामयाब रहे। मास्को में लगा रूस का एयर डिफेंस सिस्टम सभी ड्रोन्स को फेल नहीं कर सका।

एचएमएस हूड के डूबने की खबर ने झकझोर दिया था पूरे ब्रिटेन को

लंदन

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी का महाविशाल युद्धपोत बिस्मार्क, एक ऐसा नाम जिसने कुछ ही दिनों में पूरी दुनिया को अपनी ताकत का एहसास करा दिया था। उत्तरी अटलांटिक महासागर में 27 मई 1941 को इतिहास के एक सबसे नाटकीय अध्याय का अंत हुआ। कुछ ही दिन पहले जिस जर्मन युद्धपोत ने ब्रिटिश साम्राज्य की समुद्री ताकत को खुली चुनौती दी थी, वही अब दुश्मन जहाजों से घिरा खड़ा था। फरवरी 1939 में हम्बर्ग से लान्च किया गया 823 फुट लंबा बिस्मार्क, उस दौर के सबसे आधुनिक और शक्तिशाली युद्धपोतों में से एक था। एडोल्फ हिटलर को उम्मीद थी कि यह जहाज जर्मन नौसनिक शक्ति के पुनर्जन्म का प्रतीक बनेगा। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जब ब्रिटेन ने जर्मनी के समुद्री रास्तों पर कड़ी निगरानी लगा रखी थी, बिस्मार्क को अटलांटिक महासागर में मित्र देशों के व्यापारिक जहाजों और ब्रिटेन की आपूर्ति लाइनों पर हमला करने के लिए भेजा गया।

यह योजना बेहद खतरनाक थी, क्योंकि यदि बिस्मार्क खुले समुद्र में स्वतंत्र रूप से घूमने लगता, तो ब्रिटेन की समुद्री जीवनरेखा गंभीर संकट में पड़ सकती थी। फिर आया 24 मई 1941 का दिन, जब आइसलंड के पास डेनमार्क स्ट्रेट में बिस्मार्क का सामना ब्रिटिश नौसेना के गौरव एचएमएस हूड और नए युद्धपोत प्रिंस आफ वेल्स से हुआ। भीषण गोलाबारी में बिस्मार्क के एक घातक गोले ने एचएमएस हूड के गोला-बारूद भंडार को भेद दिया। क्षण भर में एक विशाल विस्फोट हुआ और ब्रिटेन का गौरव माना जाने वाला युद्धपोत दो हिस्सों में टूटकर समुद्र में समा गया। 1,418 अधिकारियों और नौसनिकों में से केवल तीन लोग जीवित बचे। यह ब्रिटिश नौसेना के इतिहास की सबसे बड़ी समुद्री त्रासदियों में से एक थी। एचएमएस हूड के डूबने की खबर ने पूरे ब्रिटेन को झकझोर दिया और तत्काल बिस्मार्क को हर हाल में खत्म करो का आदेश जारी हुआ। ब्रिटिश नौसेना ने अपने इतिहास के सबसे बड़े शिकार अभियानों में से एक शुरू किया। बिस्मार्क को खोजने के लिए लगभग 50 युद्धपोतों और सहायक जहाजों को अभियान में झोंक दिया गया। विमानवाहक पोत, क्रूजर, विध्वंसक और युद्धपोत लाखों वर्ग मील समुद्री क्षेत्र में उसकी तलाश करने लगे। करीब तीन दिनों तक अटलांटिक महासागर में पीछा चलता रहा। 24 मई 1941 की रात, विमानवाहक पोत एचएमएस विक्टोरियस से उड़ान भरने वाले स्वोर्डफिश विमानों ने पहला हमला किया, जिससे बिस्मार्क को कुछ नुकसान पहुंचा। दो दिन बाद, 26 मई को, बिस्मार्क फिर दिखाई दिया, अब वह फ्रांस के ब्रेस्ट बंदरगाह से एक दिन से भी कम दूरी पर था। यदि वह वहां पहुंच जाता, तो जर्मन हवाई सुरक्षा उसे बचा सकती थी। यहीं से इतिहास का निर्णायक मोड़ आया। विमानवाहक पोत एचएमएस आर्क रायल से 15 स्वोर्डफिश विमानों ने बिस्मार्क पर दूसरा हमला किया। भारी गोलाबारी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद, एक टारपीडो बिस्मार्क के पिछले हिस्से में लगा और उसके रडार को जाम कर गया। अब दुनिया के सबसे चर्चित युद्धपोत की दिशा नियंत्रित करने की क्षमता लगभग समाप्त हो चुकी थी, और विशाल बिस्मार्क खुले समुद्र में असहाय फंस गया। इसके बाद ब्रिटिश बेड़े ने उसे चारों ओर से घेर लिया। 27 मई 1941 की सुबह, एचएमएस किंग जार्ज पंचम और एचएमएस राडनी समेत ब्रिटिश युद्धपोत उसके करीब पहुंचे और अंतिम हमला शुरू किया। बिस्मार्क ने अंत तक जवाबी गोलाबारी की, लेकिन अब उसके खिलाफ पूरा ब्रिटिश बेड़ा खड़ा था। करीब 90 मिनट तक चली भीषण लड़ाई में बिस्मार्क पर 700 से अधिक गोले बरसाए गए। लगातार गोलाबारी, आग, विस्फोट और टारपीडो हमलों ने जर्मनी के इस महाविशाल युद्धपोत को धीरे-धीरे एक तरते हुए मलबे में बदल दिया। आखिरकार, जब जहाज को बचाना असंभव हो गया, तो उसे स्वयं डुबाने का आदेश दिया गया, और इसी दौरान ब्रिटिश भारी क्रूजर एचएमएस डोरसेटशायर ने भी टारपीडो दागे। सुबह 10 बजकर 36 मिनट पर बिस्मार्क उत्तरी अटलांटिक की गहराइयों में समा गया। 2,221 लोगों के चालक दल में से केवल लगभग 115-116 लोग ही जीवित बच पाए। बिस्मार्क का अंत केवल एक युद्धपोत का डूबना नहीं था, बल्कि इस घटना ने साबित कर दिया कि समुद्री युद्ध का भविष्य बदल रहा है।और विमानवाहक पोतों ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली युद्धपोत को भी अब अजेय नहीं रहने दिया।

ईरान से अगले कदमों पर वार्ता के लिए जेडी वेंस नहीं रवाना हुए स्विट्जरलंड

वाशिंगटन

फ्रांस के पेरिस में अमेरकी राष्ट्रपति और ईरानी राष्ट्रपति के शांति समझौते के 14 बिंदुओं पर हस्ताक्षर के बाद अगले कदमों पर बातचीत के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस गुरुवार रात स्विट्जरलंड के लिए रवाना नहीं हुए। इसकी पुष्टि व्हाइट हाउस ने की हैं हालांकि दोनों राष्ट्रपतियों के हस्ताक्षर के बाद मध्य पूर्व में तनाव काफी हद तक कम हुआ ह और ईरान के साथ परमाणु कार्यक्रम बातचीत का रास्ता साफ हुआ हैं

सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, वेंस के यात्रा स्थगित करने से होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल टंकरों और जहाजों के आवागमन पर कोई फर्क नहीं पड़ा हैं दोनों राष्ट्रपतियों के हस्ताक्षर के बाद होर्मुज खुल गया हैं आवागमन में अचानक तेजी आ गई हैं व्हाइट हाउस के एक प्रवक्ता ने पत्रकारों को बताया कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ईरान के साथ बातचीत शुरू करने में मदद के लिए गुरुवार देररात स्विट्जरलंड के लिए रवाना नहीं हुए। प्रवक्ता ने कहा कि वेंस प्रेस कान्फ्रेंस में कह चुके हं कि तकनीकी बातचीत की योजना अभी तय नहीं हुई हैं रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पक्ष, तकनीकी बातचीत करने की योजना बना रहैं हं। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने कांग्रेस के नेताओं को ईरान समझौते के बारे में जानकारी दी हैं व्हाइट हाउस के एक प्रवक्ता ने कहा कि ट्रंप प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने हाउस और सीनेट के नेताओं के साथ फोन पर इस समझौते के बारे में बताया। अधिकारियों ने सीनेट की विदेश संबंध समिति और हाउस की विदेश मामलों की समिति के शीर्ष सांसद साथ ही सीनेट में बहुमत दल के नेता जान थ्यून और अल्पसंख्यक दल के नेता चक शूमर को फोन किया। वरिष्ठ अधिकारियों ने सांसदों के सवालों के जवाब भी दिए और अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली आगामी बातचीत की रूपरेखा बताई।

इस बीच ईरान के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ हुए अमेरिकी समझौते के बावजूद दक्षिणी लेबनान में अपने सुरक्षा क्षेत्र से इजराइली सेना को हटाने का कड़ा विरोध किया हैं हिजबुल्लाह ने कहा ह कि इजराइली सेना को लेबनान की जमीन छोड़नी होगी। उधर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) का कहना ह कि उसने ईरानी बंदरगाहों पर लगी नाकाबंदी हटा ली है।

पहली बार मोबाइल नेटवर्क ने चांद से धरती के साथ किया कनेक्शन स्थापित

वाशिंगटन। वज्ञानिकों ने चांद पर पहली बार किसी मोबाइल नेटवर्क ने सफलतापूर्वक धरती के साथ कनेक्शन स्थापित किया। इस अभूतपूर्व प्रयास ने एक ऐसी उम्मीद को लौ दिखाई है। जिसे साकार करने में वज्ञानिक दिन-रात जुटे हैं। वज्ञानिकों के इस अभूतपूर्व प्रयास ने अंतरिक्ष अनुसंधान में एक नया अध्याय रच दिया चांद पर मोबाइल नेटवर्क का यह अनोखा प्रयास सिर्फ एक ट्रायल था, लेकिन अब इसे नासा के आर्टेमिस मिशन के साथ हकीकत में बदलने की तयारी है। नोकिया और इन्यूटिव मशीन का लंडर एथेना पिछले साल मार्च में चांद के साउथ पोल पर उतरा था। यह लंडर अपने साथ 4जी/एलटीई मोबाइल नेटवर्क सिस्टम लेकर गया था। सफलतापूर्वक लंड होने के बाद, नेटवर्क एक्टिव हुआ और धरती पर मौजूद कंट्रोल सेंटर के साथ कनेक्ट होकर डेटा भी भेजा। नोकिया का दावा है। कि इस नेटवर्क के मुख्य हिस्से, रेडियो और नेटवर्क कोर ने सही तरीके से काम किया। हालांकि, यह चांद से धरती पर काल नहीं कर पाया, क्योंकि धूप न मिलने की वजह से सौर पनल पूरी तरह चार्ज नहीं हो सके और यह नेटवर्क सिर्फ 25 मिनट ही काम कर पाया। इसके बावजूद, नोकिया बेल लब्स स्पेस कम्युनिकेशंस ने यह साबित कर दिया है कि मोबाइल नेटवर्क स्पेस में भी काम कर सकते है।

अंधेरे में चमकने लगता कसोवरी पक्षी के सिर का मुकुट शोध

न्यूयार्क

आस्ट्रेलिया और न्यू गिनी के घने वर्षा वनों में पाया जाने वाला कसोवरी पक्षी से जुड़ा एक हरान करने वाला रहस्य सामने आया हैं शोधकर्ता वज्ञानिकों के अनुसार, इसके सिर पर मौजूद मुकुट जसी संरचना अंधेरे में पराबंगनी (यूवी) प्रकाश पड़ने पर नीले और हरे रंग में चमकने लगती हैं कसोवरी को दुनिया के सबसे खतरनाक पक्षियों में गिना जाता हैं यह लगभग एक वयस्क इंसान जितना लंबा हो सकता है। और घने जंगलों में भी तेज गति से दौड़ने की क्षमता रखता है। इसके परों में खंजर जसे तीखे नाखून होते हं, जो गंभीर चोट पहुंचा सकते हं। इसके सिर पर एक विशेष संरचना होती ह, जिसे वज्ञानिक कास्क कहते है। यह हड्डी के ढांचे से बनी होती है। और ऊपर से केराटिन नामक पदार्थ से ढकी रहती हैं केराटिन वही तत्व है। जिससे मनुष्यों के बाल और नाखून बने होते हं। लंबे समय से वज्ञानिक इस कास्क के वास्तविक उपयोग को समझने की कोशिश कर रहैं थे। कुछ विशेषज्ञों का मानना था कि यह शरीर की गर्मी नियंत्रित करने, घने जंगलों में आवाज को बढ़ाने या दूसरे पक्षियों को संकेत देने का काम करता हैं हालांकि इसका फीका भूरा और काला रंग इन सिद्धांतों को पूरी तरह स्पष्ट नहीं कर पाता था।

हालिया अध्ययन में वज्ञानिकों ने पाया कि यह मुकुट सामान्य रोशनी में भले ही साधारण दिखाई

देता हो, लेकिन यूवी प्रकाश के संपर्क में आने पर चमकदार नीले और हरे रंग में बदल जाता हैं इस घटना को बायोफ्लोरेसेंस कहा जाता हैं इसमें कोई पदार्थ पराबंगनी प्रकाश को अवशोषित कर उसे दूसरे रंग की रोशनी के रूप में वापस उत्सर्जित करता हैं इस रहस्य की जांच के लिए न्यूयार्क इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी कालेज आफ ओस्टियोपथिक मेडिसिन के एनाटामिस्ट डा. टाड एल. ग्रीन और उनकी टीम ने व्यापक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने संग्रहालयों में सुरक्षित रखे गए 95 कसोवरी सिरों और नौ जीवित पक्षियों पर परीक्षण किए। यूवी लंप की रोशनी डालने पर उनके कास्क चमकदार रंगों में प्रकाशित हो उठे। शोधकर्ताओं ने तुलना के लिए शुतुरमुर्ग और एमु जसे पक्षियों पर भी यही प्रयोग किया। इन पक्षियों में ऐसी कोई चमक नहीं मिली, जिससे स्पष्ट हुआ कि यह विशेष गुण केवल कसोवरी में पाया जाता है।

हालांकि वज्ञानिक अभी यह निश्चित नहीं कर पाए हं कि यह चमक दूसरे कसोवरी पक्षियों के लिए किसी प्रकार का दृश्य संकेत ह या फिर यह केवल जविक संरचना का उप-उत्पाद हैं इस खोज का व्यावहारिक महत्व भी हैं वज्ञानिकों का कहना है। कि मरने के वर्षों बाद भी कसोवरी के नमूनों में यह फ्लोरोसेंट पटर्न बना रहता हैं इससे पुराने जीवाश्म और नमूनों की पहचान करना आसान हो सकता हैं साथ ही, जंगलों में रहने वाले दुर्लभ कसोवरी पक्षियों की निगरानी भी अधिक सुरक्षित तरीके से की जा सकेगी। विशेषज्ञों का सुझाव है। कि यूवी फ्लश युक्त ट्रेल कमरों की मदद से इन पक्षियों की गणना और अध्ययन किया जा सकता हैं यह खोज केवल आधुनिक पक्षियों तक सीमित नहीं ह, बल्कि प्रागतिहासिक जीवों के अध्ययन में भी नई संभावनाएं खोलती हैं कई वज्ञानिक कसोवरी की तुलना मुकुटधारी डायनासोरों से करते हं। ऐसे में यह संभावना भी जताई जा रही है। कि विलुप्त हो चुके कई प्राचीन जीवों में भी ऐसे रंग और चमक मौजूद रहैं होंगे, जिनके प्रमाण जीवाश्मों में संरक्षित नहीं रह सके। बता दें कि कसोवरी पक्षी लंबे समय से अपनी आक्रामक प्रवृत्ति और खतरनाक नाखूनों के कारण वज्ञानिकों और वन्यजीव विशेषज्ञों की रुचि का केंद्र रहा है।

ईरान के हथियार को बेअसर करेगी खाड़ी देशों की 10 अरब डालर की महात्वाकांक्षी योजना

रियाद

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के चलते 100 दिनों से अधिक समय तक होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद रहने से पूरी दुनिया बुरी तरह से प्रभावित हुई हं। इस वश्विक समस्या का स्थायी समाधान निकल कर खाड़ी देशों ने होर्मुज स्ट्रेट से हमेशा के लिए पीछा छुड़ाने की महत्वाकांक्षी योजना पर काम शुरू किया हैं जिसका उद्देश्य सीरिया और तुर्की को भविष्य में ऊर्जा वितरण के बड़े हब के तौर पर तयार करना ह। विश्लेषकों का मानना है। कि होर्मुज स्ट्रेट ईरान के लिए परमाणु बम से भी बड़ा रणनीतिक हथियार साबित हुआ है। और अमेरिका के साथ वर्तमान बातचीत में भी इसका अहम योगदान रहा ह। 10 अरब डालर की इस फोर सीज इनिशिएटिव योजना का मुख्य मकसद ऊर्जा निर्यात के रास्तों में विविधता लाकर यूरोप की रूसी और ईरानी तेल व गस पर निर्भरता को कम करना है। साथ ही, यह पहल खाड़ी देशों से निवेश को पश्चिमी देशों के साथ जुड़े

इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की ओर मोड़ने का काम करेगी। इस व्यापक परियोजना में फारस की खाड़ी के साथ-साथ काला सागर, कस्पियन सागर और भूमध्य सागर को शामिल किया गया ह। इसके तहत, खाड़ी से सीरिया और तुर्की तक, इराक और जार्डन के रास्ते जमीनी निर्यात मार्गों का विस्तार किया जाएगा, जिसे कस्पियन और काला सागर बेसिन के मौजूदा निर्यात नेटवर्क से भी जोड़ा जाएगा। इस भू-राजनीतिक और बुनियादी ढांचा योजना का प्राथमिक लक्ष्य फारस की खाड़ी से निकलने वाले तेल और गस को बिना होर्मुज स्ट्रेट भेजे सीधे यूरोप और वश्विक बाजारों तक पहुंचाना है। वाशिंगटन में कार्यक्रम के दौरान नए ऊर्जा कारिडोर की विस्तृत रूपरेखा पेश की गई। योजना के पूर्ण कार्यान्वयन के बाद, इसके जरिए रोजाना 40 लाख बरल तेल और सालाना 50 अरब घन मीटर (बीसीएम) प्राकृतिक गस यूरोपीय बाजारों में भेजी जा सकेगी, जिससे वश्विक ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। न्यू लाइन्स इंस्टीट्यूट (एनएलई) के अवधारणा पत्र में बताया गया है। कि असद के बाद सीरिया में स्थिरता आने से लेवांट क्षेत्र को ऊर्जा संघर्ष के केंद्र से बदलकर महाद्वीपीय ऊर्जा कारिडोर बनाने का एक ऐतिहासिक मौका मिलेगा। एनएलई के अनुसार, फोर सीज इनिशिएटिव से चार बड़े रणनीतिक फायदे होने ह। रूस और ईरान पर निर्भरता कम करके यूरोप की ऊर्जा संप्रभुता बढ़ाना, मध्य पूर्व के महत्वपूर्ण रणनीतिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर अमेरिका का व्यापारिक दबदबा सुनिश्चित करना, ट्रांज़िट से होने वाली कमाई से सीरिया की अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण करना और पश्चिम के साथ एक स्थायी भू-राजनीतिक समझौता स्थापित करना। इस विशाल पाइपलाइन नेटवर्क को खड़ा करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर कंसोर्टियम 10 अरब डालर का निवेश जुटाएगा। हालांकि, भू-राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है। कि यह योजना सुनने में जितनी व्यवहार्य लगती है। जमीन पर उतारना उतना ही जटिल होगा। इसके लिए विभिन्न देशों के बीच मजबूत राजनीतिक सहमति, सीरिया में पूर्ण स्थिरता और कई बड़ी निर्माण कंपनियों के बीच प्रभावी तालमेल की आवश्यकता होगी। इन चुनौतियों के बावजूद, यह परियोजना खाड़ी क्षेत्र और वश्विक ऊर्जा परिदृश्य के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन-साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे ज़ज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम-काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र-छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरुरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं– साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 जून 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी सायं 03:49 तक
नक्षत्र : मघा प्रात: 09:26 तक
योग : वज्र दोपहर 12:47 तक
करण : तैतिल सायं 03:49 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35, सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अरण्य षष्ठी , साई टेऊराम पुण्य , गण्डमूल प्रात: 09:26 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भारी बारिश से वाल्मीकि समाज के घरों पर गिरे पेड़, प्रशासन की लापरवाही के पीछे राजनीतिक दबाव के आरोप

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पिछले शनिवार को हुई भारी बारिश के कारण पेटला बुर्ज क्षेत्र में भारी तबाही देखने को मिली। तेज हवाओं और बारिश के चलते विशाल पेड़ उखड़कर गिर गए, जिससे मकान नंबर 21-4-902 और 903 में रहने वाले वाल्मीकि समाज के लोगों के घरों को भारी नुकसान पहुँचा है। इस हादसे को बीते कई दिन हो चुके हैं, लेकिन ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के अधिकारियों ने अभी तक प्रभावित इलाके से न तो गिरे हुए पेड़ों को हटाया है और न ही मलबे की सफाई की है। इससे स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश है।

मलबे की सफाई न होने को लेकर अब स्थानीय स्तर पर गंभीर आरोप लगने शुरू हो गए हैं। सूत्रों और स्थानीय लोगों के अनुसार, जीएचएमसी के अधिकारी जानबूझकर इस सफाई कार्य को रोक कर बैठे हैं। आरोप

है कि मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) के स्थानीय विधायक मीर जुल्फिकार अली के भारी राजनीतिक दबाव के कारण अधिकारी कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं। आरोप यह भी है कि विधायक कथित तौर पर अधिकारियों को वाल्मीकि समाज के इन क्षतिग्रस्त घरों के आसपास से मलबा हटाने से रोक रहे हैं।

इस घटना ने पुराने शहर (ओल्ड सिटी) में प्रशासन के कामकाज के तरीके पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब एमआईएम पार्टी द्वारा पुराने शहर में इस तरह सरकारी तंत्र और अधिकारियों पर अनुचित दबाव बनाया जा रहा है। राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण पीड़ित परिवारों को राहत मिलने में जानबूझकर देरी की जा रही है, जिससे इस संवेदनशील इलाके में तनाव और निराशा का माहौल है।मामले में सबसे चौंकाने वाली बात तब सामने आई जब प्रभावितों ने प्रशासन के दोहरे मापदंड को उजागर किया। लोगों का आरोप है कि जहाँ एक तरफ पीड़ित वाल्मीकि समाज के घरों के पास से मलबा और पेड़ हटाने में लापरवाही बरती जा रही है, वहीं दूसरी तरफ उसी गली में सरकारी वाहनों का उपयोग करके अन्य निर्माण व ठोस कचरे (सॉलिड वेस्ट) को तेजी से हटाया और ठिकाने लगाया जा रहा है। सरकारी तंत्र का यह भेदभावपूर्ण रवैया अधिकारियों की निष्पक्षता पर बड़ा सवालिया निशान लगाता है।

बांसवाड़ा नगर निगम के सामने सीटू का क्रमिक अनशन शुरू

बांसवाड़ा, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। सीटू के नेतृत्व में बुधवार को बांसवाड़ा नगर निगम कार्यालय के सामने मजदूरों ने टेंट लगाकर क्रमिक अनशन शुरू किया।

यूनियन अध्यक्ष मसूद और सचिव मुक्कला सैलू ने कहा कि चुनाव के दौरान मजदूरों से किए गए वादों को तुरंत लागू किया जाए। उन्होंने मांग की कि न्यूनतम वेतन 26,000 रुपये किया जाए, श्रेणी के अनुसार वेतन दिया जाए, सेवानिवृत्ति लाभ और स्वास्थ्य बीमा लागू किया जाए। साथ ही 60 वर्ष से अधिक आयु के मजदूर की मृत्यु पर परिवार को मुआवजा दिया जाए। नेताओं ने नगर निगम में लंबित पीएफ और ईएसआई भुगतान तुरंत करने की भी मांग की। इस संबंध में नगर निगम प्रबंधक मल्लिकार्जुन रेड्डी को ज्ञापन सौंपा गया। डीआरएस पार्टी के नेता एमडी खलील ने अनशन को समर्थन दिया। अनशन में मजदूर बुज्जिगारू, सैलू राजू, थाती गंगाराम, अत्तर उप्पारी, लक्ष्मी, सुनंदा, स्वाति सहित अन्य मजदूर शामिल हुए। मजदूरों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जातीं, आंदोलन जारी रहेगा।

पेद्दापल्ली जिला अस्पताल में पांच जटिल सर्जरी सफल

पेद्दापल्ली, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली जिला अस्पताल में गुरुवार को विभिन्न बीमारियों से पीड़ित पांच मरीजों की जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। इनमें एक महिला की एंडोस्कोपिक पॉलीपेक्टॉमी, एक मरीज की लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी, हृदय संबंधी समस्या से ग्रस्त गर्भवती महिला की सुरक्षित डिलीवरी, एक महिला की हिस्टेरेक्टॉमी तथा 85 वर्षीय वृद्धा की बाइपोलर हेमिआर्थ्रोप्लास्टी सर्जरी शामिल है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. के. श्रीधर ने बताया कि सभी मरीज स्वस्थ हैं और चिकित्सकों की टीम ने पूरी सतर्कता के साथ इन जटिल प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्होंने सर्जरी में शामिल चिकित्सकों एवं मेडिकल स्टाफ को बधाई दी।

महिला थाने के निरीक्षण में डीसीपी ने दिए संवेदनशील पुलिसिंग के निर्देश

पेद्दापल्ली, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के पेद्दापल्ली डीसीपी बी. राम रेड्डी ने शुक्रवार को वार्षिक निरीक्षण के तहत पेद्दापल्ली महिला पुलिस स्टेशन का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने थाना रिकॉर्ड, रिसेप्शन सेंटर तथा विभिन्न विभागों का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली की समीक्षा की।

डीसीपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुलिस स्टेशन आने वाली महिलाओं एवं पीड़ितों के साथ संवेदनशीलता और सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए तथा उनकी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मामलों की जांच समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पूरी कर आरोपियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई करने पर जोर दिया। पारिवारिक विवादों से जुड़े मामलों में उन्होंने काउंसलिंग के माध्यम से पति-पत्नी के बीच मतभेद दूर करने और परिवारों को टूटने से बचाने का प्रयास करने की सलाह दी। निरीक्षण के दौरान एसीपी जी. कृष्णा, इंस्पेक्टर रमेश बाबू, एसआई राजमणि एवं अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

सेवा ही राधे-राधे ग्रुप की पहचान : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो):

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, सेवा भावना और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, श्रमिक, राहगीरों एवं असहाय लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। अन्नदान के इस पुनीत कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे समर्पण और निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं प्रदान कीं। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और मानवता के मूल्यों को मजबूत करना भी रहा।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही राधे-राधे ग्रुप की पहचान है। ग्रुप के सदस्य किसी भी प्रकार की प्रसिद्धि या स्वार्थ की भावना के बिना निरंतर समाजसेवा के कार्यों में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है और यही भावना राधे-राधे ग्रुप के प्रत्येक सदस्य को सेवा के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि जब किसी जरूरतमंद के चेहरे पर भोजन प्राप्त करने के बाद संतोष और मुस्कान दिखाई देती है, तो वही सेवा करने वालों के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार होता है।

जगत नारायण अग्रवाल ने कहा कि आज के समय में समाज को ऐसे संगठनों की आवश्यकता है जो केवल विचारों तक सीमित न रहकर धरातल पर कार्य करें। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी दिशा में वर्षों से निरंतर कार्य कर रहा है। अन्नदान, गौसेवा, धार्मिक आयोजन, सामाजिक सहयोग तथा जरूरतमंदों की सहायता जैसे अनेक सेवा कार्यों के माध्यम से ग्रुप समाज में सकारात्मक संदेश देने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा का कार्य व्यक्ति को विनम्र बनाता है और समाज में एकता एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करता है।

उन्होंने सभी सदस्यों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रुप की सबसे बड़ी शक्ति उसके सेवा भावी कार्यकर्ता हैं, जो अपने समय, श्रम और संसाधनों का उपयोग समाजहित में करते हैं। यही कारण है कि राधे-राधे ग्रुप आज हैदराबाद में सेवा, समर्पण और मानवता का पर्याय बन चुका है। उन्होंने सभी लोगों से आग्रह किया कि वे भी अपने जीवन में सेवा को स्थान दें और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आएं।

कार्यक्रम में अनिल धरसुवाले, शिव भगवान अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, जगन भाई, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल एवं रेनू शर्मा सहित अनेक सेवा भावी सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने भोजन वितरण में सहयोग करते हुए सेवा कार्य को सफल बनाया तथा जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन उपलब्ध कराया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने राधे-राधे नाम का संकीर्तन करते हुए समाज में प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से मानवता की सेवा करता रहेगा और अधिक से अधिक लोगों को इस पुण्य अभियान से जोड़ने का प्रयास करेगा। अंत में सभी ने सामूहिक रूप से मानव कल्याण, समाज की सुख-समृद्धि एवं विश्व शांति की मंगलकामना की।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

पेद्दापल्ली, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेद्दापल्ली टाउन कांग्रेस के तत्वावधान में बुधवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया गया।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने केक काटकर और मिठाइयां बांटकर खुशी जताई। तेलंगाना सरकार के व्हिप एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंताकुंटा विजयरमण राव ने राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में म्युनिसिपल चेयरमैन, कांग्रेस टाउन अध्यक्ष, पार्षद, विभिन्न गांवों के सरपंच, कांग्रेस नेता, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी व समर्थक बड़ी संख्या में शामिल हुए।

बांसवाड़ा नगर पालिका ने शुरू की शाम को दुकानों से कचरा उठाने की व्यवस्था

बांसवाड़ा, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में स्वच्छता और हाइजीन बनाए रखने के लिए नगर पालिका ने सभी दुकानदारों से सहयोग की अपील की है। नगर पालिका आयुक्त ने बताया कि अब हर शाम नगर पालिका की गाड़ी सभी दुकानों से कचरा एकत्र करेगी। उन्होंने सभी दुकान मालिकों से अनुरोध किया है कि वे अपनी दुकानों का कचरा इकट्ठा कर पालिका की गाड़ी को ही सौंपें। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि कचरा सड़क, नाले या सार्वजनिक स्थानों पर न फेंका जाए। शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए पालिका स्टाफ का सहयोग करें।

करवंगा गांव में खेत बचाओ अभियान का सफल आयोजन

किसानों को दी गई आधुनिक कृषि की जानकारी

नागरकर्नूल, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य के नागरकर्नूल जिले के तेलकप्पली मंडल स्थित करवंगा गांव में 19 जून 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), पालेम के विशेष सहयोग से खेत बचाओ अभियान कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम में गांव के 25 किसानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कृषि विशेषज्ञों से आधुनिक खेती के गुर सीखे।

कार्यक्रम में भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईआईएमआर), हैदराबाद के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डी. सेवा नायक ने किसानों को संबोधित किया। उन्होंने मिट्टी परीक्षण के आधार पर पोषण प्रबंधन, संतुलित उर्वरकों के सही उपयोग, मोटे अनाजों (मिलेट्स) के महत्व, उनके पोषण मूल्य और बदलते जलवायु परिवर्तन के प्रति किसानों को जागरूक किया। वहीं, आईसीएआर-आईआईएमआर के ही वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संतोष कुमार गुप्ता ने मोटे अनाज वाली फसलों की शारीरिक विशेषताओं और उनके कृषि महत्व को विस्तार से समझाया।

केवीके पालेम की एसएमएस (फसल सुरक्षा) डॉ. ओ. शैला ने किसानों को आईपीडीएम (आईपीडीएम – एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन) पद्धतियों के बारे में अहम जानकारी दी। उन्होंने खेती में जैविक नियंत्रण कारकों की भूमिका और समग्र फसल सुरक्षा उपायों के बारे में भी बताया। इसके अतिरिक्त, तेलकप्पली की कृषि अधिकारी श्रीमती नर्मदा ने जिले की वर्तमान कृषि स्थितियों और फसलों की खेती के पैटर्न (फसल चक्र) पर प्रकाश डाला।

कृषि और फसलों पर चर्चा के बाद, कार्यक्रम के अंतर्गत 'विश्व पर्यावरण दिवस' भी मनाया गया। उपस्थित वैज्ञानिकों और अधिकारियों ने किसानों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के अंत में कृषि विशेषज्ञों और किसानों के बीच सीधा संवाद (चर्चा) हुआ, जिसमें किसानों ने अपनी शंकाओं का समाधान किया और इसके साथ ही यह अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हो गया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंदो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा कार्य में सहयोग किया। सदस्यों ने कहा कि अन्नदान मानव सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है। भूखे को भोजन कराने से बड़ा कोई पुण्य नहीं है।

विश्वकर्मा (सुनार) समाज की सरकार से गुहार

निगम गठन व पेंशन की मांग, बड़ी कंपनियों से कारोबार पर संकट

मदनूर, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): स्थानिक विश्वकर्मा (सुनार) समाज के लोगों का मानना है कि तेलंगाना राज्य की स्थापना में विश्व ब्राह्मण सुनारों की भूमिका महत्वपूर्ण थी। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि उन्होंने सोचा था कि तेलंगाना राज्य बनने के बाद सुनारों का जीवन बेहतर होगा, लेकिन आज सुनारों की हालत दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है।समाज के लोगों ने बताया कि बड़ी-बड़ी कंपनियां भारी निवेश करके आभूषणों की दुकानें खोल रही हैं और भ्रामक व भव्य विज्ञापन कर रही हैं। इससे पारंपरिक कारीगरों और छोटे सुनारों का कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। प्रतिनिधियों ने सरकार से निवेदन किया है कि कृपया उनकी बात सुनी जाए और सुनारों का समर्थन किया जाए। उन्होंने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि विश्वकर्मा (सोनार समाज) के लिए एक निगम का गठन किया जाए और एक शासकीय निकाय नियुक्त किया जाए, जो समाज के हितों की रक्षा कर सके।समाज ने यह भी मांग की कि चोरी हुए सोने की बरामदगी से जौहरियों की रक्षा के लिए धारा 272 में संशोधन किया जाना चाहिए और इसे सख्ती से लागू किया जाना चाहिए, ताकि ईमानदार व्यापारियों को नुकसान न उठाना पड़े।

रोज करें इन नामों का पाठ तो बुद्धि, समृद्धि आपके घर में रहेंगी

जब जब पृथ्वी पर दैत्यों के आतंक का साया रहा तब तब भगवान विष्णु, शिव, माता पार्वती यहां अवतरित हुए। भगवान गणेश भी चारों युगों में अवतरित हुए हैं। सतयुग में गणेश जी महोत्कट विनायक के नाम से, त्रेतायुग में मयूरेश्वर, द्वापर युग में शिवपुत्र गजानन के नाम से अवतरित हुए। और इस तरह पृथ्वी के अंत में जब भगवान कल्कि अवतरित होंगे उसी दौरान भगवान गणेश धूम्रकेतु रूप में अवतरित होंगे। इस बात का उल्लेख हमारे हिंदू धर्म ग्रंथों में मिलता है।

ये हैं गणेश परिवार भगवान गणेश के पिता भोलेनाथ हैं। मां पार्वती उनकी मां है। भगवान मुरुगन यानी कार्तिकेय उनके भाई हैं, और गजानन की बहन अशोक सुंदरी हैं। भगवान गणेश की दो पत्नियां हैं रिद्धि और सिद्धि। हालांकि दक्षिण भारत में गणेश जी को ब्रहमचारी के रूप में पूजा जाता है। गणेश जी के दो पुत्र हैं शुभ और लाभ। उन्हें मोदक प्रिय है। लाल रंग के फूल से गणेशजी जल्द प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा उन्हें दुर्वा, शमी पत्र भी अर्पित करना चाहिए। गणेश जी के अस्त्र पाश और अंकुश हैं। और वाहन मूषक।

बुद्धि के लिए रोज करें इन नामों का पाठ हिंदू पौराणिक ग्रंथो में उल्लेखित है। यदि भगवान गणेश के इन बारह नामों का रोज पाठ करें तो बुद्धि, गृहक्लेश और समृद्धि आपके घर में रहेंगी। यह नाम क्रमशः सुमुख, एकदन्त, कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूम्रकेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र, विघ्नराज, द्वैमातुर, गणाधिप, हेरम्ब, गजानन।

कृष्ण का आभामंडल नीला क्यों।

कृष्ण की हर छवि में एक नीलिमा जरूर दिखाई जाती है। एक व्यक्ति या एक व्यक्तित्व के रूप में उनके साथ आखिर क्यों जुडा है यह रंग क्या है इस रंग की खासियत आइए जानते हैं-

नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर। जो कुछ भी आपकी समझ से बडा है, वह नीला होगा, क्योंकि नीला रंग सब को शामिल करने का आधार है। आपको पता ही है कि कृष्ण के शरीर का रंग नीला माना जाता है। इस नीलेपन का मतलब जरूरी नहीं है कि उनकी त्वचा का रंग नीला था। हो सकता है, वे श्याम रंग के हों, लेकिन जो लोग जागरूक थे, उन्होंने उनकी ऊर्जा के नीलेपन को देखा और उनका वर्णन नीले वर्ण वाले के तौर पर किया। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। कृष्ण की पकृति के बारे में की गई सभी व्याख्याओं में नीला रंग आम है, क्योंकि सभी को साथ लेकर चलना उनका एक ऐसा गुण था, जिससे कोई भी इनकार नहीं कर सकता। वह कौन थे, वह क्या थे, इस बात को लेकर तमाम विवाद हैं, लेकिन इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि उनका स्वभाव सभी को साथ लेकर चलने वाला था। चूंकि श्रीकृष्ण की ऊर्जा या यूं कहिए कि उनके प्रभामंडल का सबसे बाहरी घेरा नीला था, इसीलिए उनमें गजब का आकर्षण था। उनके आकर्षक होने की वजह उनकी नाक का सुडौल होना या उनकी आंखों की खूबसूरती नहीं थी। दुनिया में अच्छी नाक, सुंदर आंखों वाले और खूबसूरत कद-काठी के कितने ही लोग हैं, लेकिन उन सभी में उतना आकर्षण नहीं होता। यह किसी व्यक्ति विशेष के प्रभामंडल की नीलिमा है, जो अचानक उसे जबर्दस्त तरीके से आकर्षक बना देती है। लोग कहते हैं कि कृष्ण प्रत्यक्ष रूप से नीले थे, लेकिन यह तीन हजार साल पुरानी जनश्रुति है।

उनकी नीलिमा या सबको सम्मोहित करने की उनकी क्षमता कुछ ऐसी थी कि जो लोग उनके कट्टर दुश्मन हुआ करते थे, अनजाने में ही सही, लेकिन वे भी उनके सामने हार मान लेते थे। नीला रंग विस्तार को दर्शाता है। आप देखेंगे कि इस जगत में जो कोई भी चीज बेहद विशाल और आपकी समझ से परे है, उसका रंग आमतौर पर नीला है, चाहे वह आकाश हो या समुंदर।वे उन लोगों को भी आसानी से अपनी तरफ कर लेते थे, जो उन्हें बुरा कहते थे और न जाने कितनी ही बार उन्हें मारने की कोशिश कर चुके थे। हालांकि उनके और भी कई पहलू थे, लेकिन उनकी व्यक्तित्व की यह नीलिमा लगातार उनके हर काम में मदद करती थी। इसी वजह से वे बेहद सम्मोहक बन गए थे। चाहे आदमी हो या औरत, हर कोई शर्मो-हया छोड कर उनके प्रेम में पागल हो जाता था। लोग उन पर से अपनी नजरें नहीं हटा पाते थे। महिलाएं तो एक कदम और आगे थीं। पुरुषों के साथ यह दुर्भाग्य रहा है कि वे अपने प्रेम को आसानी से व्यक्त नहीं कर पाते।

केवल एक शब्द कहने में ही आदमी की सारी उम्र निकल जाती है, लेकिन कृष्ण ऐसे नहीं थे। वह पूरी आजादी से खुद को व्यक्त करते थे। वैसे मुझे भी ऐसा करने में कोई समस्या नहीं होती। आमतौर पर देखें तो पुरुष का स्वभाव ही ऐसा होता है कि अगर उसमें प्रेम का अहसास जागने लगे तो वह बेवकूफियों से भरी मजेदार हरकतें करने लगता है। जबकि किसी स्त्री के साथ अगर ऐसा हो तो वह और भी सुंदर लगने लगती है। पुरुष प्रेम में खुद को अजीब और असहज महसूस करने लगता है। वह प्रेम नहीं चाहता, बस प्रेम-क्रीडा करना चाहता है।

भगवान गणेश को क्यों नहीं चढाई जाती है तुलसी

तुलसी को बेसिल पौधे के नाम से भी जाना जाता है और यह हिन्दुओं के लिए काफी पावन पेड है। यह महाविष्णु भगवान की पूजा के लिए व्यापक रूप से इस्तमाल किया जाता है। तुलसी में कई औषधीय गुण भी होते हैं। तुलसी के पौधे को मृत इंसान के मुंह में इस विश्वास के साथ रखा जाता है कि इससे वह इंसान को वैकुण्ठ या भगवान विष्णु के निवास स्थान पर पहुँच जाएगा। हालांकि, तुलसी को भगवान गणेश पर नहीं चढाया जाता है और इसके पीछे पुराण से सम्बंधित एक कहानी भी है। भगवान गणेश की कृपा चाहिये तो चढाइये उनके पसंदीदा फूल तुलसी एक समय एक लडकी हुआ करती थी जो भगवान महाविष्णु की भक्त थी। वह भगवान विष्णु की पूजा में लीन रहती थी और एक दिन उन्हें गणेश मिले जो एक सुन्दर बगिया में खुशबूदार पेडों के पास ध्यान में मग्न थे। गणेश ने चमकीला पीला वस्त्र पहना था और उनके पूरे शरीर पर चन्दन का लेप लगा था। गणेश के इस रूप को देखकर तुलसी मोहित हो गयी और उनके सामने शादी का प्रस्ताव रख दिया।

भगवान गणेश ने कहा कि वह ब्रमहचर्य जीवन व्यतीत कर रहे हैं वह सन्यासी हैं और शादी के बारे में तो सोच भी नहीं सकते क्यूंकि इससे उनके संयमी जीवन पर असर पडेगा। तुलसी यह सुनकर गुस्सा हुई और गणेश के इस वक्तव्य पर क्षुब्ध होकर उन्होंने

गणेश को शाप दिया कि उनकी इच्छा के बिना भी उनको शादी करनी पडेगी। भले ही गणेश अत्यंत परोपकारी थे पर तुलसी के इस आचरण से उन्हें गुस्सा आया। उन्होंने तुलसी को श्राप दिया कि उसकी शादी एक दानव से होगी और उसे काफी कष्ट भुगतना पडेगा। तुलसी को अपनी गलती का अंदाजा हो गया और उसने भगवान गणेश से विनती की ताकि वह उसे इस कठोर श्राप से मुक्त कर दें। भगवान गणेश खुश हुए और उसे माफकर दिया। उन्होंने कहा कि श्राप के अनुसार उसकी शादी एक दानव से होगी पर एक जीवन के बाद अगले जीवन में वह पेड बन जायेगी। उसके बाद सब में वह अपने अद्भुत औषधीय गुण के कारण जानी जायेगी और भगवान महाविष्णु की प्रिय होगी। महाविष्णु तुलसी चढाये जाने से काफी खुश होंगे और इस तरह उसकी एक उन्नत जगह होगी। गणेश का श्राप और आशीर्वाद दोनों ही सच हुए और तुलसी का विवाह शंकचूड नाम के दानव से हुआ। उसने पूरी जिंदगी उसके साथ गुजारी और फिर उसके बाद अगले सारे जन्म में तुसली के पेड का रूप लिया।

गणेश के विश्वास के अनुसार महाविष्णु भगवान की पूजा के लिए यह एक उत्तम पौधे के रूप में इस्तमाल होने लगा। तुलसी के चढावे के बिना भगवान विष्णु की कोई भी पूजा अधूरी रहने लगी। यह कारण है कि भगवान गणेश को तुलसी नहीं चढाया जाता है। इस कहानी से यह भी पता चलता है कि कैसे तुलसी को यह पवित्र स्थान मिला। पुराणों के कहानियों से पता चलता है कि भगवान बुरे लोगों के साथ भी काफी दयालु थे। जब भी देवों द्वारा किसी दानव का वध होता था तो उसे मोक्ष की प्राप्ति होती थी। इस तरह इस कहानी में गणेश की दया और कृपा का बखान है। इस कहानी को तब बताया गया जब लोगों ने पूछा कि भगवान गणेश को तुलसी क्यों नहीं चढाया जाता है। पुराने समय से तुलसी का इस्तमाल गणेश भगवान की पूजा में नहीं किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि भगवान गणेश को अर्का घास बहुत पसंद है।

क्या है हिंदू देवियों का रहस्य

सरस्वती-हिंदू धर्म की प्रमुख त्रिदेवियों में से एक माता सरस्वती को ज्ञान की देवी माना गया है। हंस पर विराजमान मां सरस्वती ने धवल वस्त्र धारण किए हैं। सरस्वती के हाथ वीणा के वरदंड से शोभित हैं। संगीत, कला, शिक्षा और ज्ञान की देवी हैं सरस्वती। सरस्वती के नाम पर ही एक नदी का नाम सरस्वती था, जो प्राचीनकाल में शिवालिक की पहाडियों से निकलकर हरियाणा और राजस्थान में बहती थी और सिंधु खाडी में समाहित हो जाती थी।

माता लक्ष्मी - भगवान विष्णु की पत्नी और ऋषि भृगु की पुत्री देवी लक्ष्मी त्रिदेवियों में से एक हैं, जो धन और समृद्धि को देने वाली मानी गई हैं। लक्ष्मी माता का वाहन उल्लू है और वह लक्ष्मी क्षीरसागर में भगवान विष्णु के साथ कमल पर वास करती हैं। लक्ष्मीजी को 2 रूपों में पूजा जाता है, श्रीरूप और लक्ष्मी रूप। इनका विशेष दिन शुक्रवार को माना गया है। भगवती लक्ष्मी के 18 पुत्र कहे गए हैं जिसमें प्रमुख हैं, आनंद, कर्दम, श्रीद और चिक्लीत।

गायत्री- गायत्री नाम से ऋग्वेद में एक सबसे लंबा छंद है। गायत्री को आद्याशक्ति प्रकृति के 5 स्वरूपों में एक माना गया है।

यही वेद माता कहलाती हैं। किसी समय ये सविता देव की पुत्री के रूप में अवतीर्ण हुई थीं इसलिए इनका नाम सावित्री पड गया। इनका विग्रह तपाए हुए स्वर्ण के समान है। वेदों में अदिति के अलावा सविता का भी कई जगहों पर उल्लेख मिलता है। पद्म पुराण के अनुसार वज्रनाश नामक राक्षस का वध करने के पश्चात ब्रहमाजी ने संसार की भलाई के लिए पुष्कर में एक यज्ञ करने का फैसला किया। ब्रहमाजी यज्ञ करने हेतु पुष्कर पहुंच गए, लेकिन किसी कारणवश सावित्री जी समय पर नहीं पहुंच सकीं। यज्ञ को पूर्ण करने के लिए उनके साथ उनकी पत्नी का होना जरूरी था, लेकिन सावित्री जी के नहीं पहुंचने की वजह से उन्होंने एक कन्या गायत्री से विवाह कर यज्ञ शुरू किया। उसी दौरान देवी सावित्री वहां पहुंचीं और ब्रहमा के बगल में दूसरी कन्या को बैठा देख क्रोधित हो गईं।

उन्होंने ब्रहमाजी को श्राप दिया कि देवता होने के बावजूद कभी भी उनकी पूजा नहीं होगी, तब सावित्री से सभी देवताओं ने विनती की कि अपना श्राप वापस ले लीजिए, लेकिन उन्होंने नहीं लिया। जब गुस्सा ठंडा हुआ तो सावित्री ने कहा कि इस धरती पर सिर्फपुष्कर में आपकी पूजा होगी।

श्रद्धा - श्रद्धा कर्दम ऋषि एवं देवहूति की तृतीय कन्या थी। श्रद्धा का विवाह अंगिरा ऋषि के साथ हुआ था। अंगिरा और श्रद्धा से सिनीबाला, कुहु, राका एवं अनुमति नामक पुत्रियां तथा तथ्य और बृहस्पति नामक पुत्र हुए। बृहस्पति देवताओं के गुरु हैं।

शचि - शचि स्कंद पुराण के पुलोमा पुत्री शचि का भी वेदों में उल्लेख मिलता है। स्कंद पुराण के अनुसार सतयुग में दैत्यराज पुलोम की पुत्री शचि ने देवराज इंद्र को पति रूप में प्राप्त करने के लिए ज्वालपाधाम में हिमालय की अधिष्ठात्री देवी पार्वती की तपस्या की थी। मां पार्वती ने शचि की तपस्या पर प्रसन्न होकर उसे दीप्त ज्वालेश्वरी के रूप में दर्शन दिए और शचि की मनोकामना पूर्ण की। जहां मां ने दर्शन दिए थे वह स्थान उत्तराखंड के गढवाल क्षेत्र में है। यहां माता ज्वाला देवी का एक मंदिर है। देवी शचि को इंद्राणी कहा जाता है। इंद्राणी देवी शचि ने अपने पति इंद्र के हाथ में ब्राहमणों द्वारा रक्षा सूत्र बंधवाया था। उन्होंने ऐसाइ सलिएकिया, क्योंकि उस समय देवासुरसंग्राम चल रहा था। रक्षासूत्र बांधकर जब इंद्र ने युद्ध किया तो वे विजयी हुए। कुछ लोगों का मानना है कि तभी से रक्षाबंधन का यह पर्व शुरू हुआ।

सावित्री - ब्रहमा की पत्नी का नाम सावित्री देवी है। ब्रहमा ने एक और स्त्री से विवाहकिया था जिसकानाम गायत्री है। सावित्रीकी एक पुत्री का नाम सरस्वती है।

शालीग्राम की कहानी: विष्णु को श्राप क्यों मिला

जालंधर: शिव का एक भाग एक समय जलंधर नाम कएक पराक्रमी असुर था। जो शिव की तीसरी आँख से उत्पन्न हुआ था। यही कारण था कि वह अत्यंत शक्तिशाली योद्धा था। इसका विवाह वृंदा नामक कन्या से हुआ। वृंदा भगवान विष्णु की परम भक्त थी। इसके पतिव्रत धर्म के कारण जलंधर अजेय हो गया था। जालंधर और शिव का युद्ध इसने एक युद्ध में भगवान शिव को भी पराजित कर दिया। अपने अजेय होने पर इसे अभिमान हो गया और स्वर्ग के देवताओं को परेशान करने लगा। दुःखी होकर सभी देवता भगवान विष्णु की शरण में गये और जलंधर के आतंक को समाप्त करने की प्रार्थना करने लगे। क्योंकि जालंधर को तभी हराया जा सकता जब पत्नी वृंदा पवित्रता को भांग कर दिया जाए।

वृंदा: विष्णु की सबसे बडी भक्त एक असुर की बेटी और पत्नी होने के बावजूद वह भगवान विष्णु की भक्त थी। वह भगवान विष्णु की परम भक्त थी और उन पर उसे पूरा विश्वास करती थी। विष्णु का विश्वासघात सभी देवताओं ने देखा कि शिव भी उसे हरा नहीं पाये तो वे विष्णु की शरण में गए। भगवान विष्णु ने अपनी माया से जलांधर का रूप

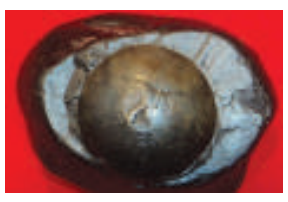

धारण कर लिया और छल से वृंदा के पतिव्रत धर्म को नष्ट कर दिया। इससे जलंधर की शक्ति क्षीण हो गयी और वह युद्ध में मारा गया।

वृंदा का अभिशाप जब वृंदा ने भगवान विष्णु को छुआ तब उसे पता चला कि वह जालंधर नहीं है। और उसने पूछा कि वह कौन हैं। जब वृंदा को भगवान विष्णु के छल का पता चला तो उसने भगवान विष्णु को पत्थर का बन जाने का शाप दे दिया। भगवान विष्णु वृंदा के साथ हुए छल के कारण लज्जित थे इसलिए वृंदा के शाप को जिवित रखने के लिए उन्होनें अपना एक रूप पत्थर रूप में प्रकट किया जो शालिग्राम कहलाया।

तुलसी भगवान विष्णु ने वृंदा से कहा कि तुम अगले जन्म में तुलसी के रूप में प्रकट होगी और लक्ष्मी से भी अधिक मेरी प्रिय रहोगी। तुम्हारा स्थान मेरे शीश पर होगा। मैं तुमहारे बिना भोजन ग्रहण नहीं करूंगा।

यही कारण है कि भगवान विष्णु के प्रसाद में तुलसी अवश्य रखा जाता है। बिना तुलसी के अर्पित किया गया प्रसाद भगवान विष्णु स्वीकार नहीं करते हैं। शालीग्राम तुलसी का विवाह वृंदा के राख से तुलसी का पौधा निकला। वृंदा की मर्यादा और पवित्रता को बनाये रखने के लिए देवताओं ने भगवान विष्णु के शालिग्राम रूप का विवाह तुलसी से कराया।

इसी घटना को याद रखने के लिए हर वर्ष कार्तिक शुक्ल एकादशी यानी देव प्रबोधनी एकादशी के दिन तुलसी का विवाह शालिग्राम के साथ कराया जाता है।

मन की स्वतंत्रता

यदि व्यक्ति को भिन्न होने की स्वतंत्रता दी जाए, तो कई जरूरी कार्य भी समय से पहले पूरे हो जाते हैं। ओशो का चिंतन एक दार्शनिक था। एक बार उसने एक किसान से पूछा, कोल्हू का बैल चल रहा है। तेल पेरा जा रहा है। बैल को न तो कोई हांकने वाला है और न ही कोल्हू को चलाने वाला। फिर यह आराम करने के लिए बैल रुक क्यों नहीं जाता। किसान ने कहा कि गौर से देखने पर जवाब मिल जाएगा।

दार्शनिक ने गौर से देखा कि बैलों की आंखों पर पट्टियां बंधी हैं जैसे तांगे में चलने वाले घोडे की आंखों पर पट्टियां बंधी होती हैं, ताकि उसे सिर्फसामने दिखाई दे। वह इधर-उधर न देख पाए। साथ ही गले में घंटियां बंधी हैं। घंटी की आवाज बंद होने के साथ ही उसे कोडे से फटकार लगा दी जाती है। साधारण आदमी भी कोल्हू का बैल है, चलता जाता है। उसकी आंखों पर पट्टियां बंधी हैं! गले में घंटी बंधी है। घंटी बंद होते ही सबकी डांट-फटकार मिलने लगती है।

सुबह, दोपहर, सांझ, रात में वही सब काम करता जा रहा है, जो वह रोज करता है। वही क्रोध, वही काम, वही लोभ, वही मोह, वही अहंकार। सुख और दुख, दोनों पुराने हैं। हमारा मन स्वतंत्र नहीं है। दूसरों की इच्छाओं, आदेशों से ही हमें चलना है। अपनी मर्जी के काम करने या कपडे पहनने की भी स्वतंत्रता नहीं है। समाज ने हमारे लिए सभी इंतजाम कर दिए हैं। सभी दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। आजादी की बात की जाती है, लेकिन व्यक्ति चौबीसों घंटे गुलाम है। आजादी सिर्फएक थोथा शब्द है, जिसको हम दोहराते रहते हैं तोतों की तरह; और बहुत दिन दोहराने के कारण खुद ही भरोसा कर लेते हैं कि जरूर आजादी होगी, क्योंकि सभी लोग आजादी की बात कर रहे हैं।

आजादी कहां है। क्या हमने कभी भिन्न होने की चाहत की है। कभी भिन्न होने की चाह पैदा करें। कोई भी कलात्मक कार्य करें। आप देखेंगे कि कलात्मक कार्यों का प्रभाव सीधे मन पर होता है। मन आजाद होकर कमल के फूलों की तरह खिल जाता है। कई जरूरी काम पूर्ण हो जाते हैं। इस पृथ्वी पर आजादी उस दिन होगी, जिस दिन हम व्यक्ति को भिन्न होने की स्वतंत्रता देंगे।

स्वामी विवेकानंद का व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली था

स्वामी विवेकानंद बचपन से ही बुद्धिमान थे। उनका व्यक्तित्व बहुत ही प्रभावशाली था। उनके बचपन का नाम नरेंद्र था। जब भी वो किसी साथी से बात करते तो वह तल्लीनता से उनकी बातों को सुनते थे। एक बार ऐसी ही स्थिति में शिक्षक कक्षा में आ गए और पढाना शुरू कर दिया। छात्रों के पता ही नहीं चला। शिक्षक ने कहा, 'सभी छात्र वहां एक जगह क्यों एकत्र हैं।' शिक्षक वहां तुरंत पहुंचे और छात्रों से प्रश्न पूछने लगे। उनके प्रश्नों का उत्तर कोई छात्र नहीं दे सका। लेकिन नरेंद्र ने उस प्रश्न का उत्तर तुरंत दे दिया। शिक्षक ने सभी छात्रों को खडे रहने की सजा दी। लेकिन नरेंद्र ने कहा कि मैं इन सभी छात्रों से बात कर रहा था तो इनका ध्यान वहां नहीं था। लेकिन में सुन रहा था।

संक्षेप में नरेंद्र यानी स्वामी विवेकानंद बचपन से ही साहसी प्रवृत्ति के थे। उन्होंने हमेशा सच का साथ दिया और जिदंगी भर ईमानदारी का पाठ पढाया।

अपना भविष्य जानने की उत्कंठा सभी के मन में रहती है

लोग यह जानते हैं कि आकाश में चमकने वाले सितारे नक्षत्र कहलाते हैं। अपनी-अपनी राशियां देखकर और ग्रहों के शुभाशुभत्व को ध्यान में रखकर ज्योतिष के माध्यम से अपना भविष्य जानने की उत्कंठा सभी के मन में रहती है। ग्रह नौ और राशियां बारह सर्वविदित ही है। सामान्य अर्थ में नक्षत्र यानि तारे। यदि नक्षत्र का अर्थ और स्पष्ट किया जाये तो हम यह कह सकते हैं कि चंद्रमा के पथ में पडने वाले कुछ विशेष तारों के विभिन्न समूह जिनके नाम अलग-अलग हैं और जिनकी संख्या सत्ताइस है। चंद्रमा को नक्षत्रों का राजा यानि नक्षत्रराज कहा जाता है। गगन मंडल में ग्रहों की स्थिति का पता करने के लिये दैवज्ञों ने वृत्ताकार आकाश या भचक्र के 3600 अंशों को 12 समान खंडों में बांटा। तीस अंश के ये भाग राशि कहलाये। जिस भाग का जैसा स्वरूप दिखाई देता है उसी के आधार पर राशियों का नामकरण किया गया है । इन्हें यंत्रादि की सहायता से देखा जा सकता है। इन्हीं भागों के नीचे ग्रहों का चलना फिरना होता रहता है और तभी यह कहते हैं कि फलां-फलां ग्रह फलां-फलां राशि पर भ्रमण कर रहा है। इसका विचार फलादेश करते समय किया जाता है। ऐसे 27 चिह ढूढें गये जो न चलने फिरने के कारण नक्षत्र कहलाने लगे यानि न क्षरति इति नक्षत्रम''। भचक्र के 3600 अंशों को 27 से विभाजित करने पर 130 20' का क्षेत्र नक्षत्र कहलाया। ग्रह 9 होते हैं यह हम सभी जानते हैं। ज्योतिष में इन्हीं नवग्रहों का विचार किया जाता है। सात ग्रह सात दिनों के अधिपति हैं। शेष दो ग्रह राहु व केतु हैं। सूर्य को एक नक्षत्र को पार करने में करीब-करीब पंद्रह दिनों का समय लग जाता है जबकि चंद्रमा को ऐसा करने में करीब एक दिन का समय लगता है। इस तरह चंद्रमा इन 27 नक्षत्रों को लगभग एक मास में पार कर लेता है ।

ज्यादा शक्कर खाना हो सकता है हानिकारक

अधिक मात्रा में शक्कर का सेवन करने से त्वचा पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। रिसर्च द्वारा यह बात सामने आई है कि शक्कर आपकी त्वचा के लिए बिल्कुल भी अच्छी नहीं है,शक्कर त्वचा में मौजूद जल को सोख लेती है और उसे रूखा बना देती है। इससे त्वचा झूलने लगती है। अगर आप ढेरों शक्कर खाती हैं तो उसे बैलेंस करने के लिए ढेर सारा पानी पीना ना भूलें।

काला नमक देता है बड़े फायदे

रोज सुबह काला नमक और पानी मिला कर पीना शुरु करें। इससे आपका ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर,ऊर्जा में सुधार, मोटापा और अन्य तरह की बीमारियां ठीक होंगी। काले नमक में 80 खनिज और जीवन के लिए वे सभी आवश्यक प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं, जो हाइड्रोक्लोरिक एसिड और प्रोटीन को पचाने वाले इंजाइम को उत्तेजित करने में मदद करते हैं। इससे खाया गया भोजन आराम से पच जाता है।

आयुर्वेद से करें गठिया का उपचार

सामान्यतया गठिया रोग 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को होता है, लेकिन वर्तमान में इसकी चपेट में युवा ही नहीं बच्चे भी आ रहे हैं। गठिया का रोग यानी आर्थराइटिस से शरीर के जोड़ो में दर्द और सूजन आ जाती है। गठिया रोग अचानक नहीं होता बल्कि धीरे-धीरे फैलता है इसलिए गठिया का सही उपचार जरूरी है। जरूरी नहीं है कि आप गठिया के उपचार के लिए एलोपैथ की शरण में ही जाएं, इसके लिए आप आयुर्वेद का सहारा ले सकते हैं। आयर्वेद के जरिए गठिया के सभी प्रकारों जैसे - रूमेटायड आर्थराइटिस, ऑस्टियो आर्थराइटिस, गाउट, जुवेनाइल आर्थराइटिस और ऐंकलूजिंग स्पॉंडीलोसिस आदि का उपचार आसानी से कर सकते हैं। इस लेख में विस्तार से जानिए आयुर्वेद के जरिए गठिया का कैसे कर सकते हैं उपचार। आमतौर पर गठिया होने का प्रमुख कारण आनुवांशिक होता है, लेकिन कई बार किसी भयंकर बीमारी या संक्रमित रोग के कारण भी गठिया रोग हो जाता है। आर्थराइटिस को आयुर्वेद में आम-वात के नाम से जाना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार गठिया होने के कारकों में खराब पाचन, खानपान की गलत आदतें और निश्क्रिय जीवनशैली के साथ ही वात दोष को माना गया है।

आयुर्वेद से उपचार

आयुर्वेद में गठिया का पूरी तरह से इलाज किया जाता है न कि सिर्फ दर्द को खत्म करने की कोशिश की जाती है। यानी गठिया का स्थाई इलाज आयुर्वेद में ही संभव है। गठिया का इलाज लंबा होता है। इसीलिए आयुर्वेद में गठिया के इलाज को योजनाबद्ध तरीके से किया जाता है इसलिए पीड़ित की जीवनशैली, रहन-सहन और खानपान आदि पर खास ध्यान दिया जाता है।

उपचार के साथ दिनचर्या

गठिया में सिर्फ आयुर्वेदिक औषधियां ही नहीं बल्कि अच्छी खुराक लेने की सलाह भी दी जाती है। दरअसल, आयुर्वेद के इलाज के दौरान, गठिया के मूल कारणों को खोजने और फिर उसका सही रूप में उपचार करने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। यदि किसी व्यक्ति में गठिया रोग वात बिगड़ने और दोषपूर्ण पाचन की वजह से हुआ है तो आयुर्वेद में उसके इलाज स्वरूप रोगी की असंतुलित शारीरिक ऊर्जाओं को शांत करने और पाचन क्षमता बेहतर करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है।

परहेज भी जरुरी

गठिया के उपचार में जितनी जरूरी इसकी चिकित्सा है, उससे कहीं अधिक जरूरी परहेज भी है। रोगी के लिए विशेष प्रकार के व्यायाम कराए जाते हैं और सप्ताह में एक से दो बार सोने के पहले 25 मिलीलीटर एरंड के तेल का दूध के साथ सेवन कराते हैं। इसके अलावा लक्ष्णों व रोग की गंभीरता के आधार पर उपचार किया जाता है। उपचार के दौरान रोगी को दर्द कम करने के लिए एंटी-रुमेटिक और एंटी-इंफ्लेमेट्री दवाएं दी जाती हैं साथ ही भरपूर आराम करने की सलाह दी जाती है।

उपचार और खानपान

गठिया के मरीजों के लिए खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी जाती है। अधिक तेल व मिर्च वाले भोजन से परहेज रखें और डाइट में प्रोटीन की अधिकता वाली चीजें न लें। भोजन में बथुआ, मेथी, सरसों का साग, पालक, हरी सब्जियां, मूंग, मसूर, परवल, तोरई, लौकी, अंगूर, अनार, पपीता, आदि का सेवन करें। इसके अलावा नियमित रूप से लहसुन व अदरक आदि का सेवन भी इसके उपचार में फायदेमंद है। अर्थराइटिस के इलाज के लिए इम्यून सिस्टम का मजबूत होना बेहद आवश्यक है, साथ ही पाचन तंत्र का भी बेहतर होना जरूरी है। इसलिए नियमित व्यायाम के साथ खानपान का विशेष ध्यान रखें।

क्या आप भी अपने बच्चे को बैठाते हैं वॉकर में?

वॉकर पर बैठे शिशु को इधर-उधर तेज गति से चलते हुए देखकर हर माता-पिता का मन प्रफुल्लित हो उठता है। वॉकर के बारे में ज्यादातर माता-पिता की यह धारणा है कि वॉकर के सहारे शिशु न केवल शीघ्र चलना सीख लेगा, बल्कि उसका शारीरिक विकास भी होगा। अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो अलर्ट हो जाए, क्योंकि इस संबंध में जो शोध हुए है उसके अनुसर वॉकर शिशु के विकास को मन्द करता है। यह देखने में आया है कि शिशु के लिए वॉकर का प्रयोग माता-पिता कुछ सीमा तक अपनी सुविधा के लिए करते हैं। यह जानते हुए भी कि शिशु अभी ढंग से बैठना या घुटने के बल रेंगना या चलना नहीं सीखा है। आपको बता दें जिन शिशुओं की उम्र 2 वर्ष से कम है उनके वॉकर की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती है।

शिशुओं के एक वृहद समूह के लिए वॉकर का प्रयोग करने व नहीं करने वाले सम्मिलित है, इसका अध्ययन उनके शारीरिक संचारण और मानसिक विकास को लेकर किया गया था।

अनुसंधान में यह उजागर हुआ कि 6 से 15 माह के 109 शिशुओं में से जिन 56 शिशुओं को वॉकर दिया गया था, वो शारीरिक संचारण और मानसिक विकास के मापदंडों जैसे बैठना, रेंगना, चलना शामिल है में बिना वॉकर के 53 शिशुओं से तुलना में काफी पीछे रहे। इस अध्ययन से यह तथ्य सामने आया कि जो शिशु ने वॉकर का प्रयोग नहीं किया था। वो औसतन पांच माह की उम्र में बैठना, आठ माह में घुटने के बल रेंगना और दस माह की उम्र में चलने लायक हो गया था।

क्या कहता है शोध

शोधकर्ताओं के अनुसार शिशु घर के परिवेश में चल फिर कर बहुत सी वस्तुओं की खोज कर काफी कुछ सीखता है। वह किसी चीज या वस्तु को गिराकर फैक कर उसको प्राप्त करने के लिए हर तरह की शारीरिक क्रिया करता है, जो कि वॉकर पर बैठे शिशु के लिए संभव नहीं हो पाता है और ऐसी परिस्थिति में वह अपने स्तर पर अनुसंधान/खोज नहीं कर पाता, जिसके फलस्वरूप उसके ज्ञान और बुद्धि का विकास भी नहीं हो पाता है।

वॉकर के कुप्रभाव

चाइल्ड स्पेशलिस्टस की मानें तो वॉकर के उपयोग में बच्चे के चोट लगने की संभावना रहती है। सामान्य बच्चों की तुलना में वॉकर का उपयोग करने वाले बच्चे सिढियां चढ़ने व उतरने में दिक्कत करते है और गिरने की संभावना ज्यादा रहती है। वॉकर की वजह से हैड इंजरी व मौत तक हो सकती है। अन्य प्रकार की चोटें जैसे फ्रैक्चर, केमिकल्स व जहरीले तरल पदार्थों को पी लेना, पानी का पौंड में डूब जाना शामिल है, होने की संभावना रहती है। एक साल से कम उम्र के बच्चे जिनकी टांगों में वजन झेलने की क्षमता कम होती है, वॉकर में खड़े होने से और टांगों पर जोर पड़ने से गोल मुड़ (बो-लेग्स) जाती है।

मेकअप उतारने के लिए लगाएं बादाम तेल

कई लड़कियों को आंखों पर लगा हुआ काजर और मस्कारा उतारने में थोड़ा समय लगता है। दुनिया की बहुत सी लड़कियों ने आंखों के मेकअप को उतारने के लिए बादाम तेल का इस्तेमाल किया है, जिससे उनका मेकअप बिना महनत किए ही उतर जाता है। बादाम तेल में बिल्कुल भी कैमिकल नहीं होता, जिससे त्वचा पर कोई बुरा असर पड़े। यह चेहरे पर कोमलता का एहसास छोड़ जाता है। इसे चेहरे या आंखों पर लगाने से यह त्वचा से आराम से छूट भी जाता है और बिल्कुल भी नहीं चिपचिपाता।

बादाम का तेल लगाने का तरीका

अपनी उंगलियों पर जरुरत भर का तेल ले कर पूरे चेहरे तथा आंखों पर लगाएं। फिर एक कॉटन बॉल ले कर उसमें गुलाब जल डाल कर चेहरे से एक्सट्रा ऑइल साफ करें।

थोड़ा सा और तेल ले कर आंखों से मस्कारा और आइलाइनर छुड़ा लें। एक बार मेकअप साफ कर लेने के बाद चेहरे को हल्के गरम पानी से धो लें।

चेहरे पर बादाम का तेल लगाने से ना केवल मेकअप साफ होता है, बल्कि चेहरे पर चमक भी आ जाती है। तो अब से बाजारू मेकअप रिमूवर ना खरीद कर बादाम तेल का ही प्रयोग करें।

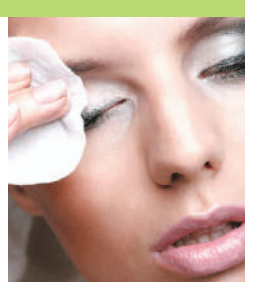

जानें क्या होते हैं फ्रेकल्स

फ्रेकल्स त्वचा पर होने वाले एक प्रकार के दाग हैं। जो आकार में छोटे, चपटे तथा लाल या भूरे रंग धब्बे होते हैं। यह एक आम समस्या है। यह समस्या आमतौर पर लोगों में पाई जाती हैं और पूरी तरह नुकसानरहित होती हैं। हल्के रंग की त्वचा वाले लोगों में ये ज्यादा पाए जाते हैं क्योंकि उनमें त्वचा को सूर्य किरणों से होने वाले नुकसान से बचाने वाला केमिकल मैलेनिन (त्वचा सेल्स द्वारा उत्पन्न) कम मात्रा में होता है। त्वचा में मैलेनिन के असमान वितरण के कारण ही फ्रेकल्स उत्पन्न होते हैं। किसी एक जगह पर मैलेनिन का अत्यधिक बनना भी फ्रेकल्स बना देता है। फ्रेकल्स अधिक देर तक धूप में रहने का परिणाम हैं जो सूर्य की किरणों से ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों में आम पाए जाते हैं। फ्रेकल्स आमतौर से चेहरे, कंधों और बांहों पर पाए जाते हैं। इस लेख को पढ़ें और फ्रेकल्स के बारे में विस्तार से जानें।

फ्रेकल्स के लक्षण: फ्रेकल्स किसी एक धब्बे या गुच्छों के रूप में भी अनियमित विकसित होते हैं, गुच्छों में होने के कारण यह त्वचा पर बहुतायत में देखे जा सकता हैं।

आनुवंशिकी कारण: फ्रेकल्स आनुवांशिक कारणों से भी आपकी त्वचा पर हो सकते है। यानी आपके परिवार में किसी को फ्रेकल्स हों तो आपको भी होने के चांस बढ़ जाते हैं।

धूप भी कारण: धूप में ज्यादा रहने से त्वचा को अधिक मैलेनिन बनाना होता है ताकि सूर्य की हानिकारक किरणों से रक्षा की जा सके। किन्हीं हिस्सों पर मैलेनिन का इस तरह बनना या मैलेनिन का असमान वितरण फ्रेकल्स बना सकता है।

फ्रेकल्स के जोखिम कारण: गोरे रंग के लोगों में फ्रेकल्स होने की आशंका अधिक रहती है क्योंकि ऐसी त्वचा में मैलेनिन कम होता है और यह (धूप में)आसानी से झुलस सकती है।

फ्रेकल्स का उपचार

अधिकतर मामलों में फ्रेकल्स हानिरहित होते हैं और कॉस्मेटिक कारणों को छोड़ दें तो इनका उपचार आवश्यक नहीं होता। त्वचा टोन की रिसेम्बलिंग हेतु एक जैसी टोन लाने के लिए फ्रेकल्स को हल्का करने हेतु ब्लीचिंग क्रीम का उपयोग किया जा सकता है। हालांकि यह प्रभावित त्वचा को असमान बना सकती है और रैशेज की वजह भी बन सकती है। लेजर ट्रीटमेंट या इन्टेन्स पल्सड लाइट थेरेपी पिगमेंटेशन को खत्म कर सकती है लेकिन परिणाम भिन्न हो सकते हैं और अनेक सिटिंग की जरूरत हो सकती है। क्रायोथेरेपी या तरल नाईट्रोजन द्वारा फ्रीजिंग। केमिकल पील्स।

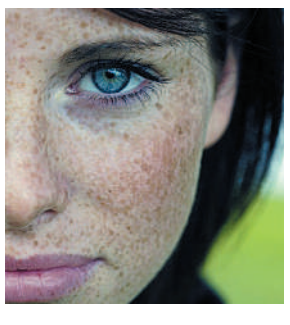

फ्रेकल्स की रोकथाम

चूंकि गोरी त्वचा वाले लोगों को आसानी से फ्रेकल्स हो जाते हैं और सूरज की धूप से त्वचा का निरंतर अत्यधिक क्षतिग्रस्त होना आपके लिए त्वचा कैंसर होने के चांस बढ़ा सकता है। इसलिए रोकथाम के उपाय अपनाए जाने की जरूरत होती है। फ्रेकल्स ऐसी त्वचा का लक्षण है जो आसानी से सनबर्न का शिकार हो सकती है जिससे आगे चलकर त्वचा कैंसर हो सकता है। कम से कम 30 एसपीएफ वाली सनस्क्रीन इस्तेमाल करें और फिर उपयोग संबंधी लेबल निर्देशों का पालन करें। ज्यादा देर तक धूप में रहने से बचें।

बारिश में सेहतमंद बनाता है अदरक

बारिश के दिनों में भीगने का मजा ही कुछ और है। बाद में सर्दी होने से सारा मजा किरकिरा हो जाता है। इस दौरान चाय और भोजन में उपयोग किया जाने वाला अदरक आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। इसके सूखे हुए स्वरूप को सोंठ कहा जाता है।

अदरक के सेवन से आपकी स्वास्थ्य संबंधी आधी से ज्यादा समस्याएं चुटकियों में दूर हो सकती हैं। इसका इस्तेमाल हालांकि सालभर किया जाता है, लेकिन बरसात में अपनी डाइट चार्ट में इसको शामिल कर अदरक के कमाल के गुणों का लाभ आप उठा सकते हैं...

बरसात में सर्दी, जुकाम, कफ की समस्या होना आम बात है। इस दौरान गर्मागर्म अदरक का काढ़ा या चाय बेहद लाभ देती है। इसके अलावा अदरक का सेवन तनाव कम करने और थकान दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अलावा गले में इंफेक्शन या दर्द होने पर अदरक और काले नमक का एक साथ सेवन जल्द राहत पहुंचाता है।

खूबसूरती निखारता है अदरक

अदरक स्वाद के साथ ही खूबसूरती भी निखारता है। इसके लेप से त्वचा के दाग मिटने के साथ ही झुर्रियां भी कम होती हैं। जोड़ों के दर्द में भी यह फायदेमंद है। बस आपको दर्द वाली जगह पर अदरक का गर्म लेप लगाना है, इससे काफी फायदा मिलता है। इसके अलावा अमीबिक पेचिश, गठिया, साइटिका जैसी बीमारियों का इलाज भी अदरक में छिपा हुआ है।

श्वास संबंधी रोग में फायदेमंद

आपको बता दें अदरक की गर्म तासीर होने के कारण सांस संबंधी तकलीफ होने पर काफी फायदा मिलता है। नहीं रहेगी अपच की समस्या अदरक पाचन क्रिया को बेहतर करता है। अगर आपको भूख नहीं लग रही है या फिर उदरशूल की समस्या है, तब अदरक आपकी समस्या से छुटकारा दिला सकता है। जी मचलाना या अपच जैसी समस्याओं में भी अदरक बेहद लाभदायक है।

महिलाओं की समस्याएं होगीं दूर

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि महिलाओं में मासिक धर्म की अनियमितता और दर्द में भी अदरक के सेवन से निजात मिलती है। इसके अलावा गर्भाशय के कैंसर, डाइबिटीज और ह्दय रोगियों को भी अदरक का सेवन नियमित रूप से करना चाहिए।

रेसिपी

ओट्स् रवा इडली

सामग्री

1/2 कप ओट्स का आटा, 1/2 कप सूजी, 1/2 कप ताजा दही, 2 टी-स्पून धी, 1/2 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून हिंग, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 2 टेबल-स्पून मोटे कटे हुए काजू, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ धनिया, नमक, स्वाद अनुसार, 1/2 टी-स्पून फ्रूट सॉल्ट, **चुपड़ने के लिए:** तेल, **परोसने के लिए:** सांभर, नारियल की चटनी

विधि

ओट्स का आटा, सुजी, दही और ¾ कप पानी को एक गहरे बर्तन में मिलाइए और 30 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। एक छोटे नॉन-स्टिक पैन में धी गरम करें और उसमे सरसों डालिए। जब सरसों चटखने लगे, तब उसमे जीरा और हिंग डाले और मध्यम आंच पर कुछ सेकेंड भुनिए। अब इस तड़के को बाकी बची सामग्री, सिवाय फ्रूट सॉल्ट के, ओट्स और सुजी के मिश्रण के साथ मिलाइए। स्टिम करने से पहले, मिश्रण पर फ्रूट सॉल्ट डाले और उपर से 2 टी-स्पून पानी डाले। बुलबुले आना शूरू हो, तब उसे धीरे से मिलाइए। इडली पात्र को तेल लगाइए और उसमे मिश्रण डालकर स्टिमर में 7 से 8 मिनट इडली पकने तक स्टिम कीजिए। थोड़ा सा ठंडा करें और पात्र से निकाल कर सांभर और नारियल की चटनी के साथ तुरंत परोसे।

पनीर पीटा पॉकिट्ज़

सामग्री

पीटा ब्रेड: 3/4 कप संपूर्ण गेहूं का आटा, 3/4 स्पून दरदरा ताज़ा खमीर, 1/2 स्पून शक्कर, नमक, 1/2 स्पून तेल गूंधने के लिए, 2 स्पून तेल, 1 स्पून नींबू का रस, 12 मिलीमीटर (1/2) का टुकड़ा कसा हुआ अदरक, नमक , स्वाद अनुसार, 2 स्पून कटा हरा धनिया, 1 स्पून बहुत बारीककटा लहसुन, **पनीर कोलस्लो:** 1/2 कप 12 मिमी. (1/2) के चकोर टुकडो में कटा पनीर, 1 कप कतरी हुई बंद गोभी, 1/2 कप कसी गाजर, 1/2 कप अंडारहित मेयोनीज, 1/2 टी-स्पून सरसों का पाउडर, 1 से 2 टी-स्पून नींबू का रस, नमक तथा ताजी पिसी काली मिर्च , स्वाद अनुसार

विधि

पीटा ब्रैड के लिए: सारी सामग्री को एक बाउल में डालकर पर्याप्त पानी की सहायता से नरम और इलास्टिक जैसा गूंध लीजिए। थोड़ा तेल डालिए और वापस गूंधिए। मलमल के गीले कपड़े से 10 से 20 मिनट तक ढक कर रख दीजिए जब तक फूलकर दुगना नही हो जाता। आटे को हल्के हाथ से दबाइए ताकि सारी हवा बाहर निकल जाए। आटे को 4 बराबर भागो में बांटिए। आटे के प्रत्येक भाग को 100मिमी. (4) व्यास और 6 मिमी. (द) मोटी रोटी के रूप में बेलिए। पीटा ब्रैड को मध्यम आंच पर गरम तवे पर दरारे पड़ने और फूलने तक थोड़ा सा सेकिए पीटा ब्रैड को 2 भागो में काटिए और एक तरफ रख दीजिए। **पनीर कोलस्लो के लिए:** एक बाउल में पनीर और मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथें से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सामग्री डालकर हल्के हाथों से मिलाइए और फ्रिज में रख दीजिए। कोलस्लो को 4 बराबर भागो में बांटिए और एक तरफ रख दीजिए।

संपादकीय

भारत पर हमला, तो मदद

भारत के प्रधानमंत्री मोदी और अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप करीब 16 माह के लंबे अरसे के बाद मिले। बेशक हाथ मिलाए गए, लेकिन गर्मजोशी से गले नहीं मिले। न जाने क्यों? इस महामुलाकात के दौरान कई गांठें खुली होंगी, भ्रम टूटे होंगे, धारणाएं बदली होंगी, कई तरह की बर्फ भी पिघली होगी, नतीजतन राष्ट्रपति ट्रंप ने ओमान खाड़ी में तीन भारतीय नाविकों की हत्या पर शोक जताया और भविष्य में सभी नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आश्वासन भी दिया। यह द्विपक्षीय मुलाकात फ्रांस में जी-7 सम्मेलन के एक तरफ की गई। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहली बार ऐसा बयान देकर दुनिया को चौंका दिया कि यदि किसी ने इस शख्स (प्रधानमंत्री मोदी की ओर इशारा कर) पर हमला किया, तो हम भारत की मदद करेंगे। जब तक भारत में प्रधानमंत्री मोदी हैं, तब तक प्रत्येक हमले में अमरीका भारत के साथ खड़ा रहेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि भारत में कोई नया नेता होगा, तो फिर उन्हें (ट्रंप को) सोचना पड़ेगा। अमरीकी राष्ट्रपति का यह अभिमत तब सामने आया, जब उनसे भारत के साथ रक्षा-सहयोग का सवाल पूछा गया।

अमरीकी राष्ट्रपति का यह अभिमत तब सामने आया, जब उनसे भारत के साथ रक्षा–सहयोग का सवाल पूछा गया। बेशक भारत और अमरीका रणनीतिक साझेदार देश हैं। दोनों के बीच रक्षा, सुरक्षा, संरक्षा के करार मौजूद हैं। ये करार भावनात्मक भी हैं और मसविदों पर अंकित भी हैं। सबसे अहम उदाहरण 'क्वाड' का है, जिसमें भारत और अमरीका के अलावा, जापान और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। इन देशों के लिए हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील हैं। करीब 35 फीसदी व्यापार हिंद महासागर के जरिए होता है। वहां चीन भी मौजूद है और कभी–कभार हेकड़ी भी दिखाता है, लिहाजा अमरीका के इस क्षेत्र में अस्तित्व और सक्रियता के लिए तथा चीन की आक्रामकता का जवाब देने के लिए अमरीका को भारत की जरूरत है। और कोई विकल्प ही नहीं है। संभवत: राष्ट्रपति ट्रंप का बयान इसी परिदृश्य और संवेदनशीलता के मद्देनजर आया हो! इसके अलावा, मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान चीन और तुर्किये ने पाकिस्तान की सैन्य मदद की थी।

बेशक भारत और अमरीका रणनीतिक साझेदार देश हैं। दोनों के बीच रक्षा, सुरक्षा, संरक्षा के करार मौजूद हैं। ये करार भावनात्मक भी हैं और मसविदों पर अंकित भी हैं। सबसे अहम उदाहरण 'क्वाड' का है, जिसमें भारत और अमरीका के अलावा, जापान और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। इन देशों के लिए हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील हैं। करीब 35 फीसदी व्यापार हिंद महासागर के जरिए होता है। वहां चीन भी मौजूद है और कभी-कभार हेकड़ी भी दिखाता है, लिहाजा अमरीका के इस क्षेत्र में अस्तित्व और सक्रियता के लिए तथा चीन की आक्रामकता का जवाब देने के लिए अमरीका को भारत की जरूरत है। और कोई विकल्प ही नहीं है। संभवतः राष्ट्रपति ट्रंप का बयान इसी परिदृश्य और संवेदनशीलता के मद्देनजर आया हो! इसके अलावा, मई 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान चीन और तुर्किये ने पाकिस्तान की सैन्य मदद की थी, उसके बावजूद भारत की वायुसेना ने पाकिस्तान के एयरबेस और विमानों को मिट्टी-मलबे में तबदील कर दिया था। बहरहाल अब राष्ट्रपति ट्रंप ने सार्वजनिक बयान दिया है कि भारत पर किसी भी हमले की सूरत में अमरीका मदद करेगा। यह कूटनीतिक समीकरणों में ऐतिहासिक बदलाव का स्पष्ट संकेत है, क्योंकि भारत पहले सोवियत संघ समर्थक था और अब भी रूस का घनिष्ठ मित्र है, लेकिन अमरीका का घोषित रणनीतिक साझेदार भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को साफ कहा है कि साझेदारी समान और सम्मानजनक होनी चाहिए। कोई भी रिश्ता, संबंध 'भरोसे' के बूते ही कामयाब होता है। भारत-अमरीका के रिश्तों में बीते 16 माह के दौरान उतार-चढ़ाव आते रहे हैं, अमरीकी राष्ट्रपति ने भारत को 'डेड इकोनॉमी' करार दिया है। भारत की तुलना नरक से की है और भारत पर 50 फीसदी टैरिफ भी थोपा है। वे बयान मानसिकता के किसी झोंके में कहे गए होंगे, लेकिन हकीकत यह है कि दोनों देश आपस में पूरक हैं। जहां तक रक्षा-सहयोग का संदर्भ है, तो भारत आज रूस से 40 फीसदी हथियार खरीदता है, फ्रांस से करीब 29 फीसदी और इजरायल से 15-16 फीसदी खरीदता है। इस सूची में अमरीका लगभग गायब है, जबकि वह दुनिया में हथियारों का सबसे बड़ा, करीब 42 फीसदी, सप्लायर है। संभवतः यह यथार्थ राष्ट्रपति ट्रंप को परेशान करता होगा! शायद इसीलिए भी ट्रंप ने रूस से कच्चा तेल खरीदने की इजाजत भारत को दी है। अमरीकी बंदिश बुधवार को समाप्त हो चुकी थी। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के साथ 'व्यापार समझौते' की उम्मीद जताई और प्रधानमंत्री मोदी के साथ बातचीत को 'सार्थक' करार दिया। उन्होंने भारत के साथ 19 ट्रिलियन डॉलर से अधिक के कारोबार की उम्मीद जताई है। भारत करीब 30 फीसदी इलेक्ट्रॉनिक मशीनरी, उपकरण, करीब 10 फीसदी दवाएं और 8 फीसदी से ज्यादा परमाणु रिएक्टर आदि अमरीका को निर्यात करता है। बहरहाल यह शीर्ष मुलाकात तब हुई है, जब शुक्रवार को अमरीका-ईरान में शांति-समझौते पर हस्ताक्षर प्रस्तावित हैं।

सुगबुगाहट तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कषगम के संसदीय दल में भी टूट-फूट की दिख रही

दलीय टूट-फूट के सवालों से मुठभेड़ जरूरी

उमेश चतुर्वेदी

लोहिया ने कहा था, सुधरो या टूट जाओ। लोहिया की इस अपील को उनके समाजवादी चेलों ने तो माना ही, अब गैर समाजवादी अनुयायी भी स्वीकार कर चुके हैं। चार मई को पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद सबसे बड़ी टूट उस ममता की पार्टी में हुई, जिन्हें राजनीतिक मैदान का योद्धा माना जाता था। जो झुकना नहीं जानतीं। पहले उनके 80 में से 53 विधायक टूट गए और विधानसभा में उन्होंने अपना अलग गुट बना लिया। इसके बाद लोकसभा के उनके 29 में से बीस सांसद भी टूट गए। दिलचस्प यह है कि उन्होंने एक अनाम-सी पार्टी नेशनल सिटिजन्स पार्टी में अपना विलय कर लिया। ममता की राह पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के भी सांसद चल पड़े हैं और हो सकता है कि इन पंक्तियों के प्रकाशित होने तक उनके नौ में से छह लोकसभा सांसद पाला बदलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के धनुष पर तीर चढ़ा रहे होंगे।

डॉक्टर लोहिया ने कहा तो था समाजवादियों से, लेकिन लगता है कि उनकी बात आज के विपक्षी दलों ने ज्यादा शिद्दत से मान ली है। लोहिया ने कहा था, सुधरो या टूट जाओ। लोहिया की इस अपील को उनके समाजवादी चेलों ने तो माना ही, अब गैर समाजवादी अनुयायी भी स्वीकार कर चुके हैं। चार मई को पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद सबसे बड़ी टूट उस ममता की पार्टी में हुई, जिन्हें राजनीतिक मैदान का योद्धा माना जाता था। जो झुकना नहीं जानतीं। पहले उनके 80 में से 53 विधायक टूट गए और विधानसभा में उन्होंने अपना अलग गुट बना लिया। इसके बाद लोकसभा के उनके 29 में से बीस सांसद भी टूट गए। दिलचस्प यह है कि उन्होंने एक अनाम-सी पार्टी नेशनल सिटिजन्स पार्टी में अपना विलय कर लिया। ममता की राह पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के भी सांसद चल पड़े हैं और हो सकता है कि इन पंक्तियों के प्रकाशित होने तक उनके नौ में से छह लोकसभा सांसद पाला बदलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के धनुष पर तीर चढ़ा रहे होंगे। सुगबुगाहट तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कषगम्के संसदीय दल में भी टूट-फूट की दिख रही है। इस बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव की अगुआई वाली समाजवादी पार्टी में भी टूट की भविष्यवाणी जता दी है। भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई बात नहीं है। अतीत में भी दल-बदल होते रहे हैं। हरियाणा में तो तकरीबन पूरा विधायक दल ही दूसरे दल में समा गया था। उसी के बाद से दलबदल के लिए भारतीय राजनीति में 'आयाराम गयाराम' का मुहावरा ही चल पड़ा था। लेकिन पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद जिस तरह दल-बदल या दलों में टूटफूट हो रहा है, वह अप्रत्याशित है। इतने बड़े पैमाने पर राजनीतिक दलों में भगदड़ पहले नहीं हुई थी। पहले किसी एक या दो दल में ऐसा होता था। ऐसा लग रहा है कि जैसे बीजेपी विरोधी दलों को दल-बदल या टूट-फूट वाली छूत की बीमारी लग गई है। इस प्रभावित दल इस टूट-फूट के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका आरोप है कि बीजेपी टूटने वाले नेताओं को मोटी रकम का लालच दे रही है। उनका यह भी आरोप है कि संवैधानिक सुधारों के लिए चूंकि बीजेपी को संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरूरत है, इसलिए वह धन और बाहुबल का लालच देकर दलों को तोड़ रही है। एक बारगी मान भी लें कि बीजेपी की शह पर ये टूट-फूट हो रही है तो एक प्रश्न जरूर उठता है कि आखिर राजनीतिक दलों ने कैसे नेताओं को अपना सांसद या विधायक बनाने के लिए चुना है? क्या उनके चयन में कोई गलती रही? सवाल यह भी उठता है कि जो टूट रहे हैं, क्या सांसद या विधायक बनाने को लेकर जब उनका चयन किया जा रहा था, तो उनकी कौन की खासियत देखी गई थी? क्या दल के प्रति न उनकी निष्ठा, उनके चरित्र आदि का ध्यान नहीं रखा

गया। सवाल यह भी उठता है कि क्या बाहुबल या धन बल ही उनके चयन की बड़ी योग्यता मानी गई। इन सवालों का ईमानदारी से जवाब प्रभावित दल भले ही नहीं दे, लेकिन यह छुपी हुई बात नहीं है कि भारतीय राजनीति में संसद या विधानसभा में नुमाइंदगी के लिए दलीय निष्ठा की बजाय दूसरे कारकों का ज्यादा ध्यान रखा जा रहा है। इसमें चुनाव जीतने की क्षमता, चुनाव में खर्च करने की सामर्थ्य और जरूरत बड़ने पर पार्टी के लिए धन और बाहुबल के साथ खड़ा होने की शक्ति भी देखी जाती है। कई बार तो सिर्फ पैसे के दम पर ही टिकट हासिल कर लिए जाते हैं। यही वजह है कि मौका मिलते ही ये नेता अपनी निष्ठा बदलने में देर नहीं लगाते। निश्चित तौर पर राजनीतिक दलों के गठन की बुनियाद उनका राजनैतिक और सामाजिक विचार और सिद्धांत होता है। इसके बावजूद लगातार महंगी होती चुनाव प्रक्रिया ने विचारधारा की राजनीति को पीछे खिसका दिया है। विचारधारा की दुहाई तभी तक दी जाती है, जब तक उसकी राह में धन बल या बाहुबल नहीं आता, जब तक कि सत्ता उससे दूर रहती है। अगर विचारधारा से विचलन के बाद सत्ता आती दिखती है तो राजनीतिक दल और नेता भी अपनी उस विचारधारा को कुछ वक्त के लिए ताक पर रख देते हैं। सिद्धांत और निष्ठाएं भी तब तक के लिए टाल दी जाती हैं। जब दलीय आधार पर ऐसा होता है तो निजी स्तर पर किसी सांसद और विधायक को आर्थिक या सत्ता में भागीदारी का मौका मिलेगा तो वह क्यों न टूटेगा। सवाल यह है कि जब दल और उसका अगुआ ही अपनी निष्ठा और विचारधारा को सत्ता के लिए किनारे रख देगा तो मौका मिलने पर उसका सांसद और विधायक ऐसा क्यों नहीं कर सकता। उद्धव ठाकरे के संसदीय दल में बिखराव की बड़ी वजह सत्ता के लिए पार्टी के सिद्धांतों से समझौता और कांग्रेस का साथ लेना रहा है। टूट रहे सांसदों को लेकर आरोप लगाने वाले दलों को भी सोचना होगा कि आखिर उन्होंने किस तरह के लोगों को चुना? सवाल यह है कि जब पैसे लेकर टिकट दिए जाएंगे, जब दल और विचारधारा की निष्ठा के बजाय चुनावी टिकट हासिल करने के अन्य कारण होंगे तो फिर इस प्रक्रिया से चुनकरआए सांसदों और विधायकों की खरीद-बिक्री पर सवाल कैसे उठाए जा सकते हैं? कैसे उन्हें दलीय निष्ठा के प्रति बांधे रखा जा सकता है। दलीय टूट-फूट का अभी कोई बड़ा नुकसान भले ही नहीं दिख रहा हो, लेकिन आने वाले दिनों में इसका एक बड़ा हश्र लोक विश्वास के दरकने के रूप में दिख सकता है। आज का मतदाता बहुविध सूचनाओं के तमाम स्रोतों से लैस है। उसकी राजनीतिक समझ पहले के मीडिया क्रांति केदौर के पहले के मतदाताओं की तुलना में कहीं ज्यादा विकसित है। उसका सामान्य ज्ञान कमजोर भले ही हो सकता है, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और उसमें आ रहे निष्ठागत बदलावों की पृष्ठभूमि को वह समझ रहा है। ऐसे में उसका भरोसा मौजूदा राजनीतिक तंत्र से चूक सकता है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया से उसका भरोसा टूटना लोकतंत्र के लिए खतरनाक हो सकता है। दल बदलने वाले अपने प्रतिनिधि के बारे में वह सवाल उठा सकता है कि उसने जिस सोच के साथ उसे वोट दिया, उसका प्रतिनिधि उस सोच के साथ गद्दारी कर रहा है। कई बार स्थानीय कारणों के साथ ही अपनी वैचारिक निष्ठा के चलते भी अपना मत देता है। हो सकता है कि राष्ट्रीय स्तर पर किसी दल विशेष को बड़ा समर्थन मिला हो, लेकिन उसी दल विशेष के किसी स्थानीय प्रतिनिधि को स्थानीय निष्ठाओं, जरूरतों और कारकों के साथ ही वैचारिक कारणों से मतदाताओं का समर्थन नहीं मिलता। मान लेते हैं कि राष्ट्रीय या राज्य स्तर पर किसी दल विशेष को भारी समर्थन मिला है, लेकिन स्थानीय स्तर पर इसके ठीक उलट किसी अन्य दल या उसके प्रतिनिधि को समर्थन मिला है। इसका मतलब यह है कि राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर समर्थन हासिल करने वाले दल के कार्यक्रमों और योजनाओं की बजाय स्थानीय योजनाओं को लेकर स्थानीय लोगों की अपनी अलग दृष्टि है, या अपनी अलग चाहत है। स्थानीय मतदाताओं का भरोसा उसे इसी वजह से मिला है। लेकिन उसका प्रतिनिधि अपनी निष्ठा बदल लेता है कि स्थानीय मतदाता खुद को आहत और ठगा हुआ महसूस कर सकता है। चूंकि इन दिनों दलीय टूट-फूट व्यापक स्तर पर हो रही है, इसलिए मतदाताओं में इसका व्यापक असर पड़ सकता है। इसके चलते मतदाता आहत महसूस कर स0कते हैं, विश्वासघात भी मान सकते हैं। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा कमजोर हो सकता है। मौजूदा राजनीतिक तंत्र को मतदाताओं के मनमिजाज को इस नजरिए से भी समझना होगा। भारतीय लोकतंत्र को भरोसेमंद बनाने की राह राजनीतिक दलों को ही खोजना होगा। क्योंकि लोहिया की टूटने की अपील के पीछे भी सुधार को खोजना था। लेकिन सवाल यह है कि क्या राजनीतिक दल संपूर्णता में इस सवाल से मुठभेड़ करने को तैयार हैं।

कुछ अलग

आना मानसून का समय पर

इन दिनों राजनीतिक हलकों में इस बात को लेकर काफी चिंता है कि इस बार मानसून समय पर आ रहा है। गोया मानसून को समय पर नहीं आना चाहिए और यदि आए भी तो सरकारी स्वीकृति से आए, वरना मानसून की कोई जरूरत ही नहीं है। पार्टी कार्यकर्ता से लेकर मंत्री-मुख्यमंत्री सब परेशान हैं कि मानसून समय पर क्यों आ रहा है। मानसून आ गया तो अकाल और सूखे का क्या होगा? मुख्यमंत्री मिले तो मैंने कहा- 'लीजिए साब, इस बार मानसून समय पर आ रहा है!' मुख्यमंत्री बौखला गए, 'यह क्या कह रहे हो। इस देश में कुछ भी समय पर नहीं हो रहा, फिर यह मानसून मरा समय पर क्यों आ रहा है। कुछ करो यार मानसून को टालने के उपाय।' मैं बोला- 'जनता मानसून लाने के लिए हरिकीर्तन कर रही है और आप उसे टालना चाहते हैं। मेरी समझ में नहीं आता आप इतने परेशान क्यों हैं मानसून से। मानसून का समय है तो वह आएगा ही।' मुख्यमंत्री के चेहरे पर निराशा के बादल छा गए, आंखों में उदासी की घटाएं घुमड़ीं। वे बोले- 'सच तो यह है कि केन्द्र सरकार को नब्बे करोड़ की सहायता के लिए कहा हुआ है। वर्षा आ गई तो भला यह राशि कैसे मिलेगी? राहत सामग्री का वितरण पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अनिवार्य है। जहां तक असंतुष्टों का सवाल है, सूखे व अकाल के बहाने वे भी मंत्री बने इस सूखे-अकाल के सहारे चुप्पी साधे हुए हैं। मानसून आते ही सब सिर उठा लेंगे।' 'तब तो वाकई चिंता की बात है। मानसून आने से राजनीतिक अस्थिरता बढने वाली है तो राष्ट्रीय अशांति का खतरा है। हमें इस दिशा में वैज्ञानिकों का सहयोग लेना चाहिए।' मैंने कहा। मुख्यमंत्री बोले- 'वैज्ञानिकों का कोई दोष नहीं है।

देश दुनिया से

करो योग, रहो निरोग

आज भागती दौड़ती दिनचर्या में समय का बहुत अभाव है। ऐसे में हमारे शरीर की फिटनेस के लिए योग जैसा कार्यक्रम चाहिए जो कम समय में बिना कोई धन खर्च किए आसानी से उपलब्ध हो। शहर तो शहर, ग्रामीण परिवेश में भी दैनिक जीवन की भौतिक सुख-सुविधाओं का विकास तो हुआ है, मगर इस सबसे मानव फिटनेस में काफी कमी आई है। हमारा पैदल चलना अब बहुत कम हो गया है। रक्त वाहन करने वाली शिराओं के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उन्हें ठीक रख सके। इसलिए अच्छे फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत भी महसूस हो रही है। स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। बिना अच्छे स्वास्थ्य के धन दौलत, पद प्रतिष्ठा व अन्य भौतिक सुख सुविधाएं सब बेमानी लगती हैं। लोगों का स्वास्थ्य उत्तम हो, इस सबके लिए इस कॉलम के माध्यम से बार बार योग के बारे में जानकारी देकर योग को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता रहा है। योग हर उम्र के लोग आसानी से थोड़ी सी जगह में भी कर सकते हैं। वर्तमान जीवन शैली के कारण मनुष्य के पास अपने स्वास्थ्य के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है जो उनके स्वास्थ्य को सुधार कर व्यवस्थित रख सके। आज मानव ने विज्ञान में नए-नए शोध कर प्रौद्योगिकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतनी प्रगति कर ली है कि इसके कारण जीवन काफी आसान तो हो गया है, मगर शारीरिक श्रम जो पहले यूं ही दिनचर्या में आसानी से हो जाता था, अब उसके लिए आज अलग से फिटनेस कार्यक्रम चाहिए होता है। समय बचाती दुनिया के लिए योग मुख्य विकल्प है, जो कम श्रम कर अधिक फिटनेस दे सकता है। इसलिए अब आम जनमानस के लिए योग के बारे में जानना जरूरी हो जाता है। सैकड़ों वर्ष पूर्व महर्षि पतंजलि ने योग को लिखित रूप में संग्रहित किया और योग सूत्र की रचना की। योग सूत्र की रचना के कारण पतंजलि को योग का जनक कहा जाता है। इस योग के महान ग्रंथ में योग के बारे में कहा गया है कि मन की वृत्तियों पर नियंत्रण करना ही योग है। यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान व समाधि, यह अष्टांग योग के आठ सूत्र हैं। आठों अंगों में प्रथम दो यम व नियम को नैतिक अनुशासन, आसन, प्राणायाम व प्रत्याहार को शारीरिक अनुशासन व धारणा, ध्यान, समाधि को मानसिक अनुशासन बताया गया है। योग हमें

यम एवं नियम द्वारा व्यक्ति के मन और मस्तिष्क को ठीक करने की सलाह देता है। आसन और प्राणायाम करने से पूर्व यदि व्यक्ति यम एवं नियमों का पालन नहीं करता है, तो उसे योग से पूर्ण स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल सकता है। यम और नियम की विस्तार से चर्चा जरूरी है। संयम मन, वचन और कर्म से होना चाहिए। इसका पालन न करने से व्यक्ति का जीवन व समाज दोनों दुष्प्रभावित होते हैं। इससे मन मजबूत और पवित्र होता है तथा मानसिक शक्ति बढ़ती है। सत्य, अहिंसा, असतेय, ब्रह्मचर्य व अपरिग्रह यह नियम व्यक्तिगत नैतिकता के हैं। मनुष्य को कर्तव्य परायण बनाने तथा जीवन को सुव्यवस्थित करने हेतु पांच नियमों का विधान किया गया है। ये नियम हैं शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय व ईश्वर प्राणिधान। यम यानी मन, वचन एवं कर्म से सत्य का पालन व मिथ्या का त्याग। जिस रूप में देखा, सुना एवं अनुभव किया हो उसी रूप में उसे बतलाना सत्य है। अहिंसा दूसरा सूत्र है। इसमें किसी को मारना ही केवल हिंसा का रूप नहीं है, बल्कि किसी भी प्राणी को कभी भी किसी प्रकार का दुख न पहुंचाना अहिंसा है। असतेय अर्थात चोरी न करना। छल से, धोखे से, झूठ बोलकर, बेईमानी से किसी चीज को प्राप्त करना भी चोरी है। जिस पर अपना अधिकार नहीं, उसे लेना भी इसी श्रेणी में आता है। ब्रह्मचर्य : मन वचन एवं कर्म से यौन संयम अथवा मैथुन का सर्वथा त्याग करना ब्रह्मचर्य है। सभी इंद्रिय जनित सुखों में संयम बरतना। अपरिग्रह : अपने स्वार्थ के लिए धन, संपत्ति एवं भोग की सामग्री में संयम न बरतना परिग्रह है। इसका अभाव अपरिग्रह है। आवश्यकता से अधिक संचय करना अपरिग्रह है। दूसरों की वस्तुओं की इच्छा न करना। मन, वचन एवं कर्म से इस प्रवृत्ति को त्यागना ही अपरिग्रह है। नियमों में शौच के अंतर्गत पानी मिट्टी आदि के द्वारा शरीर, वस्त्र, भोजन, मकान आदि के मल को दूर करना बाह्य शुद्धि माना जाता है। सद्भावना, मैत्री, करुणा आदि से की जाने वाली शुद्धि आंतरिक शुद्धि मानी जाती है। केवल अपने भौतिक शरीर का ध्यान रखना पर्याप्त नहीं है। बल्कि अपने मन के विचारों को पहचान कर उन्हें दूर करने का प्रयास करना जरूरी है। शरीर और मन दोनों की शुद्धि। संतोष दूसरा नियम है। इसमें कत्तव्य का पालन करते हुए जो कुछ उपलब्ध हो, जो कुछ प्राप्त हो उसी में संतुष्ट रहना। किसी प्रकार की तृष्णा न करना। तीसरा नियम है तप, इस नियम में अपने वर्ण, आश्रम, परिस्थिति और योग्यता के अनुसार स्वधर्म का पालन करना। व्रत, उपवास आदि भी इसी में शामिल किया जाता है। यानी कि स्वयं से अनुशासित दिनचर्या में रहना है। स्वाध्याय चौथा नियम है। जिससे कत्तव्य का बोध हो सके, मतलब शास्त्र का अध्ययन करना। महापुरुषों के वचनों का अनुपालन भी स्वाध्याय के अंतर्गत आता है। ईश्वर प्राणिधान पांचवां नियम है। ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण व संपूर्ण श्रद्धा रखना। फल की इच्छा का परित्याग पूर्वक समस्त कर्मों का ईश्वर को समर्पण करना ईश्वर प्राणिधान कहलाता है। हजारों साल पहले भारतीय शोधकर्ताओं ने योग की क्रियाओं से होने वाले लाभों को समझ लिया था जो आज की चिकित्सा व खेल विज्ञान में योग का प्रयोग खूब हो रहा है। योग के नियमों का पालन करने के बाद अगर यौगिक क्रियाओं को किया जाता है तो मानव में शारीरिक व मानसिक स्तर पर आश्चर्यजनक रूप से अलौकिकता का सुधार होता है। आज आधुनिकता की इस अंधी दौड़ में इनसान को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है। आज जब मनुष्य के पास हर सुख सुविधा आसानी से उपलब्ध है।

आप का नज़रिया

अस्तित्व के लिए पलायन

हिमाचल कहां-कहां बस रहा है और बसने की तलाश में कहां निकल रहा है, कुछ इसी तरह के सर्वेक्षण की मिट्टी मंडी में तैयार हो रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी में हिमाचली आंकड़ों में छुपा दर्द, मजबूरियां, प्रगतिशीलता और प्रतिस्पर्धा का हिसाब होगा। गांव से शहर, शहर से दूसरे शहर और हिमाचल से बाहर जाने वाले लोगों की दास्तान और कहानियां समझी जाएंगी, तो इसका सामाजिक ब्यान और आर्थिक समाधान भी सामने आएगा। पलायन की वजह का स्वरूप बदला है। पहले पलायन का अर्थ केवल जिंदगी की तलाश थी, अब बेहतर भविष्य की रफ्तार है। हिमाचल के भीतर शहरीकरण ने भौतिक उपलब्धियां बदली हैं, तो बदलते व्यापार ने नित नए अवसर प्रदान किए। पर्यटन की संभावनाओं ने पलायन को एक अवसर दिया, तो यह जमीन की खरीद-फरोख्त में जुट गया। हिमाचल की तरक्की के आयाम जमीनों की रजिस्ट्री में पढ़े जाएं, तो हर शहर में कई शहर बस रहे हैं। हिमाचल में हुआ विस्थापन, पलायन की अनिवार्यता में नए दरवाजे खड़े करता गया। विडंबना यह रही कि प्रदेश में पलायन के मनोविज्ञान में नई संभावनाएं ढूंढी गईं। उत्तराखंड में टिहरी बांध बना, तो वहां पलायन को पुनर्वास की इकाई बना कर न्यू टिहरी बसा दिया गया। इसी तरह बिलासपुर में हम मान सकते हैं कि कुछ सेक्टर बस गए, लेकिन ऐसे शहर पौंग, कोल व चमेरा के करीब भी बसाए होते तो, पलायन की नौबत नहीं आती। पलायन अगर कहानियों में बसता है, तो पौंग बांध के उजड़े लोग कई उपन्यास अधूरे छोड़ चुके हैं। आज भी रेगिस्तान में अपने अस्तित्व के चिन्ह खोज रहे हजारों विस्थापित, आंसुओं की गवाही में तसदीक होते हैं, तो पलायन के ये मजमून हमारी नीतियों के अंगारे हैं। अभी हाल के वर्षों में पलायन को पलायन कहने और मानने में बड़ा अंतर आया है। एक दृष्टि से हिमाचल की समृद्धि, तरक्की और प्रति व्यक्ति आय के बढ़ते आंकड़ों ने प्रदेश के दायरे बढ़ाते हुए जो संभावनाएं तराशी हैं, उनसे पलायन की नई भूमिका इंगित हुई है। दूसरा घर यूं तो पलायन का सबब नहीं, लेकिन प्रदेश के बाहर अगर यह तीव्र गति से विकसित हुआ अरमान है, तो इसमें छिपी आशाएं भी पढ़ लेनी चाहिएं। आज अगर चंडीगढ़ और इसके आसपास पंजाब व हरियाणा में विकसित हो रही रीयल एस्टेट की साठ फीसदी प्रॉपटी पर हिमाचली अपना जौहर दिखा रहे हैं, तो यह दूसरे घर की खूबसूरत निशानी है। इस पलायन का आशावादी रुख यह है कि हिमाचल की आमदनी अब चंडीगढ़ में दिखने लगी है। हिमाचली लोगों के लिए शॉपिंग का तजुर्बा अगर चंडीगढ़ के माल हैं या चिकित्सा का विमर्श प्रदेश के बाहर है, तो इसे पलायन कहें या हिमाचल की क्षमता का निखार मानें। क्यों हिमाचली बच्चे प्रदेश के स्कूलों से पलायन करके पड़ोसी राज्यों में निकल गए। क्यों इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की पढ़ाई करके प्रदेश के युवाओं का ब्रेन ड्रेन हो रहा है या इस पलायन की बस्तियों में नोएडा, दिल्ली, गुडगांव, हैदराबाद, मुंबई या चेन्नई तक काफिले पहुंच रहे हैं। आज का पलायन महज बस्तियों का नहीं, बल्कि क्षमता, संभावना और आर्थिकी का है। अगर प्रदेश में पांच-छह आई टी पार्क खोल दिए होते, तो स्थिति हिमाचली योगदान में सौ फीसदी अव्वल भी तो हो सकती थी। बहरहाल वर्तमान सरकार गगल एयरपोर्ट के साथ एयरो सिटी तथा चंडीगढ़ के पास हिम चंडीगढ़ जैसे शहर बसाने का मंतव्य रखती है। चंडीगढ़ की समीपता में हिम चंडीगढ़ जैसा शहर अगर प्रदेश के युवाओं व प्रोफेशनल की पहचान बन जाए, तो सारे तमगे, संभावना और क्षमता प्रदेश के हित में सफलता के कई आयाम लिख पाएंगे।

गांव से शहर, शहर से दूसरे शहर और हिमाचल से बाहर जाने वाले लोगों की दास्तान और कहानियां समझी जाएंगी, तो इसका सामाजिक ब्यान और आर्थिक समाधान भी सामने आएगा। पलायन की वजह का स्वरूप बदला है। पहले पलायन का अर्थ केवल जिंदगी की तलाश थी, अब बेहतर भविष्य की रफ्तार है। हिमाचल के भीतर शहरीकरण ने भौतिक उपलब्धियां बदली हैं, तो बदलते व्यापार ने नित नए अवसर प्रदान किए। पर्यटन की संभावनाओं ने पलायन को एक अवसर दिया, तो यह जमीन की खरीद–फरोख्त में जुट गया। हिमाचल की तरक्की के आयाम जमीनों की रजिस्ट्री में पढ़े जाएं, तो हर शहर में कई शहर बस रहे हैं। हिमाचल में हुआ विस्थापन, पलायन की अनिवार्यता में नए दरवाजे खड़े करता गया। विडंबना यह रही कि प्रदेश में पलायन के मनोविज्ञान में नई संभावनाएं ढूंढी गईं। उत्तराखंड में टिहरी बांध बना, तो वहां पलायन को पुनर्वास की इकाई बना कर न्यू टिहरी बसा दिया गया। इसी तरह बिलासपुर में हम मान सकते हैं कि कुछ सेक्टर बस गए, लेकिन ऐसे शहर पौंग, कोल व चमेरा के करीब भी बसाए होते तो, पलायन की नौबत नहीं आती। पलायन अगर कहानियों में बसता है, तो पौंग बांध के उजड़े लोग कई उपन्यास अधूरे छोड़ चुके हैं। आज भी रेगिस्तान में अपने अस्तित्व के चिन्ह खोज रहे हजारों विस्थापित, आंसुओं की गवाही में तसदीक होते हैं, तो पलायन के ये मजमून हमारी नीतियों के अंगारे हैं। अभी हाल के वर्षों में पलायन को पलायन कहने और मानने में बड़ा अंतर आया है।

दृष्टि कोण

ईरान और अमरीका का सहमति पत्र

यूएसए और ईरान में प्रमुख मुद्दों को लेकर आपसी सहमति बन गई है। सहमति शुरू ही यहां से होती है कि इन मुद्दों पर केवल यूएसए और ईरान ही नहीं बल्कि दोनों के पक्ष के अन्य देश भी इस सहमति पत्र से सहमत हैं। लेकिन सहमति पत्र में कहीं भी सहयोगी देशों के नामों का उल्लेख नहीं है। अलबत्ता दोनों देश एक दूसरे के खिलाफ सैनिक कार्रवाई बंद कर देंगे, इसका स्पष्ट उल्लेख किया गया गया है। पर इसके साथ एक दूसरा उल्लेख है कि लेबनान के खिलाफ भी सैनिक कार्रवाई खत्म की जाएगी। लेकिन लेबनान के खिलाफ सैनिक कार्रवाई तो यूएसए कर ही नहीं रहा था। लेबनान पर कार्रवाई इजरायल कर रहा है जिसका कारण वहां हिजबुल्लाह की आतंकी गतिविधियां हैं। यूएसए ने माना है कि वह ईरान को तीन सौ बिलियन डालर देगा ताकि वहां निर्माण कार्य फिर से शुरू हो सके। ईरान की मुख्य मांग यह भी थी कि अमरीका युद्ध में हुए नुकसान का हर्जाना दे। यूएसए ने यह भी मान लिया है कि वह ईरान पर लगाए गए तमाम प्रतिबंधों को समाप्त करेगा और ईरान अपना तेल अपने हिसाब से बेच सकता है। दरअसल यूएसए का राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से कह रहा था कि ईरान की सरकार बदली जाएगी। इस सहमति पत्र में यूएसए ने माना है कि वह ईरान के आंतरिक मामलों में दखलअंदाजी नहीं करेगा। मुख्य मसला होर्मुज का बन गया था। ईरान ने वहां से समुद्री जहाजों की आवाजाही ही बंद नहीं की थी, बल्कि उन पर शुल्क लगाना शुरू कर दिया था। इसके उत्तर में यूएसए ने ईरान के समुद्री मार्गों की ही घेराबंदी कर ली थी। इस सहमति पत्र में यूएसए ने अपनी घेराबंदी समाप्त करने की बात मान ली है। ईरान भी इस बात पर सहमत हो गया है कि वह ओमान के साथ बैठ कर होर्मुज का मसला सुलझाएगा। यूएसए अपने टैरिफ भी खत्म करेगा। मुख्य मसला ईरान द्वारा परमाणु बम बनाने को लेकर था। यूएसए ने ईरान पर जो सैनिक कार्रवाई शुरू की थी, उसका कारण भी यही बताया गया था। सहमति पत्र में इस मामले को लेकर ईरान ने इस बात पर सहमति

जताई है कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ईरान इस बात पर सहमत हो गया है कि उसके पास संवर्धित यूरेनियम का जो भंडार है, उसका समाधान अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा संगठन की निगरानी में निकालेगा। दोनों देश परमाणु ऊर्जा से जुड़े मुद्दों की संवेदनशीलता पर भी सहमत हो गए हैं। परमाणु ऊर्जा से संबंधित मसलों पर जो सहमति अब दिखाई जा रही है, ईरान युद्ध से पूर्व भी इन पर लगभग सहमत ही था। इसमें कोई नई बात दिखाई नहीं दे रही। केवल भाषा और वाक्य ही नए हैं। तब प्रश्न उठेगा ही कि यूएसए को इस सारे अभियान से क्या हासिल हुआ? ईरान की सरकार को वह बदल नहीं सका। ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई को उसने अवश्य मारने में सफलता हासिल की लेकिन उसके उत्तर में ईरान ने भी ट्रंप पर ईनाम की घोषणा कर दी है। इस सहमति पत्र में वह वापस नहीं ली गई है। जहां तक परमाणु हथियारों का सवाल है, ईरान ने उनसे जुड़े जिन मुद्दों पर सहमति जताई है, उन पर वह युद्ध से पहले भी सहमत ही था। अलबत्ता इस सैन्य कार्रवाई से होर्मुज का नया मसला खड़ा हो गया है। ईरान पर अनेक प्रतिबंध लगाने के बावजूद अंत में अमरीका को पीछे हटना पड़ा। युद्ध का हर्जाना बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। यूएसए तीन सौ बिलियन डालर देने पर सहमत हो गया है। यह ठीक है कि सहमति पत्र में इसे निर्माण कार्यों के लिए दी जाने वाली राशि कहा गया है। लेकिन सब जानते और मानते हैं कि यह यूएसए द्वारा दिया जा रहा हर्जाना ही है। लड़ाई के लिए जो देश जिम्मेदार ठहराया जाता है, वह हर्जाना देता है, यह पुरानी परंपरा है।

एशियाई खेल टीम से बाहर होने पर मनिका बत्रा ने उठाए सवाल, चयन प्रक्रिया पर मांगी पारदर्शिता

नई दिल्ली

भारतीय टेबल टेनिस की स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा ने 2026 एशियाई खेलों की भारतीय टीम से बाहर किए जाने पर चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) से मामले की जांच कर चयन प्रक्रिया को पारदर्शी, जवाबदेह और निष्पक्ष बनाए जाने का आग्रह किया है।

भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा घोषित टीम में पुरुष वर्ग की अगुवाई जी. साथीयन और महिला वर्ग की अगुवाई श्रीजा अकुला करेंगी। महिला टीम में श्रीजा अकुला, यशस्विनी घोरपड़े, दीया चितले, सुतीर्था मुखर्जी और सिंड्रेला दास को शामिल किया गया है। मनिका बत्रा को रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में रखा गया है।

सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में मनिका ने कहा कि टीम में शामिल नहीं किया जाना उनके लिए निराशाजनक है, लेकिन इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि चयन मानदंडों को किस प्रकार लागू किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें अब तक यह नहीं बताया गया है कि चयन से बाहर रखने का विशिष्ट कारण क्या था।

मनिका ने कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध जानकारी के अनुसार चयन प्रक्रिया में विश्व रैंकिंग, राष्ट्रीय रैंकिंग और चयन समिति के विवेकाधिकार को आधार माना जाता है। यदि ऐसा है तो खिलाड़ियों को यह स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि इन सभी कारकों को किस प्रकार और कितने महत्व के साथ लागू किया गया। 31 वर्षीय मनिका ने यह भी उल्लेख किया कि उनकी वर्तमान विश्व रैंकिंग 51 है और वह शीर्ष-50 के बेहद करीब हैं। उनका कहना है कि रैंकिंग में मामूली उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और केवल इसी आधार पर उन्हें बाहर रखना समझना कठिन है। मनिका ने अपने अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि इस सत्र में उन्होंने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और चीन सहित कई मजबूत एशियाई खिलाड़ियों के खिलाफ महत्वपूर्ण जीत दर्ज की हैं। उनके अनुसार, उनका वर्तमान प्रदर्शन उच्च अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना हुआ है।

उन्होंने यह भी कहा कि घरेलू प्रतियोगिताओं में भागीदारी को चयन का आधार बनाया गया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार प्रतियोगिताएं खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए हर घरेलू टूर्नामेंट में भाग लेना हमेशा संभव नहीं होता।

मनिका ने चयन प्रक्रिया में विवेकाधिकार के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि चयन में किसी स्तर पर विशेष अधिकार का उपयोग किया जाता है, तो उसका तरीका स्पष्ट, समान और दस्तावेजी होना चाहिए। उन्होंने महासंघ से अपने चयन न होने के कारणों, लागू मानदंडों और निर्णय प्रक्रिया का विस्तृत विवरण मांगा है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय टीम को बड़ा झटका, श्रेयंका पाटिल टखने की चोट के कारण महिला टी20 विश्व कप से बाहर

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के बीच बड़ा झटका लगा है। टीम की आफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल दाएं टखने में चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह युवा लेग स्पिनर प्रेमा रावत को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। श्रेयंका को बुधवार को हेडिंग्ले में नीदरलैंड्स के खिलाफ भारत के दूसरे ग्रुप चरण मुकाबले के दौरान चोट लगी। पावरप्ले के अंतिम ओवर में गेंद रोकने के प्रयास में उनका टखना मुड़ गया, जिसके बाद उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया। टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने शुक्रवार को श्रेयंका के स्थान पर 24 वर्षीय प्रेमा रावत को भारतीय टीम में शामिल करने की मंजूरी दे दी है। प्रेमा रावत अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं कर सकी हैं, लेकिन घरेलू और महिला प्रीमियर लीग में उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने पिछले दो सत्रों में रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए छह महिला प्रीमियर लीग मैच खेले हैं और तीन विकेट लिए हैं। घरेलू क्रिकेट में भी प्रेमा ने उत्तराखंड को वरिष्ठ महिला चैम्पियनशिप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्हें एक स्वाभाविक आलराउंड खिलाड़ी माना जाता है, जो गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में भी योगदान दे सकती हैं। हालांकि, श्रेयंका का बाहर होना भारत के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। उनकी तेज क्षेत्ररक्षण क्षमता के अलावा वह विशेष रूप से बाएं हाथ के बल्लेबाजों और अंतिम ओवरों में भारत की आक्रामक गेंदबाजी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा थीं। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 की तकनीकी समिति में आईसीसी और मेजबान प्रतिनिधियों की मंजूरी के बाद ही यह बदलाव आधिकारिक रूप से लागू किया गया।

शुरुआती दिनों में तेज गेंदबाजी करते थे कुंबले, मजबूरन अपनानी पड़ी थी लेग स्पिन

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले ने कहा है कि वह अपने करियर के शुरुआती दिनों में तेज गेंदबाजी करते थे पर जब उनके गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठे तो मजबूरन उन्हें लेग स्पिन अपनानी पड़ी थी।

कुंबले का कहना है कि स्कूल और क्लब क्रिकेट खेलते समय वे तेज गेंदबाजी करते थे पर एक एक सीनियर खिलाड़ी ने उनके गेंदबाजी एक्शन पर सवाल उठा दिये थे जिसके बाद उन्हें स्पिन अपनानी पड़ी। कुंबले ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा, क्लब के एक सीनियर खिलाड़ी ने कोच से मुझे गेंदबाजी करने से रोकने के लिए कहा क्योंकि उन्हें लगा कि मैं अपनी कोहनी मोड़ रहा हूं। तब मुझे पता भी नहीं चला कि मैं कोहनी मोड़ रहा हूं। मैं वैसे ही गेंदाबाजी कर रहा था जैसा मुझे स्वाभाविक लगता था। उस समय मैं लगभग 13-14 साल का था। इस आरोप के कारण मुझे कर्नाटक अंडर-15 चयन ट्रायल से कुछ सप्ताह पहले ही कोई दूसरा रास्ता निकालना था। ऐसें में उन्होंने अपने भाई से सलाह ली जिन्होंने टीम में चुने जाने की संभावना बढ़ाने के लिए उन्हें लेग स्पिन अपनाने का सुझाव दिया। कुंबले ने कहा, फिर मुझे अंडर-15 चयन ट्रायल देने का अवसर मिला। इसमें दो माह का समय था।

फीफा वर्ल्ड कप में कनाडा की टीम ऐतिहासिक जीत के बाद कतर के खिलाड़ियों से भिड़ी

वैंकूवर। फीफा विश्वकप फुटबाल में कनाडा ने कतर के खिलाफ मुकाबले में 6-0 की बढ़ी जीत हासिल कर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है हालांकि इस जीत के बाद विवाद भी उठ गया। यहां के बीसी प्लेस स्टेडियम में खेले गए इस मैच में कनाडाई टीम ने आसानी से जीत हासिल कर ली। मैच समाप्त होने की घोषणा होते ही दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ के बीच झड़प भी हुई। इस विवाद की शुरुआत तब हुई जब कनाडा के मुख्य कोच जेसी मार्श मैच समाप्त होने के बाद कतर के मैनेजर जूलन लोपेटेगुई से हाथ मिलाने पहुंचे। हालांकि, इस दौरान दोनों के बीच बहस हो गई। इससे कतर के खिलाड़ी भड़क गये और कनाडा के कोच से उलझ गये। इस हल्की नोकझोंक के बाद दोनो टीमों के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के बीच विवाद भड़क गया जो धक्का-मुक्की तक पहुंच गया। ऐसे में सुरक्षाकर्मियों ने हस्तक्षेप कर स्थिति को संभालना पड़ा और दोनों टीमों को अलग करना पड़ा। माना जा रहा है कि इस झड़प का कारण कनाडा के मिडफील्डर इस्माइल कोन को लगी चोट है। कनाडाई खिलाड़ी मानते हैं कि कतर के खिलाड़ी असिम मदीबो की टक्कर से कनाडाई खिलाड़ी घायल हुआ। इसी कारण कनाडाई खिलाड़ी काफी गुस्से में थे। दूसरे हाफ की शुरुआत में असिम मदीबो ने इस्माइल कोन पर एक खतरनाक हमला बोला।

फीफा विश्व कप : नाकआउट चरण में पहुंचने वाला पहला देश बना मेक्सिको, दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 में मेजबान मेक्सिको ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुक्रवार को दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया और नाकआउट चरण में अपनी जगह पक्की कर ली। मुकाबले का एकमात्र और निर्णायक गोल लुइस रोमो ने दूसरे हाफ में किया।

यह गोल दक्षिण कोरिया के गोलकीपर किम स्युंग-ग्यु की बड़ी गलती के बाद आया। दूसरे हाफ के पांचवें मिनट में मेक्सिको ने बढ़त बनाई, जब एक क्रास को पकड़ने के प्रयास में किम अपने ही साथी खिलाड़ी से टकरा गए और गेंद उनके हाथ से छूट गई। मौके का फायदा उठाते हुए रोमो ने बिना किसी गलती के गेंद को खाली गोलपोस्ट में पहुंचा दिया। गोल खाने के बाद दक्षिण कोरिया ने वापसी की कोशिश की। हालांकि किम ने बाद में शानदार बचाव करते हुए राउल जिमेनेज को दूसरा गोल करने से रोक दिया। मुकाबले के अंतिम क्षणों में दक्षिण कोरिया को बराबरी का मौका मिला, लेकिन मेक्सिको के गोलकीपर राउल रांजेल ने यांग ह्युन-जुन के प्रयास को शानदार तरीके से रोककर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ मेक्सिको छह अंकों के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर रहा और अगले दौर में पहुंच गया। अब मेक्सिको अगले मुकाबले में बुधवार को एस्तादियो अज़्टेका में चेकिया का सामना करेगा। वहीं दक्षिण कोरिया, जिसके तीन अंक हैं, अपने अगले मुकाबले में मान्टेरी में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा।

फीफा विश्व कप 2026 के बाद जर्मनी टीम को अलविदा कहेंगे मैनुअल नेउर, विश्व कप को बताया अंतिम टूर्नामेंट

विंस्टन-सेलम। जर्मनी के अनुभवी गोलकीपर मैनुअल नेउर ने गुरुवार को घोषणा की है कि वह फीफा विश्व कप 2026 के बाद एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास ले लेंगे। 40 वर्षीय नेउर ने स्पष्ट किया कि यह उनके करियर का आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। साल 2014 में जर्मनी को विश्व कप जिताने वाले नेउर लगातार पांचवें विश्व कप में जर्मनी के मुख्य गोलकीपर के रूप में खेल रहे हैं। उन्होंने यूरो 2024 में जर्मनी की क्वार्टर फाइनल हार के बाद राष्ट्रीय टीम से संन्यास ले लिया था, लेकिन क्लब स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें विश्व कप के लिए फिर टीम में शामिल किया गया। नेउर ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा, मैंने 2024 में सही कारणों से अंतरराष्ट्रीय फुटबाल छोड़ा था। पिछले दो वर्षों तक लगातार राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना मेरे लिए शारीरिक रूप से कठिन होता। अब यह तय है कि यह मेरा आखिरी टूर्नामेंट है। मैं दो साल बाद होने वाली अगली यूरो चैम्पियनशिप में नहीं खेलूंगा। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में उन्होंने यह स्वीकार किया है कि जर्मनी के लिए ये उनके अंतिम मुकाबले होंगे, लेकिन फिलहाल उनका पूरा ध्यान विदाई पर नहीं बल्कि टीम के प्रदर्शन पर है। विश्व कप से पहले गोलकीपर ओलिवर बामन को जर्मनी की पहली पसंद माना जा रहा था, लेकिन नेउर की वापसी के बाद उन्हें शुरुआती स्थान मिला। उन्होंने दो साल बाद राष्ट्रीय टीम के लिए पहला मैच खेलते हुए कुराकाओ के खिलाफ 7-1 की बड़ी जीत में हिस्सा लिया। नेउर ने बताया कि उनकी और बामन की आपसी समझ बहुत अच्छी है और दोनों टीम के हित में साथ काम कर रहे हैं। जर्मनी अब अपने अगले ग्रुप मुकाबले में आइवरी कोस्ट से भिड़ेगा। इस मैच में जीत जर्मनी को नाकआउट चरण में पहुंचा सकती है। जर्मन टीम पिछले दो विश्व कप (2018 और 2022) में ग्रुप चरण से बाहर हो गई थी। नेउर ने कहा, हम पिछली असफलताओं के बारे में नहीं सोच रहे हैं। हमारा लक्ष्य अगला मैच जीतना और जल्दी नाकआउट में जगह बनाना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस उम्र में एक और विश्व कप खेलना उनके लिए किसी उपहार से कम नहीं है। साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि अगर उन्हें विश्व कप जीतने की संभावना नहीं दिखती, तो वह यहां मौजूद नहीं होते।

अफगानिस्तान के खिलाफ अंतिम वनडे के लिए भारतीय टीम में हर्षित राणा की वापसी

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार (19 जून) को पुष्टि की है कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा को अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे मुकाबले के लिए भारतीय टीम में शामिल कर लिया गया है। हर्षित राणा पिछले कुछ समय से बीसीसीआई सेंटर आफ एक्सीलेंस में चोट से उबरने की प्रक्रिया से गुजर रहे थे। अब उन्हें पूरी तरह फिट घोषित कर दिया गया है और वह चेन्नई में भारतीय टीम के साथ जुड़ चुके हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच 20 जून को चेन्नई में तीसरा और आखिरी वनडे खेला जाएगा। 24 वर्षीय हर्षित राणा इस साल टी-20 विश्वकप से पहले अभ्यास मैच के दौरान घुटने की चोट का शिकार हो गए थे, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। उनकी जगह टीम में मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया था। चोट के कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में भी हिस्सा नहीं ले सके और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मैदान पर नहीं उतर पाए। हालांकि लंबे पुनर्वास के बाद राणा को इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के साथ-साथ जापान में होने वाले एशियाई खेलों की संभावित योजनाओं में भी शामिल किया गया था। अब उनकी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी चेन्नई वनडे से ही हो सकती है, यदि उन्हें अंतिम एकादश में मौका मिलता है। हर्षित राणा ने भारत के लिए अपना आखिरी मुकाबला टी-20 विश्वकप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम वनडे में उन्होंने तीन विकेट लेने के साथ निचले क्रम में 43 गेंदों पर 52 रन भी बनाए थे। अब तक खेले 14 वनडे मुकाबलों में वह 26 विकेट अपने नाम कर चुके हैं। भारत फिलहाल तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बनाए हुए है। टीम ने धर्मशाला और लखनऊ में खेले गए पहले दो मुकाबले जीत लिए थे। श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मुकाबला शनिवार (20 जून) को चेन्नई में खेला जाएगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा।

फीफा विश्व कप 2026: स्विट्ज़रलैंड ने बोस्निया को 4-1 से हराया

इंगलवुड। फीफा विश्व कप 2026 में स्विट्ज़रलैंड ने शानदार वापसी करते हुए शुक्रवार तड़के बोस्निया-हर्ज़ेगोविना को 4-1 से हराकर ग्रुप बी में मजबूत स्थिति बना ली। मुकाबले का निर्णायक मोड़ दूसरे हाफ में आया, जब विकल्प खिलाड़ी योहान मंजांबी ने विश्व कप का अपना पहला गोल दागा और इसके बाद स्विट्ज़रलैंड ने लगातार आक्रामक खेल दिखाते हुए बड़ी जीत दर्ज की। पहले हाफ में स्विट्ज़रलैंड ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन बोस्निया की सधी हुई रक्षापंक्ति के सामने उसे सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में स्विट्ज़रलैंड ने दबाव बढ़ाया और 74वें मिनट में मंजांबी ने शानदार वाली के जरिए टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद बोस्निया की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब तारिक मुहरेमोविच को खतरनाक टैकल के कारण लाल कार्ड दिखाया गया और टीम 10 खिलाड़ियों तक सीमित हो गई। संख्यात्मक बढ़त का फायदा उठाते हुए स्विट्ज़रलैंड ने 84वें मिनट में रूबेन वर्गास के गोल से स्कोर 2-0 कर दिया। इसके बाद 90वें मिनट में वर्गास के पास पर मंजांबी ने अपना दूसरा गोल दागा। मैच के इंजरी टाइम में कप्तान ग्रेनिट झाका ने पेनाल्टी को गोल में बदलते हुए स्कोर 4-1 कर दिया। बोस्निया की ओर से एकमात्र गोल एर्मिन माहमिक ने इंजरी टाइम में किया।

अंतिम मिनटों में टूटा भारत का सपना, जर्मनी ने एफआईएच हाकी प्रो लीग में 2-1 से हराया

राटरडैम

भारतीय पुरुष हाकी टीम ने एफआईएच हाकी प्रो लीग 2025-26 के राटरडैम चरण में शुक्रवार को मौजूदा विश्व चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ शानदार संघर्ष किया, लेकिन अंतिम क्षणों में मैच हाथ से निकल गया और भारत को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत के लिए जुगराज सिंह ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को यादगार बनाते हुए गोल दागा, लेकिन जर्मनी ने अंतिम चार मिनट में दो गोल कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मुकाबले की शुरुआत में भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया और गेंद पर नियंत्रण बनाए रखते हुए जर्मनी को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। मजबूत रक्षापंक्ति के कारण विश्व चैम्पियन टीम पहले हाफ में स्पष्ट अवसर नहीं बना सकी। दूसरे क्वार्टर में भारत ने तेज दबाव बनाते हुए जर्मनी को लगातार गलती करने पर मजबूर किया। अभिषेक ने भारत के लिए एक अच्छा मौका बनाया, लेकिन टीम बढ़त हासिल नहीं कर सकी। तीसरे क्वार्टर में भारत को पहला पेनाल्टी कार्नर मिला और जुगराज सिंह ने 38वें मिनट में जोरदार ड्रैग फ्लिक लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह उनके करियर के 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच का खास पल बन गया। जर्मनी ने तीसरे क्वार्टर के अंत में लगातार हमले किए, लेकिन भारतीय गोलकीपर मोहित एचएस ने शानदार बचाव करते हुए बढ़त कायम रखी। अंतिम क्वार्टर में भारत के पास अंतर बढ़ाने के अवसर आए, लेकिन टीम उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। इसका फायदा उठाते हुए जर्मनी ने 56वें मिनट में जस्टस वाइगांड के पेनाल्टी कार्नर गोल से बराबरी कर ली। इसके बाद मुकाबले के अंतिम सेकंडों में जर्मनी को एक और पेनाल्टी कार्नर मिला, जिसे याकाब ब्रिला ने गोल में बदलते हुए अपनी टीम को 2-1 से जीत दिला दी। हार के बावजूद भारतीय टीम ने पूरे मुकाबले में विश्व चैम्पियन जर्मनी को कड़ी चुनौती दी और अपने खेल से प्रभावित किया। भारत अब 21 जून को भारतीय समयानुसार शाम 5:30 बजे अपने अगले मुकाबले में नीदरलैंड्स का सामना करेगा।

देवेंद्र की घातक गेंदबाजी और कनिष्क की आतिशी पारी से निमाड़ ईगल्स ने जबलपुर को 7 विकेट से हराया

अभिषेक भंडारी की 80 रन की शानदार पारी गई बेकार, 18.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर निमाड़ ईगल्स ने मारी बाजी

इंदौर

होलकर स्टेडियम की दूधिया रोशनी में खेले गए मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग के एक रोमांचक मुकाबले में रायल निमाड़ ईगल्स ने जबलपुर रायल लायंस को 7 विकेट से शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए जबलपुर ने 176 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था, जिसे ईगल्स ने हिमांशु मंत्री (45), कनिष्क दुबे (नाबाद 70) और कप्तान सारांश जैन (नाबाद 32) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत 18.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। देवेंद्र सिंह कथैत (3 विकेट) को उनके घातक गेंदबाजी प्रदर्शन के लिए प्लेयर आफ द मैच चुना गया।

इस जीत के साथ रायल निमाड़ ईगल्स 6 मुकाबलों में 5 जीत और 10 अंकों के साथ तालिका में तीसरे स्थान पर है। वहीं, जबलपुर रायल लायंस 6 मैचों में 4 जीत और 8 अंकों के साथ चौथे पायदान पर है, जिससे उनकी प्लेआफ की उम्मीदें अब भी कायम हैं।

ईगल्स की आक्रामक शुरुआत - 177 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रायल निमाड़ ईगल्स को शुरुआत से ही आक्रामक अंदाज मिला। पावरप्ले के दौरान टीम ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 68 रन जोड़कर जीत की मजबूत नींव रख दी। हिमांशु संदीप मंत्री (45) और धर्मेश पटेल (23) ने बेहतरीन शुरुआत दी। मैच का रुख तब बदला जब दूसरे विकेट के लिए हिमांशु मंत्री और कनिष्क दुबे के बीच 80 रनों की आक्रामक साझेदारी हुई। इसके बाद, कनिष्क दुबे ने मैदान के चारों ओर शाट्स लगाते हुए 44 गेंदों में नाबाद 70 रन (6 चौके व 3 छक्के) ठोक दिए। अंत में कप्तान सारांश सुबोध जैन ने 20 गेंदों पर नाबाद 32 रन बनाकर चौथे विकेट के लिए नाबाद 56 रनों की साझेदारी निभाई और जीत की औपचारिकता पूरी कर दी।

भंडारी की मेहनत पर फिरा पानी - इससे पहले टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरी जबलपुर रायल लायंस के लिए अभिषेक भंडारी ने एक छोर मजबूती से थामे रखा। भंडारी ने 51 गेंदों में 7 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 80 रन की बेहतरीन पारी खेली। अजय रोहेरा (40) के साथ उनकी साझेदारी की मदद से जबलपुर ने 20 ओवर में 176 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। निमाड़ ईगल्स के लिए देवेंद्र सिंह कथैत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 26 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए, जिसने जबलपुर की पारी को सीमित रखने में अहम भूमिका निभाई।

संक्षिप्त स्कोर

जबलपुर रायल लायंस : 176/6 (20 ओवर) - अभिषेक भंडारी 80*, अजय रोहेरा 40; देवेंद्र सिंह कथैत 3/26, कुमार कार्तिकेय 2/34।

रायल निमाड़ ईगल्स : 177/3 (18.3 ओवर) - कनिष्क दुबे 70*, हिमांशु मंत्री 45, सारांश जैन 32*; नयनराज मेवाड़ा 2/33।

राधे-राधे ग्रुप की निस्वार्थ सेवा से समाज को मिल रही नई प्रेरणा : महेश गुप्ता

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में गुरुवार को सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद से जुड़कर सेवा का जो भाव और संतोष प्राप्त होता है, वह अन्यत्र दुर्लभ है।उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति निस्वार्थ सेवा का वास्तविक स्वरूप देखना चाहता है तो उसे राधे-राधे ग्रुप के सेवा कार्यों को निकट से देखना चाहिए। नामपल्ली, बेगम बाजार

और केबीआर पार्क सहित विभिन्न स्थानों पर ग्रुप के सदस्य बिना किसी भेदभाव और स्वार्थ के निरंतर जरूरतमंदों की सेवा में जुटे हुए हैं। यही समर्पण इस संगठन को विशेष बनाता है।

महेश गुप्ता ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन वितरण नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का श्रेष्ठ माध्यम है। राधे-राधे ग्रुप के सभी सदस्य पूरी निष्ठा, प्रेम और समर्पण के साथ इस पुनीत कार्य को आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना मजबूत हो रही है। कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष चिंडालिया, प्रीतिका अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत एवं गजराज श्रीश्रीमाल सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाई। सभी ने जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर सेवा कार्य में अपना योगदान दिया।

डॉ. जीएन राव को मिला संतोकबा ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एल वी प्रसाद आई इंस्टीट्यूट (एलवीपीईआई) के संस्थापक डॉ. गुल्लापल्ली एन. राव को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'संतोकबा ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड 2026' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उनके द्वारा स्थापित संस्थान के माध्यम से करुणा, सेवा और नेतृत्व की बदौलत हजारों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव को एक बड़ी सराहना देता है।इस पुरस्कार की स्थापना वर्ष 2006 में 'श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स' की परोपकारी संस्था 'श्री रामकृष्ण नॉलेज फाउंडेशन' के संस्थापक अध्यक्ष एमेरिटस श्री गोविंद ढोलकिया द्वारा अपनी माता 'संतोकबा' की स्मृति में की गई थी। पिछले 20 वर्षों से यह पुरस्कार निस्वार्थ सेवा और परिवर्तनकारी नेतृत्व को सम्मानित करता आ रहा है। इस वर्ष डॉ. राव के साथ-साथ 'सेवा' की निदेशक व संस्थापक श्रीमती रीमा नानावती और बोलैंट इंडस्ट्रीज के

संस्थापक श्रीकांत बोल्ला को भी इस सम्मान से नवाजा गया है।इस भव्य पुरस्कार समारोह में राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह, गुजरात के उपमुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। पुरस्कार विजेताओं का चयन एक स्वतंत्र जूरी द्वारा किया गया, जिसमें आईआईएससी के निदेशक श्री गोविंद रंगराजन, इसरो के पूर्व अध्यक्ष श्री ए.एस. किरण कुमार और पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार (सेवानिवृत्त) जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्व शामिल थे।

पुरस्कार प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डॉ. गुल्लापल्ली एन. राव ने कहा कि वे इस सम्मान को उन मूल्यों (सहानुभूति, सेवा और प्रतिबद्धता) के प्रतीक के रूप में देखते हैं, जिन्हें उन्होंने अपने जीवन में जिया है। उन्होंने इसे अपनी पूरी टीम को समर्पित किया। वहीं, श्री गोविंद ढोलकिया ने पुरस्कार विजेताओं की सराहना करते हुए कहा कि सच्ची सफलता व्यक्तिगत उपलब्धियों में नहीं, बल्कि अपने आसपास के लोगों के जीवन को ऊपर उठाने में है।

श्री वासुपूज्य तारक धाम की प्रतिष्ठा एवं ध्वजारोहण महोत्सव संपन्न

ऐतिहासिक जीवदया एवं धार्मिक अनुष्ठानों से गुंजायमान रहा वसु गौधाम परिसर

दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं की उपस्थिति में भव्य आयोजन

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मनोहराबाद स्थित श्री वासुपूज्य तारक धाम में 18 जून 2026 को प्रतिष्ठा एवं ध्वजारोहण महोत्सव धूमधाम, श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री वसु गौधाम, मनोहराबाद में ऐतिहासिक जीवदया का आयोजन भी किया गया, जिसने कार्यक्रम को विशेष धार्मिक महत्व प्रदान किया।

सिकंदराबाद निवासी रमेश पी. तातेड़ (सिरोही) के अनुसार, दूर-दूर से पधारे असंख्य श्रद्धालुओं की उपस्थिति, परिव-ारजनों की श्रद्धा एवं समर्पण भावना तथा

अरिहंत दादा एवं श्री आचार्य भगवंतों आदि ठाणा की असीम कृपा से समस्त कार्यक्रम अत्यंत सुव्यवस्थित, गरिमामय और निर्विघ्न वातावरण में संपन्न हुआ।

उन्होंने बताया कि आयोजन की भव्यता और धार्मिक वातावरण की चर्चा आज विभिन्न स्थानों पर हो रही है। कार्यक्रम में परिवार के प्रेम, आत्मीयता और सेवा भाव से प्रभावित होकर विभिन्न समाजों एवं 36 कॉम के गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता निभाई तथा परिवार को अपनी शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किए।

इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं एवं अतिथियों ने श्री निर्मल कुमार, अशोक कुमार, चन्द्राबाई एवं मंगलचंदजी कटारिया परिवार (मरुधर में राणावास) द्वारा किए गए अथक परिश्रम, समर्पण, सेवा भावना एवं कुशल आयोजन की मुक्तकंठ से प्रशंसा की। परिवार ने आयोजन में पधारे सभी श्रद्धालुओं, रिश्तेदारों, मित्रों एवं विभिन्न समाजों के गणमान्य व्यक्तियों का हर्षोल्लास एवं आत्मीयता के साथ स्वागत-सत्कार किया।

धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और सेवा भावना से ओत-प्रोत इस गौरवशाली एवं अविस्मरणीय आयोजन की सफलता पर उपस्थित सभी लोगों ने कटारिया परिवार को हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं प्रेषित कीं।

सीसीएमबी में एनआईआईएमएच द्वारा योग जागरूकता व्याख्यान एवं प्रदर्शन आयोजित

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो): अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आज सीसीएमबी, हैदराबाद में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच) द्वारा योग जागरूकता व्याख्यान और सामान्य योग प्रोटोकॉल प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन सीसीआरएएस के अधीन एनआईआईएमएच द्वारा प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में किया गया। टीम में डॉ. साकेत राम, डॉ. अक्षय तंडले व श्री श्रीनिवास राव शामिल थे। डॉ. साकेत राम ने एनआईआईएमएच का परिचय व योग दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

सीसीएमबी के निदेशक डॉ. विनय के. नंदीकूरी ने आयुष मंत्रालय व एनआईआईएमएच की योग पहलों की सराहना की। डॉ. अक्षय तंडले ने व्याख्यान दिया और योगाचार्य ने अधिकारियों-कर्मचारियों को योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया। इस दौरान योग सामग्री व औषधीय पौधे वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन श्री श्रीनिवास राव के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

डाका डाला...

निष्ठा और निगरानी एक सिक्के के दो पहलू हैं। चंपत राय की निष्ठा में कमी नहीं है। उनसे निगरानी में कमी हुई है। मुझे मंदिर के चढ़ावे और दान से जुड़ी कथित गड़बड़ियों पर दुःख है।

चढ़ावे में चोरी कब से हो रही इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। सीट जांच कर रही है, मैं अनुमान नहीं लगाऊंगा। मेरी कोशिश रहती है कि ट्रस्ट के काम में दखल न दूं। चढ़ावे में चोरी की ख़बरों के बाद अलग से जानकारी जुटाई।

पिछले 3 साल में हर महीने कितना पैसा आया इसकी जानकारी जुटाई। कभी 4 करोड़ तो कभी 10 करोड़ रुपए से ज्यादा पैसा आया।

सीट ने अनिल मिश्रा और एसबीआई के ब्रांच मैनेजर से पूछताछ की

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में स्पेशल इन्-वेस्टिगेशन टीम (सीट) लगातार 5वें दिन अयोध्या पहुंची। टीम ने राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्रा और निर्माण प्रभारी गोपाल राव से अलग-अलग बातचीत की है। जबकि स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के ब्रांच मैनेजर और पहले के ब्रांच मैनेजर को बुलाकर उनसे भी पूछताछ की है। ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र से करीब 4 घंटे तक पूछताछ की। टीम ने अनिल मिश्र से राम मंदिर दान की रकम की गिनती और रख-रखाव समेत इसे बैंक में जमा करने की प्रकिया जानी। इसमें उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से समझा।

योगी बोले- सीट दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेगी

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ आज (शुक्रवार) को अयोध्या पहुंचे। हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद राम मंदिर पहुंचकर रामलला के दर्शन किए।

योगी ने जनसभा में कहा- सपा के दोहरे चरित्र को देखो, कहती है कि राम भक्तों का अपमान हुआ है। कार-सेवकों और रामभक्तों पर गोली चलवाने वाले लोग उपदेश देने चले हैं। हमने ट्रस्ट के अनुरोध पर एसआईटी जांच बैठाई। एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेगी।

सपा प्रमुख और पूर्व मंत्री ने चोरी का मुद्दा उठाया था

सपा सरकार में मंत्री रह चुके पवन पांडेय ने रविवार 7 जून को दावा किया था कि राम मंदिर से 5 से साढ़े 7 करोड़ रुपए तक की चोरी की गई। अखिलेश ने भी कहा था कि मामले पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। कोर्ट को मामला देखना चाहिए। चंपत राय ने सफाई दी थी कि अभी तक ऐसी कोई भी बात सामने नहीं आई है।

13 जून, 2026 को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर योगी सरकार ने 3 सदस्यीय स्पेशल इन्-वेस्टिगेशन टीम (सीट) बनाई थी। 15 जून को लखनऊ के कमिश्नर विजय विश्वास पंत की अगुआई में सीट की टीम अयोध्या पहुंची।

सीट ने 5 दिन में किससे पूछताछ की, जानिए-

पहला दिन- डखढ ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और आमंत्रित सदस्य गोपाल राव से जानकारी ली। चोरी के मामले में जिन कर्मचारियों पर शक है, उन्हें ट्रस्ट के एक कमरे में बैठाया गया था। ऐसे करीब 8 से 10 कर्मचारी थे। इन लोगों से करीब 6 घंटे पूछताछ की गई।

2026 अंत...

सोना इम्पोर्ट हुआ, जबकि जनवरी 2026 तक बढ़कर 12.07 अरब डॉलर हो गया था।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी के मुताबिक, सोने की घरेलू मांग कम है। जबकि ज्वेलर्स के पास छूट पर सोना मिलने के चलते पहले से सोने का पर्याप्त स्टॉक है। इसलिए अब वे और ज्यादा स्टॉक नहीं लेना चाहते।

19 जून को अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने के दाम 4,170 डॉलर प्रति औंस हैं। वित्तीय संस्थानों और बैंकों के मुताबिक, अगले 6 महीने में इसकी कीमतें 20% से 40% तक बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है

जेपी मॉर्गन ग्लोबल रिसर्च: 6,000 डॉलर प्रति औंस। यानी 40% से ज्यादा महंगा होने का अनुमान।

जर्मनी का डॉयचे बैंक: 6,000 डॉलर प्रति औंस।

अमेरिका बेस्ड इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स: 5,400 डॉलर प्रति औंस।

स्विस इन्वेस्टमेंट बैंक यूबीएस: 5,500 डॉलर प्रति औंस। अमेरिका का सिटीबैंक: 5,000 डॉलर प्रति औंस।

जेपी मॉर्गन ने ये भी कहा है कि 2027 के आखिर तक कीमत 6,300 डॉलर तक पहुंच सकती हैं।

अगर सोना 20% बढ़ा, तो भारत में 10 ग्राम सोने की कीमत 1.74 लाख रुपए, 30% बढ़ा तो कीमत 1.88 लाख और अगर 40% बढ़ा तो कीमत 2.03 लाख पहुंच जाएगी। सोने के दाम बढ़ने की सबसे बड़ी वजह है सेंट्रल बैंक की खरीदारी।

दरअसल, 2022 में जब रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ, तो अमेरिका ने यूरोपीय दोस्तों के साथ मिलकर रूस के 300 बिलियन डॉलर के फॉरेन रिजर्व पर रोक लगा दी थी। माना जाने लगा कि अमेरिका अपनी करेंसी को हथियार की तरह इस्तेमाल कर सकता है।

इसके बाद से दुनियाभर के देशों में डॉलर के प्रति भरोसा कम होने लगा और वो अपना फॉरेन रिजर्व दूसरी करेंसी और खासकर सोने में जमा करने लगे। इस वजह से सोने की डिमांड बढ़ने लगी और कीमतें भी।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, 2025-26 में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने कुल 900 टन से ज्यादा सोना खरीदा, जो ज्यादा खरीद का लगातार चौथा साल है।

2026 की पहली तिमाही में बैंकों ने कागज पर 16 टन खरीद दिखाई। जेपी मॉर्गन का मानना है कि असली खरीदारी कहीं ज्यादा हुई। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल 244 टन खरीद का डेटा दे रहा है।

सोने की इस खरीद में सबसे आगे है चीन। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना फरवरी 2026 तक हर महीने 1 टन सोना खरीद रहा था। मार्च में उसने 5 टन और अप्रैल में 8 टन सोना खरीदा।

अब ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया और मलेशिया जैसे देशों के सेंट्रल बैंकों ने भी सोना खरीदना शुरू किया है। इसी वजह से जेपी मॉर्गन ने अनुमान लगाया कि अब सोने की कीमतें बढ़ेगी।

तो अभी सोना-चांदी खरीदना चाहिए या नहीं?

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि अगले 1 से 3 महीने सोना खरीदने के लिए सही समय है।

शेयर बाजार, गोल्ड और कमोडिटीज वगैरह से जुड़ी एनालिसिस देने वाली फर्म

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं, अमेरिका के फेडरल रिजर्व ने 17 जून संकेत दिए गए कि आगे ब्याज दरें बढ़ सकती हैं। ऐसे में सोने के बजाय डॉलर और बॉन्ड्स में ज्यादा इन्वेस्टमेंट होता है। इसके चलते सोने के दाम अभी कुछ गिर सकते हैं। हालांकि लॉन्गटर्म में सोने के दाम बढ़ेंगे। अगर सोना खरीदना है, तो अब से एक से तीन महीने के बीच खरीदना ठीक रहेगा।

चांदी की कीमत पर क्या असर पड़ने वाला है?

1 जनवरी 2025 को चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी। जो भारत में तब का ऑल-टाइम हाई था। 2025 में चांदी सबसे ज्यादा 170% बढ़ी और 30 जनवरी 2026 को 3.39 लाख पर बंद हुई। हालांकि ईरान जंग के दौरान दाम गिरे और 18 जून को ये 2.40 लाख रुपए पर है। जेपी मॉर्गन ग्लोबल रिसर्च ने 2026 में चांदी की औसत कीमत 81 डॉलर प्रति औंस रहने का अनुमान जताया था। यानी 2.46 लाख रुपए प्रति किलो। यह मौजूदा 2.40 लाख रुपए प्रति किलो से सिर्फ 6 हजार रुपए ज्यादा है।

जर्मनी के कॉमर्जबैंक के मुताबिक, 2026 के अंत तक चांदी की कीमत 90 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचेगी सकती है। ये करीब 2.73 लाख रुपए प्रति किलो बैठती है, जो मौजूदा भाव से लगभग 33 हजार रुपए ज्यादा है।

गोल्डमैन सैक्स ने 2026 में चांदी की औसत कीमत 85 से 100 डॉलर प्रति औंस रहने का अनुमान जताया है। यानी कीमत करीब 2.58 लाख से 3.04 लाख रुपए प्रति किलो तक पहुंच सकती है।

हालांकि, ब्रिटेन के एचएसबीसी बैंक के चीफ मेटल एक्सपर्ट जेम्स स्टील मानते हैं कि अगर अमेरिकी डॉलर और मजबूत होता है, तो चांदी की कीमतें और घट सकती हैं। निवेश का फैसला लेने से पहले अन्य जोखिम पर भी दें और कोई भी निर्णय सोच समझकर ही लें।

ट्रंप-मेलोनी ...

विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद फिलिपो सेंसी ने कहा कि किसी को भी इतालवी प्रधानमंत्री से इस तरह अहंकारी लहजे में बात करने का अधिकार नहीं है।

इटली की सत्तारूढ़ गठबंधन की सहयोगी लीग पार्टी के नेता माटेओ साल्विनी ने मेलोनी के समर्थन में उतरते हुए कहा, जॉर्जिया मेलोनी पर हमला पूरे इटली पर हमला है। मेलोनी के करीबी सहयोगी और प्रधानमंत्री कार्यालय के अंडरसेक्रेटरी जियोवानबातिस्ता फज्जोलारी ने कहा कि ट्रम्प जानबूझकर या अनजाने में अमेरिका और यूरोप के ऐतिहासिक रिश्तों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ट्रम्प के ऐसे बयानों ने पूरे यूरोप में अमेरिका की छवि को नुकसान पहुंचाया है और इसका सबसे ज्यादा नुकसान खुद अमेरिका को होगा।

ट्रम्प की समर्थक रही हैं मेलोनी

बीबीसी के मुताबिक ट्रम्प और मेलोनी के रिश्ते पहले काफी करीबी माने जाते थे। 2025 में ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाली वह एकमात्र यूरोपीय नेता थीं। उन्हें यूरोपीय संघ और अमेरिका के बीच ब्रिज के तौर पर भी देखा जाता था।

हालांकि, अप्रैल में ईरान युद्ध के दौरान दोनों नेत-ाओं के रिश्तों में खटास आ गई थी। पोप लियो 14वें की शांति अपील पर ट्रम्प ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी, जिसका मेलोनी ने विरोध किया था। इसके बाद ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें लगा था कि मेलोनी में साहस है, लेकिन वह गलत थे।

मोदी और मेलोनी की दोस्ती भी चर्चा में

इस विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जॉर्जिया मेलोनी के करीबी संबंध भी चर्चा में हैं। दोनों नेता हाल के जी7 सम्मेलन समेत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर साथ नजर आए हैं। सोशल मीडिया पर उनकी दोस्ती को चशश्रेवळ नाम से भी लोकप्रियता मिली है।

फ्रांस के एवियां में आयोजित 2026 जी7 सम्मेलन के दौरान मेलोनी ने मजाक में नरेंद्र मोदी से कहा था कि दोनों इंस्टाग्राम के सबसे चर्चित जोड़े हैं।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी की रोम यात्रा के दौरान उन्होंने मेलोनी को भारत की मशहूर मेलोडी टॉफियां भी गिफ्ट की थीं। इस बातचीत से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था और इसे 10 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया। मेलोनी ने सार्वजनिक तौर पर नरेंद्र मोदी को दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता बताया है।

कोरोना ...

जो पहले कभी किसी ने नहीं देखे थे।

इन दस्तावेजों से यह साफ हो गया है कि डॉक्टर फाउची ने खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों के साथ मिलकर एक बड़ी साजिश रची। उन्होंने इस बात को दबा दिया कि वायरस लैब से लीक हुआ है।

तुलसी गबार्ड ने कहा कि कोरोना महामारी ने दुनिया भर के करोड़ों लोगों को बहुत दर्द दिया और कई जानें गईं। सालों तक लोगों से झूठ बोला गया और बातों को छुपाया गया। अब अमेरिकी जनता को सच जानने का पूरा हक है। उन्होंने बताया कि डॉक्टर फाउची जैसे स्वार्थी लोगों ने अपनी गलतियों को छुपाने के लिए अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल किया। फाउची ने खुफिया जानकारी के साथ छेड़छाड़ की, संसद से झूठ बोला और देश के राष्ट्रपति को सही जानकारी नहीं दी ताकि देश को सुरक्षित रखा जा सके।

महामारी के दौरान फाउची की 3 बड़ी चाल

इस महामारी के दौरान डॉक्टर फाउची ने तीन मुख्य काम किए ताकि उन पर कोई शक न करे:

1.उन्होंने खतरनाक कोरोना वायरस रिसर्च के लिए पैसे दिए। इसका फायदा बड़ी दवा कंपनियों और खरबों डॉलर के वैक्सीन व्यापार को होना था।

2.उन्होंने खुफिया एजेंसियों को पीछे से सलाह दी। उन्होंने अपने कुछ खास वैज्ञानिकों के जरिए खुफिया एजेंसियों से यह कहलवाया कि यह वायरस किसी जानवर से प्राकृतिक रूप से आया है, ताकि लैब से वायरस लीक होने वाली बात हमेशा के लिए छुप जाए।

3.वह टीवी और मीडिया में महामारी के सबसे बड़े जानकार बन गए और खुलेआम झूठ और गलत जानकारी फैलाते रहे।

डॉक्टर फाउची और खुफिया एजेंसियों के कुछ नेत-ाओं ने मिलकर एक जाल बुन लिया था। फाउची ने खुफिया एजेंसियों को सलाह देने के लिए अपने खास वैज्ञानिक भेजे। इन वैज्ञानिकों की बातों को खुफिया एजेंसियों ने अपनी रिपोर्ट में लिखा। फिर इन्हीं रिपोर्टों को पूरी दुनिया में यह साबित करने के लिए दिखाया गया कि वायरस लैब से नहीं फैला है, बल्कि प्राकृतिक है। फाउची ने एक फर्जी रिसर्च पेपर को भी असली बताकर दुनिया के सामने पेश किया। खुफिया एजेंसियों ने उन विशेषज्ञों की बातों को पूरी तरह अनसुना कर दिया जो फाउची से सहमत नहीं थे। नए दस्तावेजों से यह भी बात बताई गई है कि 2024 में डॉक्टर फाउची ने अमेरिकी संसद में कसम खाकर झूठ बोला था। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने वायरस की रिसर्च के बारे में एफबीआई या सीआईए जैसी खुफिया एजेंसियों से कोई बात की थी, तो वह पहले सवालों से बचते रहे। फिर उन्होंने साफ झूठ बोलते हुए कहा कि उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। जांच में यह भी सामने आया कि खुफिया एजेंसी के जिन लोगों ने फाउची की बातों पर सवाल उठाए या सच बोलने की कोशिश की, उन्हें डराया-धमकाया गया और उनके करियर को बर्बाद कर दिया गया। सच बोलने वाले एक कर्मचारी को शिकायत करने के कुछ ही दिनों के अंदर नौकरी से निकाल दिया गया। जो अधिकारी यह कह रहे थे कि वायरस लैब से लीक हुआ है, उन्हें धमकी दी गई कि अगर वे बड़े अधिकारियों की बात नहीं मानेंगे तो उनका प्रमोशन रोक दिया जाएगा।शिकायत करने वाले कर्मचारियों को डराया गया। उनसे कहा गया कि शिकायत करते समय वकीलों या मैनेजरों का वहां होना जरूरी है, ताकि कोई भी छुपकर अपनी बात न रख सके।

यह पूरी जानकारी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर की गई एक साल लंबी जांच के बाद दुनिया के सामने आई है।

बिना टिकट पर...

उसे ट्रेन से उतारने के साथ ही जुर्माना या अन्य कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों का कहना है कि जुर्माना राशि का भुगतान नहीं करने पर मामला कोर्ट में जाएगा। वहां जुर्माना के साथ ही जेल की सजा हो सकती है।

रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे को पत्र जारी कर नए नियमों की जानकारी सभी अधिकारियों और कर्मियों तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि जनविश्वास अधिनियम के अंतर्गत यह बदलाव किए गए हैं।

इजरायल...

के लिए 100% सहमत हैं। हालांकि, नेतन्याहू के ऑफिस ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है।

दरअसल लेबनान में हिंसा बढ़ने की वजह से अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक अंतरिम समझौते पर दबाव बढ़ गया था। यह समझौता बुधवार को साइन हुआ था और इसका मकसद मिडिल ईस्ट में चल रही बड़ी जंग को खत्म करना था।

हिज्बुल्लाह के एक सांसद ने पहले रॉयटर्स को बताया था कि ईरान ने इस ग्रुप को यह जानकारी दी थी कि वाशिंगटन के साथ बातचीत तब तक जारी नहीं रह सकती जब तक एक पूरा और सही सीजफायर लागू नहीं हो जाता।

रात के समय इजरायल की एयरस्ट्राइक में लेबनान में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी है। इसी दौरान दक्षिण लेबनान में हिज्बुल्लाह के हमले में 4 इजरायली सैनिक मारे गए। अधिकारियों के मुताबिक यह इस जंग के दौरान हिज्बुल्लाह के सबसे खतरनाक हमलों में से एक था।

समझौते की शर्तें: सभी मोर्चों पर युद्धविराम

ईरान के साथ हुई डील के तहत अमेरिका, ईरान और उनके साथी देशों को यह ऐलान करना है कि लेबनान समेत हर मोर्चे पर मिलिट्री ऑपरेशन को तुरंत और हमेशा के लिए बंद किया जाए।

बता दें कि इस हफ्ते की शुरुआत में हिंसा काफी कम हो गई थी, लेकिन उसके बाद से यह फिर से बढ़ गई थी। हालांकि, अब सीजफायर हो गया है तो शांति की उम्मीद है।

डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल के पीएम नेतन्याहू को लेबनान में हो रहे हमलों को लेकर सीधे फोन पर फटकार लगाई थी। ट्रंप का कहना था कि इजरायल की कार्रवाई बहुत ज्यादा सख्त हो गई है और अब पूरी तरह सीजफायर होना चाहिए।

ट्रंप ने इजरायल के हमलों को खतरनाक और बहुत ज्यादा बताया था। उनका कहना था कि अगर हिज्बुल्लाह का एक भी आदमी किसी इमारत में है, तो इसका मतलब ये नहीं कि पूरी इमारत गिरा दी जाए। यानी ट्रंप को लग रहा था कि इजरायल बेवजह बहुत ज्यादा नुकसान कर रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप इतने गुस्से में थे कि उन्होंने नेतन्याहू को कड़े शब्दों में भी कुछ कह दिया। साथ ही उन्होंने नेतन्याहू को याद दिलाया कि अगर मैं नहीं होता, तो इजरायल का वजूद ही नहीं होता। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर मैं ना होता तो तुम जेल में होते। इससे साफ है कि ट्रंप ने नेतन्याहू पर पूरा दबाव बनाने की कोशिश की।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 20 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की अनूठी पहल

'शपथ' अभियान : 'नशामुक्त – युवा भारत' का संकल्प

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना रविवार दि. 21 जून को 'नशामुक्त – युवा भारत' के लक्ष्य के साथ एक भव्य सामाजिक आंदोलन की शुरुआत करने जा रहा है, जिसका नाम 'शपथ' (हमारा मिशन, हमारी जिम्मेदारी) रखा गया है। शुक्रवार को बशीरबाग स्थित देशोद्धारक भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए 'शपथ' आयोजन समिति के अध्यक्ष राम निवास बंसल और 'शपथ' परियोजना निदेशक देवेंद्र शास्त्री ने इस बात की आधिकारिक घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने 'शपथ' आंदोलन के वॉल पोस्टर का भी विमोचन किया। मीडिया को संबोधित करते हुए दोनों नेताओं ने युवाओं में बढ़ती नशीली

दवाओं की लत (ड्रग एब्यूज) पर गहरी चिंता व्यक्त की और इसे रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। आयोजकों ने बताया कि इस बड़े पैमाने पर चलाए जाने वाले नशामुक्त – युवा भारत 'शपथ' आंदोलन का औपचारिक उद्घाटन रविवार दि. 21 जून, 2026 को नौबत पहाड़ स्थित भास्कर ऑडिटोरियम, हैदराबाद में किया जाएगा। इस आंदोलन को तेलंगाना राज्य सरकार, तेलंगाना पुलिस विभाग और ईगल फोर्स का पूर्ण सहयोग प्राप्त है। इस गरिमामयी समारोह के मुख्य अतिथि तेलंगाना के परिवहन और पिछड़ा वर्ग (बीसी) कल्याण राज्य मंत्री पोन्नम प्रभाकर होंगे, जो इस आंदोलन का उद्घाटन करेंगे। इनके अलावा, बीसी कल्याण राज्य सलाहकार वी. हनुमंत राव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं, अग्रवाल समाज के मुख्य सलाहकार व पूर्व सांसद गिरीश कुमार संघी, विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव, राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी.वी. आनंद और हैदराबाद की जिला कलेक्टर प्रियंका आला सम्मानित अतिथि के रूप में कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। इस कार्यक्रम में नारकोटिक्स ब्यूरो के निदेशक संदीप शांडिल्य मुख्य वक्ता (कीनोट स्पीकर) के रूप में अपना विशेष संबोधन देंगे।

परियोजना के उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए पदाधिकारियों ने कहा कि शपथ का प्राथमिक उद्देश्य युवाओं, अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों, चिकित्सा पेशेवरों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों (पुलिस व नारकोटिक्स ब्यूरो) को एक साझा मंच पर लाकर नशा विरोधी मुहिम को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है।

इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और शहरों के प्रमुख चौराहों पर नुक्कड़ नाटकों (स्ट्रीट प्ले) और रैलियों का आयोजन किया जाएगा, ताकि युवाओं को नशे के जाल में फंसने से समय रहते बचाया जा सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शपथ केवल एक सामान्य अभियान नहीं, बल्कि जन-भागीदारी से संचालित होने वाला एक बड़ा सामाजिक आंदोलन है। इसका मुख्य संकल्प देश की युवा शक्ति को नशे के अंधकार से दूर ले जाकर उन्हें पारिवारिक मूल्यों, नैतिक संस्कारों और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाना है। संवाददाता सम्मेलन में 'शपथ' के जनसंपर्क निदेशक (पीआर डायरेक्टर) सुनील अग्रवाल, सलाहकार राजीव अग्रवाल व विशाल केडिया, कार्यक्रम समन्वयक अनिल सिंह, और संरक्षक अनिरुद्ध गुप्ता व नरेंद्र गोयल सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अग्रवाल शिक्षा समिति की एमबीए विभागीय बैठक आयोजित

उस्मानिया विश्वविद्यालय निरीक्षण में सफलता पर प्राध्यापकों का किया गया सम्मान

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एस.डी. सिग्रोदिया कॉलेज के एमबीए विभाग के कोरेस्पोंडेंट एवं प्राध्यापकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग की शैक्षणिक प्रगति, आगामी सत्र की प्रवेश प्रक्रिया तथा विभिन्न विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई।

एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से विभाग के कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा विभाग का निरीक्षण किया गया, जिसमें विभाग ने सफलता प्राप्त की। इस उपलब्धि पर विभाग के प्रिंसिपल, डायरेक्टर एवं सभी सहायक प्राध्यापकों को बधाई दी गई। साथ ही सभी के लिए मध्याह्न भोजन की व्यवस्था भी की गई।

बैठक में विभाग के इतिहास एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से सहायक प्राध्यापक वेंकटेश को एक विशेष बोर्ड तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई, जिसमें स्थापना काल से अब तक के सभी कोरेस्पोंडेंट एवं डायरेक्टरों के नाम अंकित किए जाएंगे।

इसी प्रकार, सहायक प्राध्यापक सत्यजीत सिंह को विभाग के लिए हाइड्रोलिक लिफ्ट संबंधी कोटेशन प्राप्त करने का दायित्व सौंपा गया, जबकि कंप्यूटर विभाग की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सहायक प्राध्यापक किरण को दस नए कंप्यूटरों के लिए कोटेशन मंगवाने का कार्य सौंपा गया। बैठक में शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के प्रवेश अभियान पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। प्रस्तावित फीस संरचना का निर्धारण कर अनुमोदन हेतु अग्रवाल शिक्षा समिति को भेजने का निर्णय लिया गया।

यह भी बताया गया कि एमबीए विभाग में पिछले तीन वर्षों से 120 सीटों पर शत-प्रतिशत प्रवेश हो रहा है। इसी परंपरा को जारी रखने के उद्देश्य से इस वर्ष भी पूर्ण प्रवेश लक्ष्य प्राप्त करने की जिम्मेदारी सहायक प्राध्यापक सत्यजीत सिंह ठाकुर एवं पद्मजा को सौंपी गई।

कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने सभी प्राध्यापकों से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए विभाग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

बैठक में विभाग के कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल, प्रिंसिपल डॉ. सी.एच. दल पड़ाल, डायरेक्टर प्रो. पल्लवी के. रंगनाथ, सहायक प्राध्यापक वैदेही, वाई. पल्लवी, किरण, सत्यजीत, वेंकटेश, पद्मजा, लाइब्रेरियन सीनू, कार्यालय प्रभारी मनोज, सुनयना सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

एनएमडीसी के वरिष्ठ प्रबंधन ने कर्नाटक स्थित दोणिमलै परिसर में

डिजिटलीकरण, क्षमता विस्तार और सुस्थिर खनन पहलों की समीक्षा की

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) एनएमडीसी के वरिष्ठ प्रबंधन ने दोणिमलै कॉम्प्लेक्स की हाल ही में हुई एक यात्रा के दौरान परिचालन दक्षता को मजबूत करने, जिम्मेदार खनन प्रथाओं को बढ़ावा देने और कर्मचारियों तथा आसपास के समुदायों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्य से कई रणनीतिक पहलों की समीक्षा की । इस दौरे से प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने का अवसर मिला, जो दोणिमलै को भविष्य के लिए तैयार खनन परिसर में बदलने में मदद कर रही हैं । साथ ही, एनएमडीसी को भारत के सबसे बड़े और जिम्मेदार लौह अयस्क उत्पादक के रूप में सुस्थापित करती है ।

इस यात्रा के दौरान प्रबंधन ने कुमारस्वामी खदान से 10 एमटीपीए और दोणिमलै परिसर से 17 एमटीपीए के उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से चल रही क्षमता-विस्तार और बुनियादी ढांचे के विकास की पहलों की समीक्षा की । इन पहलों से एनएमडीसी के 100 एमटीपीए खनन कंपनी बनने के विजन में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है ।

प्रबंधन ने 35% तक ऋण युक्त लौह अयस्क, लौह अयस्क स्लाइम्स और निम्न श्रेणी के लौह-युक्त पदार्थों जैसे बैंडेड हेमेटाइट जैस्पर (बीएचजे) और बैंडेड हेमेटाइट क्वार्ट्जाइट (बीएचक्यू) के उपयोग के लिए पहलों की भी समीक्षा की । परंपरागत रूप से, इन संसाधनों का सीमित उपयोग किया जाता था और मूल्यवान लौह सामग्री होने के बावजूद इन्हें अपशिष्ट के रूप में माना जाता था । लाभकारी और वैज्ञानिक खनिज प्रसंस्करण के माध्यम से, एनएमडीसी इन कम उपयोग किए गए संसाधनों को मूल्यवान कच्चे माल में बदल रहा है, मौजूदा खदानों से अधिक लौह अयस्क को पुनः प्राप्त कर रहा है, जबकि अपशिष्ट उत्पादन को कम कर रहा है । यह पहल खनन की सुस्थिर प्रथाओं का समर्थन करती है, खनिज संरक्षण में सुधार करती है, खनन कार्यों के पर्यावरणीय पदचिह्न को कम करती है और भारत के इस्पात क्षेत्र की कच्ची सामग्री की बढ़ती आवश्यकताओं में योगदान करती है ।

कुमारस्वामी खदान में नई लागू की गई स्वचालित गेट प्रबंधन प्रणाली दौरे के दौरान समीक्षा का एक अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु था । डिजिटल प्रणाली ने रियल टाइम निगरानी और सामग्री की आवाजाही के सत्यापन को सक्षम बनाकर लौह अयस्क प्रेषण में पारदर्शिता और दक्षता को मजबूत बनाया है । यह पहल यह सुनिश्चित करने में मदद करती है कि खनिज संसाधनों को उनके इच्छित गंतव्यों तक सुरक्षित रूप से पहुँचाया जाए, साथ ही मैनुअल हस्तक्षेप को कम किया जाए और परिचालन संबंधी निगरानी में सुधार लाया जाए ।

एनएमडीसी के सीएमडी श्री अमिताभ मुखर्जी ने कार्यपालक निदेशकों के साथ मिलकर हाल ही में विकसित बुनियादी ढांचागत सुविधाओं का उद्घाटन किया, जिनमें हाई-राइज टावर शामिल हैं, जो कर्मचारी कल्याण और सामुदायिक विकास के प्रति एनएमडीसी की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है । भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक के रूप में, एनएमडीसी का मानना है कि सतत विकास उत्पादन लक्ष्यों से परे होता है और इसमें कर्मचारियों के लिए बेहतर जीवन-स्तर बनाना, स्थानीय समुदायों का समर्थन करना और पर्यावरण प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित रखना शामिल है ।

इस अवसर पर बोलते हुए, एनएमडीसी के सीएमडी श्री अमिताभ मुखर्जी ने कहा, ''हमारा दृष्टिकोण ऐसे खनन संचालन का निर्माण करना है, जिस पर भावी पीढ़िया गर्व कर सकें ।

भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक के रूप में, हम दोणिमलै को एक मॉडल खनन परिसर बनाने की आकांक्षा रखते हैं, जो जिम्मेदार खनन, नवाचार और कर्मचारी कल्याण के उच्चतम मानकों को दर्शाता है । जैसे-जैसे एनएमडीसी अपने 100 एमटीपीए विजन की ओर बढ़ रहा है, हम भारत के इस्पात उद्योग को उच्च-गुणवत्ता वाले लौह अयस्क की आपूर्ति करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ।

साथ ही, हम प्रौद्योगिकी और नवाचार के माध्यम से हर संसाधन के मूल्य को अधिकतम करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, यहां तक कि निम्न श्रेणी के अयस्क को उत्पादक परिसंपत्तियों में बदल रहे हैं, साथ ही सुस्थिर और जिम्मेदार खनन प्रथाओं को

सिकंदराबाद में गुरु पुष्य दिव्य अनुष्ठान का भव्य आयोजन

गुरु पुष्य नक्षत्र अत्यंत शुभ एवं फलदायी होता है : मुनि दीप कुमार

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिख रोड स्थित बांठिया गार्डन में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि श्री दीप कुमारजी एवं सहवर्ती संत मुनि श्री काव्य कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथी सभा सिकंदराबाद द्वारा गुरु पुष्य दिव्य अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया गया।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में लगभग 450 श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

इस अवसर पर मुनि श्री दीप कुमारजी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि गुरु पुष्य नक्षत्र भारतीय ज्योतिष एवं आध्यात्मिक परंपरा में अत्यंत शुभ एवं फलदायी माना जाता है। इस दिव्य संयोग में किए गए जप, तप, साधना, स्वाध्याय एवं शुभ संकल्प विशेष रूप से फल प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने, आत्मबल को सुदृढ़ बनाने तथा आध्यात्मिक उन्नति के लिए ऐसे शुभ अवसरों का सदुपयोग करना चाहिए। बाहरी उपलब्धियों के साथ-साथ आंतरिक शुद्धि और आत्मजागरण भी जीवन की वास्तविक सफलता का आधार हैं। मुनिश्री के निर्देशन में चयनित मंत्रों द्वारा विशेष दिव्य अनुष्ठान सम्पन्न कराया गया, जो लगभग एक घंटे तक चला। श्रद्धालुओं ने पूर्ण तन्मयता, श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मंत्रोच्चार में भाग लिया। इस दौरान सम्पूर्ण परिसर मंत्रध्वनि एवं सकारात्मक ऊर्जा से गुंजायमान हो उठा तथा उपस्थित श्रद्धालुओं ने आध्यात्मिक शांति एवं दिव्यता का अनुभव किया।

कार्यक्रम की सफलता में तेरापंथी सभा सिकंदराबाद के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा। सभा अध्यक्ष सुशील संचेती के नेतृत्व में उनकी टीम ने आयोजन की व्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक संभाला।

इस अवसर पर निर्मल बेंगाणी, राजकुमार गुजरानी, महासभा प्रभारी लक्ष्मीपत बैद, कार्यक्रम संयोजक हुकुमचंद कोटेचा, प्रकाश बोथरा, अरिहंत गुजरानी एवं खुशाल भंसाली सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस आध्यात्मिक अनुष्ठान को अत्यंत प्रेरणादायी, ऊर्जा प्रदान करने वाला एवं आत्मिक शांति का अनुभव कराने वाला बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की निरंतरता बनाए रखने की अपेक्षा व्यक्त की।

श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन आश्रम में पूजा और भजन का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूरनापुल, हैदराबाद (तेलंगाना) स्थित श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन निर्वाण ब्रह्मशील मंडल (आश्रम) में एक भव्य पूजा और भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आध्यात्मिक आयोजन श्रीमान महंत अद्वैतानंद जी महाराज एवं महंत कोठारी प्रशांत दास जी महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। इस दौरान आश्रम का माहौल पूरी तरह भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आया।

इस पवित्र पूजा अनुष्ठान में प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और श्रीमान महंत अद्वैतानंद जी महाराज एवं महंत कोठारी प्रशांत दास जी महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र की सुख-समृद्धि और जन-कल्याण की कामना की।

इस आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग शामिल हुए। बोनाला श्रीनिवास के साथ मुख्य रूप से सोमपारी श्रीकांत और अरविंद मेधारी भी पूजा में सम्मिलित हुए। इन सभी नेताओं और गणमान्य जनों ने संतों के दर्शन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और आश्रम में आयोजित भक्ति भजनों का आनंद लिया।

लाखों नौकरीपेशा लोगों पर टूटेगा एआई का तूफान, युवाओं को हुनरमंद बना रही है सरकार: रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को युवाओं को आगाह करते हुए कहा कि भविष्य में आने वाला 'एआई का तूफान' (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) लाखों लोगों को बेरोजगार कर सकता है।

इस बड़ी चुनौती से निपटने के लिए तेलंगाना सरकार कौशल विकास (स्किल डेवलपमेंट), ब्लू-कॉलर रोजगार, शिक्षा सुधारों और खेल बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि राज्य को देश का एक प्रमुख शिक्षा और खेल हब बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने ये बातें एलबी स्टेडियम में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान कहीं, जहाँ उन्होंने 27.5 लाख छात्रों के लिए यंग इंडिया स्टूडेंट किट्स के वितरण की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला भी शामिल हुए और उन्होंने छात्रों को किट वितरित किए।

स्टेडियम में उपस्थित हजारों छात्रों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना और पूरे देश का भविष्य आज क्लासरूम (कक्षाओं) में गढ़ा जा रहा है। उन्होंने युवाओं से राज्य के पुनर्निर्माण में सक्रिय भागीदार बनने का आह्वान करते हुए कहा, छात्रों को एक ऐसी ताकत के रूप में उभरना चाहिए जो आगे चलकर देश का नेतृत्व कर सके। केवल शिक्षा ही आपका भाग्य बदल सकती है। उन्होंने बताया कि एआई के खतरे से निपटने के लिए राज्य सरकार ने आईटीआई को उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों में बदल दिया है और युवाओं की क्षमताओं को निखारने के लिए एक विशेष स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना की है। इसके अतिरिक्त, विदेशों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए छात्रों को अंग्रेजी के साथ-साथ जर्मन और जापानी भाषाओं का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

शिक्षा को खर्च नहीं, भविष्य की पीढ़ियों में निवेश मानती है सरकार

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पिछली भारत राष्ट्र समिति सरकार पर अपने एक दशक के शासनकाल के दौरान शिक्षा क्षेत्र की घोर अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार ने शिक्षा के महत्व को समझते हुए वर्ष 2026-27 के राज्य बजट का 8.5 प्रतिशत हिस्सा शिक्षा के लिए आवंटित किया है, जो 26,600 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा, हम इसे एक सरकारी खर्च के रूप में नहीं देखते, बल्कि इसे अपनी आने वाली पीढ़ियों में किया गया एक बेहतरीन निवेश मानते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी स्कूलों में प्री-प्राइमरी शिक्षा की शुरुआत की गई है ताकि सरकारी तंत्र निजी संस्थानों को कड़ी टक्कर दे सके।

शिक्षा मंत्रालय अपने पास रखने की वजह और 'अन्ना अक्का मेंटरशिप' की शुरुआत

अकेले शिक्षा मंत्री का पद न होने की आलोचनाओं का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने शिक्षा पोर्टफोलियो को अपने पास इसलिए रखा है क्योंकि इस पूरी व्यवस्था में व्यापक और बड़े सुधारों की जरूरत है। बरसों की लापरवाही से जो नुकसान हुआ है, उसे ठीक कर गरीब और हाशिए पर मौजूद छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना उनकी प्राथमिकता है।

इस अवसर पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने छात्रों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई और उन्हें देश की अमूल्य संपत्ति बताया। राज्यपाल ने सरकार के इस प्रयास की सराहना करते हुए अन्ना अक्का मेंटरशिप 'एआई और डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम' को भी लॉन्च किया। कार्यक्रम स्थल पर हरे कृष्णा चैरिटीज जैसी संस्थाओं द्वारा संचालित सेंट्रलाइज्ड किचन और मिड-डे मील सुधारों की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। अधिकारियों ने बताया कि 'यंग इंडिया स्टूडेंट किट' में आवासीय छात्रों के लिए 22 वस्तुएं और अन्य छात्रों के लिए किताबें, यूनिफॉर्म समेत पढ़ाई की जरूरी सामग्रियां शामिल हैं।

मूसा नदी पुनरुद्धार को बड़ी रफ्तार

बापू घाट पर गांधी सरोवर परियोजना के लिए केंद्र ने दी 83 एकड़ रक्षा भूमि

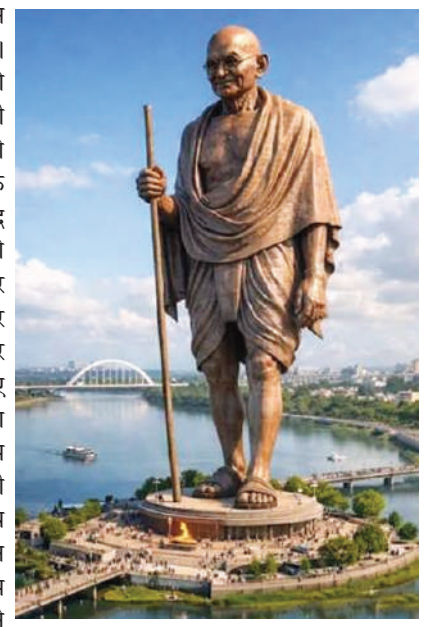

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की महत्वाकांक्षी 'मूसा नदी पुनरुद्धार परियोजना' को एक बड़ी और ऐतिहासिक कामयाबी मिली है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को तेलंगाना सरकार को लंगर हौज़ के बापू घाट पर प्रस्तावित 'गांधी सरोवर परियोजना' के लिए 83.814 एकड़ रक्षा (डिफेंस) भूमि पर काम शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी के बाद राज्य सरकार के फ्लैगशिप मूस रिवरफ्रंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से के काम में तेजी आने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस सहयोग के लिए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मंजूरी मूस नदी के कायाकल्प और इसके रिवरफ्रंट को एक जीवंत पारिस्थितिक (इकोलॉजिकल), सांस्कृतिक और सार्वजनिक संपत्ति के रूप में बदलने के तेलंगाना के विजन में एक मील का पत्थर है।

रक्षा विभाग (भूमि) द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, आर्टिलरी सेंटर, गोलकोंडा में स्थित 83.814 एकड़ रक्षा भूमि के उपयोग की अनुमति विशिष्ट नियमों और शर्तों के साथ दी गई है। यह मंजूरी रक्षा मंत्रालय की 'इक्कल वैल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर' नीति के तहत प्रदान की गई है। जमीन के ये टुकड़े गांडीपेट, राजेंद्रनगर और गोलकोंडा मंडलों के अंतर्गत आने वाले बंदलागुड़ा, हैदरगुड़ा और किला मोहम्मद नगर गांवों में फैले हुए हैं। इस पूरी भूमि का कुल मूल्य लगभग 533.42 करोड़ आंका गया है।

यह अनुमति मूस रिवर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन द्वारा एनओसी पोर्टल के माध्यम से दिए गए आवेदन के बाद मिली है, जिससे रक्षा भूमि पर काम करने की एक बड़ी बाधा दूर हो गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि स्थानीय सैन्य प्राधिकरण (सेना) को समान मूल्य के बुनियादी ढांचे (इक्कल वैल्यू इंफ्रास्ट्रक्चर) के निर्माण के बदले यह वर्किंग परमिशन दी गई है।

इस परियोजना के लिए जमीन हासिल करना राज्य सरकार के लगातार प्रयासों का परिणाम है। सितंबर 2025 में, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी और हैदराबाद में गांधी सरोवर परियोजना के लिए 98.2 एकड़ रक्षा भूमि स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था, जिस पर अब केंद्र ने मुहर लगा दी है।

इस मंजूरी से मूस रिवरफ्रंट डेवलपमेंट प्रोग्राम के सबसे प्रमुख हिस्से 'गांधी सरोवर प्रोजेक्ट' का रास्ता साफ हो गया है। इस परियोजना के तहत यहाँ एक नॉलेज हब (ज्ञान केंद्र), मेडिटेशन विलेज (ध्यान ग्राम), हथकरघा प्रोत्साहन केंद्र, मनोरंजन हब, सुंदर लैंडस्केप जोन, घाट और एक भव्य पीस स्टैच्यू (शांति प्रतिमा) संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा। राज्य सरकार का इरादा बापू घाट क्षेत्र को एक विश्व स्तरीय पर्यटन और सांस्कृतिक स्थल के रूप में विकसित करना है, जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों पर्यटकों को आकर्षित कर सके। अधिकारियों का कहना है कि यह परियोजना महात्मा गांधी से जुड़े इस ऐतिहासिक स्मारक स्थल की भव्यता को और बढ़ाएगी।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में 81 वर्षीय बुजुर्ग को 21 साल की जेल, अदालत ने लगाया भारी जुर्माना

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। पॉक्सो मामलों की एक फास्ट-ट्रैक कोर्ट ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 81 वर्षीय बुजुर्ग वूसा वेंकट नारायण को एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के जुर्म में 21 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोषी वेंकट नारायण हैदराबाद जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड का सेवानिवृत्त अधीक्षक (रिटायर्ड सुपरिटेंडेंट) है। अदालत ने सजा के साथ-साथ दोषी पर 30,000 का जुर्माना भी लगाया है और उसे पीड़िता को मुआवजे के रूप में 4 लाख का भुगतान करने का निर्देश दिया है। यह फैसला रंगारेड्डी जिले के एलबी नगर स्थित दुष्कर्म और पॉक्सो अधिनियम मामलों की फास्ट-ट्रैक कोर्ट की न्यायाधीश एम.के. पद्मावती द्वारा सुनाया गया।

बिस्कुट और चॉकलेट का लालच देकर बनाया शिकार

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, दोषी वेंकट नारायण पीड़िता के घर के पास ही रहता था। मार्च 2023 में, कॉलोनी में अन्य बच्चों के साथ खेल रही एक 12 वर्षीय मासूम बच्ची पर उसकी बुरी नजर पड़ी। नारायण ने बच्ची को बिस्कुट और चॉकलेट का लालच देकर उसका विश्वास जीता और उसे बहला-फुसलाकर पास ही स्थित अपने घर ले गया।

पिता ने रंगे हाथों पकड़ा, पहले भी की थी दरिंदगी

इस घिनौने कृत्य का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता के पिता को नारायण के व्यवहार पर शक हुआ। संदेह होने पर जब पिता आरोपी के घर पहुंचे, तो उन्होंने आरोपी को अपनी मासूम बेटी के साथ दुर्व्यवहार करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। बाद में जब माता-पिता ने बच्ची से पूछताछ की, तो उन्हें पता चला कि आरोपी नारायण उस मासूम के साथ पहले भी कई बार यौन उत्पीड़न और दरिंदगी कर चुका था।

चैतन्यपुरी पुलिस की जांच से दोषी को सजा

इस दर्दनाक घटना के बाद पीड़ित परिवार ने तुरंत चैतन्यपुरी पुलिस स्टेशन पहुंचकर आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मार्च 2023 में मामला दर्ज कर तत्परता से जांच शुरू की और नारायण को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा। पुलिस द्वारा जुटाए गए पुख्ता सबूतों और गवाहों के आधार पर अदालत ने इस मामले में त्वरित सुनवाई करते हुए दोषी को उसके बुढ़ापे के बावजूद कृत्य की गंभीरता को देखते हुए कड़ी सजा सुनाई।

तेलंगाना में विचार लेकर आएं, उन्हें हकीकत में बदलने के लिए पूरा प्रोत्साहन देगी सरकार: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। खजागुडा स्थित 'एसएएस आईटॉवर' में आयोजित पहले 'हैदराबाद इकोनॉमिक फोरम' 2026 में 500 से अधिक व्यापारिक दिग्गजों, नीति निर्माताओं, निवेशकों और शिक्षाविदों का जमावड़ा हुआ। ''वन सिटी, वन विजन, इनफिनिट पॉसिबिलिटीज'' (एक शहर, एक विजन, अनंत संभावनाएं) की थीम पर आयोजित इस मंच का उद्देश्य हैदराबाद को वैश्विक नवाचार (इनोवेशन) और आर्थिक केंद्र के रूप में आगे बढ़ाना है। इस कार्यक्रम की मेजबानी 'एसएएस इंफ्रा' ने अपने नॉलेज पार्टनर 'बोवर स्कूल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप' के सहयोग से की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और तेलंगाना के आईटी, उद्योग व विधायी मामलों के मंत्री श्री दुद्दिमिल्ला श्रीधर बाबू ने ''हैदराबाद: भारत की नवाचार राजधानी बनना'' विषय पर मुख्य भाषण दिया। उन्होंने कहा कि 20वीं सदी जहां संसाधनों और उद्योगों की प्रतिस्पर्धा की थी, वहीं 21वीं सदी उन देशों की है जो नए विचारों और प्रतिभाओं को आकर्षित कर सकते हैं।

पिछले एक दशक में ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत का 81वें से 39वें स्थान पर पहुंचना देश की बढ़ती ताकत को दर्शाता है और तेलंगाना इस बदलाव की अगुवाई करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

आईटी मंत्री ने बताया कि भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें तेलंगाना एक 'टॉप परफॉर्मर' राज्य बनकर उभरा है। सरकार इसके विकास के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठा रही है, जिसमें एआईकेएएम, तेलंगाना डेटा एक्सचेंज (टीजीडीईएक्स), स्टार्टअप्स के लिए 1,000 करोड़ का 'फंड ऑफ फंड्स', देश की पहली प्रस्तावित एआई यूनिवर्सिटी, स्किल यूनिवर्सिटी और 100 उन्नत आईटीआई की स्थापना शामिल है। इसके अलावा, एआई साक्षरता मिशन के तहत सरकारी स्कूलों के करीब 20 लाख छात्रों को भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्होंने उद्यमियों को संदेश देते हुए कहा, ''तेलंगाना में एक विचार के साथ आएं, हम हर सच्चे विचार को आगे बढ़ने का पूरा अवसर और सहयोग देंगे।''

दिनभर चले इस सत्र में रियल एस्टेट, लाइफ साइंसेज, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, वेल्थ मैनेजमेंट, शिक्षा और महिला नेतृत्व जैसे विविध विषयों पर गहन चर्चा हुई।

एसएएस इंफ्रा के चेयरमैन डॉ. जी.वी. राव ने कहा कि हैदराबाद की असली ताकत प्रौद्योगिकी से लेकर खेलों तक, हर क्षेत्र में एक साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की क्षमता है।

इस फोरम में 20 से अधिक दिग्गज वक्ताओं ने हिस्सा लिया, जिनमें मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय की उपाध्यक्ष डॉ. च. प्रीति रेड्डी, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सतीश दुआ, तेलंगाना सरकार के फार्मा सीईओ श्री सर्वेश सिंह, और नेक्स्टवेव के सह-संस्थापक राहुल अत्तुलूरी शामिल थे। प्रसिद्ध पत्रकार सुश्री फेय डिसूजा ने कुछ प्रमुख सत्रों का संचालन किया।

कार्यक्रम के अंत में सभी विशेषज्ञों ने सहमति जताई कि हैदराबाद भारत के अगले चरण के विकास और वैश्विक प्रासंगिकता का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह सक्षम है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 26^0

पासपोर्ट सत्यापन में तेलंगाना पुलिस का जलवा:

केंद्रीय विदेश मंत्रालय ने संस्थागत प्रदर्शन पुरस्कार से नवाजा

हैदराबाद, 19 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना पुलिस को एक बड़ी राष्ट्रीय उपलब्धि हासिल हुई है। राज्य पुलिस को पासपोर्ट सत्यापन और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा 'संस्थागत प्रदर्शन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन में आयोजित 'पासपोर्ट सेवा दिवस' समारोह और पासपोर्ट अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यह पुरस्कार तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी.वी. आनंद को सौंपा।

पासपोर्ट सत्यापन में रिकॉर्ड प्रदर्शन

यह सम्मान राज्य पुलिस की त्वरित, पारदर्शी और तकनीक-संचालित पासपोर्ट सत्यापन प्रणाली की मान्यता के रूप में मिला है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025-26 के दौरान, पुलिस विभाग ने 8,67,741 पासपोर्ट आवेदनों को संसाधित (प्रोसेस) किया और उनमें से 8,67,452 आवेदनों का सत्यापन और क्लीयरेंस कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। पुलिस की इस कार्यप्रणाली का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि औसतन पांच से सात दिनों के भीतर 99 प्रतिशत आवेदनों का निपटान कर दिया गया। वहीं, 2024-25 में भी तेलंगाना पुलिस ने 8,06,684 आवेदनों का सत्यापन सात दिनों से कम के टर्नअराउंड समय में पूरा कर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई थी।

वेरीफास्ट तकनीक ने बदली तस्वीर

अधिकारियों ने इस सफलता का मुख्य श्रेय 'वेरीफास्ट' नामक उन्नत पासपोर्ट सत्यापन प्लेटफॉर्म को दिया है। इसे पहली बार 2014 में सी.वी. आनंद द्वारा विकसित किया गया था, जब वे साइबरबाद कमिश्नर के पद पर कार्यरत थे, और 2015 में इसे पूरे राज्य में लागू कर दिया गया। यह एआई-संचालित सिस्टम आवेदकों के विवरण को सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स), पिछले पासपोर्ट रिकॉर्ड और अन्य डेटाबेस के साथ क्रॉस-चेक करता है, जिससे विसंगतियों और आपराधिक रिकॉर्ड की पहचान आसानी से हो जाती है।

सातवीं बार राष्ट्रीय गौरव

2015 के बाद से पासपोर्ट सत्यापन सेवाओं में उत्कृष्टता के लिए तेलंगाना पुलिस को मिली यह सातवीं राष्ट्रीय स्तर की मान्यता है।

डीजीपी सी.वी. आनंद ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार पुलिस बल के समर्पण, व्यावसायिकता और नागरिक-केंद्रित सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पुलिस की यह तकनीक-आधारित कार्यप्रणाली आज देश भर के लिए एक नजीर बनी हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.